रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:52 | रविवार,26 अक्टूबर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

बॉलीवुड और टीवी दुनिया के हास्य अभिनेता सतीश शाह का निधन

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में अपनी बेहतरीन टाइमिंग और अद्भुत हास्य से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले मशहूर अभिनेता सतीश शाह का 25 अक्टूबर को दोपहर करीब ढ़ाई बजे निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके चले जाने की खबर ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया है। सतीश शाह का ज़िक्र होते ही दर्शकों की आंखों के सामने सबसे पहले उभर आता है 'साराभाई वर्सेस साराभाई' का वह चतुर, हाजिरजवाब और बेहद मजाकिया किरदार इंद्रवदन साराभाई। उनकी कॉमिक टाइमिंग ऐसी थी कि संवाद साधारण हों या चुटीले, दर्शक हंसी रोक ही नहीं पाते थे। उन्होंने टीवी और फिल्मों दोनों में अभिनय की वह पहचान बनाई, जो समय के साथ और भी अमर होती चली गई। उनके निधन की खबर जैसे ही सामने आई, मनोरंजन जगत से लेकर उनके चाहने वालों तक हर कोई भावुक हो उठा। सोशल मीडिया पर शोक संदेशों की बाढ़ सी आ गई।

थाईलैंड की राजमाता सिरीकित का निधन

एजेंसी

बैंकॉक : थाईलैंड की राजमाता सिरीकित का शुक्रवार को किंग चुलालोंगकोर्न मेमोरियल अस्पताल में निधन हो गया। वह 93 वर्ष की थी। शाही परिवार के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय ने एक आधिकारिक घोषणा में कहा कि डॉक्टरों की एक टीम सात सितंबर, 2019 से अस्पताल में राजमाता के स्वास्थ्य की निगरानी और उपचार कर रही थी, ने पाया कि वह कई शारीरिक प्रणालियों में कई बीमारियों और असामान्यताओं से पीड़ित थीं, जिसके लिए निरंतर चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता थी। चिकित्सकों के अनुसार राजमाता को 17 अक्टूबर, 2025 को रक्तप्रवाह में संक्रमण हो गया था और अथक प्रयासों के बावजूद उनकी हालत धीरे-धीरे बिगड़ती गई और कल रात 9:21 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।कार्यालय ने एक आधिकारिक घोषणा में कहा कि डॉक्टरों की एक टीम सात सितंबर, 2019 से अस्पताल में राजमाता के स्वास्थ्य की निगरानी और उपचार कर रही थी, ने पाया कि वह कई शारीरिक प्रणालियों में कई बीमारियों और असामान्यताओं से पीड़ित थीं,

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू

संवाददाता

रांची। रांची। नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शनिवार से शुरू हो गया। राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों में व्रतियों ने शुद्ध रूप से नहा-धोकर नेम और निष्ठा का पर्व छठ की शुरूआत की। सुबह से ही व्रति नहाय खाय की तैयारियों में जुटे रहे और स्नान कर घर की शुद्धि कर अरवा चावल, कददू की सब्जी और चने की दाल का प्रसाद बनाकर भगवान सूर्य को नमस्कार कर ग्रहण किया और प्रसाद स्वरूप इसे प्रियजनों को खिलाया। कई व्रती गेहूं सुखाते हुए भी देखी गईं। 26 अक्टूबर (रविवार) को खरना पर व्रती खीर का भोग अर्पित कर ग्रहण करेंगी। खीर के प्रसाद को आस-पास के लोग और प्रियजनों को भी खिलाया जाएगा। इसके साथ ही 36 घंटे का उपवास शुरू हो जाएगा। 27 अक्टूबर

राज्यपाल,मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने महापर्व छठ की दी शुभकामनाएं

(सोमवार) को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा और दूसरे दिन 28 अक्टूबर (मंगलवार) को उदीयमान भगवान भुवन भास्कार को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके बाद व्रति पारण करेंगी। इसी के साथ ही सर्फलदायी महापर्व छठ का समापन होगा।राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा है कि भगवान भास्कर एवं छठी मैया सभी छठव्रतियों और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करें, ऐसी प्रार्थना है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का शुभारंभ हो रहा है। यह महापर्व हमारे जीवन में शुद्धता, श्रद्धा, संयम, समर्पण, संकल्प, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता का अद्भुत संदेश देता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खगड़िया में की जनसभा, कहा-

महागठबंधन की भ्रष्टाचार व परिवारवाद ही असली पहचान

एजेंसी

पटना : शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खगड़िया में चुनावी सभा को संबोधित किया। अलौली विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभा में कहा कि महागठबंधन की असली पहचान भ्रष्टाचार और परिवारवाद है। महागठबंधन के घटक दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव को आड़े हाथों लिया। उनके समय के हुए भ्रष्टाचार और सजायाफ्ता होने की चर्चा की। खगड़िया जिले के उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया है। अपने भाषण के दौरान सभा में बैठे लोगों से अमित शाह ने पूछा कि फिर

पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केनेतृत्व में बिहार पूरी तरह सुरक्षित हो गया है : शाह

से जंगलराज बिहार में लाना है या विकास लाना है। लोगों की प्रतिक्रिया के बाद अमित शाह ने कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ही बिहार का विकास कर सकते हैं।बिहार में चुनावी सरगर्मी के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नालंदा के बिहारशरीफ में तीसरी जनसभा को संबोधित किया और लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को एक और मौका देने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गिनाया और पूर्ववर्ती सरकारों पर जमकर निशाना साधा। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन को दौरान कहा कि बख्तियार खिलजी ने नालंदा के पुराने विश्वविद्यालय में रखे हजारों इतिहासिक पुस्तकों को जला कर वहां की इमारतें ध्वस्त कर दिया था, लेकिन अब नालंदा विश्वविद्यालय को नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ने पुर्नजीवित करने का काम किया है। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की डबल इंजन की सरकार में सौ बख्तियार खिलजी जैसे लोग भी नालंदा विश्वविद्यालय के धरोहर को ध्वस्त नहीं कर सकता। अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी व नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार पूरी तरह सुरक्षित हो गया है।

खगड़िया के ही परबत्ता विधानसभा क्षेत्र में तेजस्वी यादव बोले-

आप तय कीजिए- राज्य को बिहारी चलाएगा या बाहरी

एजेंसी

पटना : शनिवार को 'इंडिया' गठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव ने भी खगड़िया के परबत्ता विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा की। कहा कि नीतीश चाचा की उम्र हो गई है। वह अब सरकार चलाने लायक नहीं रह गए हैं। बीजेपी वालों ने उन्हें हाईजैक कर लिया है। वही सरकार चला रहे हैं। अब प्रदेश को बिहार का लाल चलाएगा या बाहरी चलाएगा, ये आपको तय करना है। खगड़िया की जनता इस बार भाजपा को रिजेक्ट कर देगी। ये लोग हिंदू-मुस्लिम करेंगे, लेकिन तेजस्वी के साथ पिछड़ा, दलित, अपर कास्ट सब हैं। हमें मुद्दों की बात करनी है, बंटना नहीं है। छठी मइया से प्रार्थना है कि सबका दुख हर लें और आप बेईमानों को सत्ता से उखाड़ फेंके। गौरतलब है कि इस विधानसभा क्षेत्र से राजद ने डॉ. संजीव कुमार को उम्मीदवार बनाया है। वह जदयू से पहले विधायक थे।

उम्र के कारण अब सरकार चलाने लायक नहीं रह गए हैं नीतीश चाचा

महिला हॉकी इंडिया लीग 28 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक रांची में आयोजित

एजेंसी

रांची। भारतीय हॉकी के सबसे बड़े टूर्नामेंट हॉकी इंडिया लीग ने शनिवार को 2025-26 सीजन के पुरुष और महिला वर्ग के कार्यक्रम की घोषणा कर दी. इस बार का सीजन रोमांच, जोश और नए अवसरों से भरा होगा. ये घोषणा रांची के मारांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई. इस अवसर पर रांची रॉयल्स टीम का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया, जो झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत और टीम की नई पहचान का प्रतीक है। लीग का उत्साह और लक्ष्य : विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि यह आयोजन शानदार होगा और

झारखंड के खेल इतिहास में नई ऊंचाई स्थापित करेगा. मुख्यमंत्री ने पहले ही सुझाव दिया था कि रांची की अपनी टीम होनी चाहिए, जिसमें रांची के खिलाड़ी शामिल हों. आज वह सपना रांची रॉयल्स टीम के रूप में साकार हुआ है. यह टीम राज्य के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। लक्ष्य गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा कि पिछले सीजन की सफलता ने इस टूर्नामेंट को नई ऊंचाई दी है. इस बार हम तीन शहरों में मैच कराकर हॉकी को और अधिक दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं. खिलाड़ियों की तैयारी शानदार है और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे.तिभा, जुनून और प्रतिस्पर्धा का संगम है.

झारखंड में भी दिखेगा चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर

कई जिलों में भारी बारिश की संभावना

संवादाता

रांची। झारखंड में 29 और 30 अक्टूबर को चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर देखने को मिलेगा, जिससे संताल और कोल्हान प्रमंडल में भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और 27 अक्टूबर तक एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है. कहां होगा तूफान का असर ▪झारखंड में 29 और 30 अक्टूबर को भारी बारिश ▪ संताल और कोल्हान प्रमंडल में भारी बारिश ▪तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भी असर ▪90-100 किमी प्रति घंटा से लेकर 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है

प्रभावित क्षेत्र ▪तमिलनाडु (उप-तटीय जिलों सहित) ▪आंध्र प्रदेश तट (विशेषकर मछली पकड़ने वाले इलाकों में) ▪ओडिशा (दक्षिण-तटीय जिलों में बारिश का खतरा) झारखंड में कैसा रहेगा मौसम ▪26 अक्टूबर : राज्य के उत्तर- पूर्वी मागों को छोड़कर शेष भागों में कहीं-कहीं सुबह के समय मध्यम दर्जे का कोहरा छा सकता है. राज्य के पश्चिमी भाग में कहीं- कहीं पर मेघ गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा की संभावना है, जबकि शेष भागों में मौसम शुष्क रहेगा. ▪27 अक्टूबर : सुबह में कोहरे या धुंध और बाद में आंशिक बादल छाये रहेंगे. राज्य के पश्चिमी एवं दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं पर मेघ गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा की संभावनाहै,

जम्मू-कश्मीर | भारत ने यूएन में पाकिस्तान को दी चेतावनी

पीओके में मानवाधिकारों का उल्लंघन बंद करो, जम्मू-कश्मीर अविभाज्य है

एजेंसी

नाई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों पर चिंता व्यक्त करते हुए उसे कड़ी फटकार लगाई। नई दिल्ली ने पीओके में जनता के मौलिक अधिकारों के दमन और सैन्य क्रूरता को तुरंत समाप्त करने का आह्वान किया। भारत ने पुनः स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर उसका अभिन्न अंग है, जहाँ लोकतांत्रिक स्वतंत्रताएँ फल-फूल रही हैं, जबकि पाकिस्तान के लिए ऐसी अवधारणाएँ अपरिचित हैं।हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों पर पाकिस्तान की सरकार ने हिंसक कार्रवाई करवायी थी। जिसके बाद

कई मासूमों की जान चली गयी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक कार्रवाई की कड़ी निंदा की थी। साथ ही निर्दोष नागरिकों पर अत्याचार करने के लिए पाकिस्तान सरकार की अलोचना की थी। नई दिल्ली ने इस अशांति को पाकिस्तान के दमनकारी शासन का नतीजा बताया और पीओके में मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही की मांग की। अब भारत ने पीओके में हुई हिंसक कार्रवाई का मुद्दा यूएन में उठाया है।भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्र में मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर उसे फटकार लगाई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, पर्वतनेनी हरीश ने क्षेत्र में सेना के खिलाफ तीव्र विरोध प्रदर्शनों के बीच, पीओके में क्रूरता को समाप्त करने का आह्वान किया। 80वें संयुक्त राष्ट्र दिवस पर आयोजित खुली बहस के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए हरीश ने कहा, हम पाकिस्तान से उसके द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों में गंभीर और निरंतर मानवाधिकार उल्लंघन को समाप्त करने का आह्वान करते हैं, जहाँ की जनता पाकिस्तान के सैन्य कब्जे, दमन, क्रूरता और संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुले तौर पर विद्रोह कर रही है।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हरीश ने कहा, मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने की अवधारणा पाकिस्तान के लिए 'विदेशी' है।हरीश ने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग बना रहेगा और यहाँ के लोग अपने मौलिक अधिकारों का आनंद लेते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसी स्वतंत्रताएँ पाकिस्तान में विदेशी हैं। उन्होंने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग रहा है, है और हमेशा रहेगा। जम्मू और कश्मीर के लोग भारत की समय-परीक्षित लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक ढाँचे के अनुसार अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग करते हैं।

बिहार जाने वाली ट्रेनों में ठसाठस भीड़, राहुल गांधी ने पूछा

डबल इंजन वाली सरकार की 12000 स्पेशल ट्रेनें कहां हैं?

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि रेल मंत्री ने त्योहारी सीजन में 12000 विशेष ट्रेनें चलाने की बात कही थी, लेकिन ठसाठस भरी ट्रेनें और अमानवीय सफर ने डबल इंजन सरकार की पोल खोल कर रख दी है। गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार के लोगों के लिए त्योहारी सीजन में घर लौटना घर, परिवार और गांव से अपनेपन की लालसा का प्रतीक है, लेकिन उनके लिए अपने घर जाना एक बड़ा संघर्ष बन गया है। बिहार जाने वाली हर रेलगाड़ी में क्षमता से दो गुना लोग ठूंस-ठूंस कर भेजे जा रहे हैं। घर जाने की यह यात्रा एक तरह से अमानवीय यात्रा हो गई है और 12000 स्पेशल ट्रेन चलाने की डबल इंजन

सरकार के दावे खोखले साबित हो गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, 'त्योहारों का महीना है। बिहार में इन त्योहारों का मतलब सिर्फ आस्था नहीं, घर लौटने की लालसा है- मिट्टी की खुशबू, परिवार का स्नेह, गांव का अपनापन, लेकिन यह लालसा अब एक संघर्ष बन चुकी है। बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं, टिकट मिलना असंभव है और सफर अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों में क्षमता से 200 फीसदी तक यात्री सवार हैं- लोग दरवाजों औरछतों तक लटके हैं। फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले हैं।' कांग्रेस नेता ने सरकार से पूछा, 'कहां हैं 12,000 स्पेशलट्रेनें। क्यों हालात हर साल औरबदतर ही होते जाते हैं।

'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान झारखंड में सफल, 25 लाख हस्ताक्षर फॉर्म प्राप्त हुए

रांची, संवाददाता ।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चलाया गया 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान आज अपने अंतिम चरण में ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में राज्य के सभी जिलों से निर्धारित लक्ष्य 25 लाख के लगभग हस्ताक्षर फॉर्म प्राप्त हुए, कल कुछ बाकी जिलों से हस्ताक्षर फॉर्म प्राप्त किये जाएंगे.

यह अभियान एक सशक्त जन आंदोलन बन गया: केशव महतो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश ने इस जनसहभागिता के लिए सभी कांग्रेसजनों, पदाधिकारियों, संगठन के प्रकोष्ठों और समर्थकों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभियान लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा का प्रतीक है. झारखंड के कांग्रेसजनों ने जिस एकजुटता और समर्पण की मिसाल पेश की है, उसने जनता के विश्वास को और मजबूत किया है. यह हमारी सामूहिक चेतना का प्रमाण है कि लोकतंत्र पर कोई भी आंच नहीं आने देंगे.

राहुल गांधी के खुलासे से उजागर हुआ सुनियोजित वोट चोरी का षड्यंत्र

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जननायक राहुल गांधी के हालिया खुलासे ने यह सिद्ध कर दिया है कि देश के चुनावों में संगठित रूप से दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं. यह सुनियोजित 'वोट चोरी' लोकतंत्र के मूल स्वरूप और समानता की भावना पर सीधा प्रहार है. इस गिरोह का निशाना स्पष्ट रूप से वही वर्ग हैं जिनकी आवाज सदियों से सत्ता के खिलाफ उठती रही है.

झारखंड में गांव-गांव, पंचायत-पंचायत तक चला अभियान

'वोट चोरी के खिलाफ जनजागरण' के तहत झारखंड में 15 सितंबर से 25 अक्टूबर 2025 तक प्रत्येक जिले और पंचायत स्तर पर अभियान चलाया गया. इस दौरान जनता को बताया गया कि किस प्रकार चुनाव आयोग की भूमिका संदिग्ध रही है और किसके इशारे पर मतदाता सूचियों में हेराफेरी की जा रही है. कमलेश ने कहा कि भारत का लोकतंत्र वोट की शक्ति पर टिका है, और आज यही नींव खतरे में है. दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों को चुन-चुनकर मताधिकार से वंचित किया जा रहा है. वोट चोरी आम जनता की आवाज और अधिकार की चोरी है.

भाजपा की बेचैनी और चुनाव आयोग की चुप्पी सवालों के घेरे में

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पहले महादेवपुरा और अब कर्नाटक के आलंद में हुए खुलासों से देश की जनता निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया को लेकर सशंकित है. मुख्य चुनाव आयुक्त की अगुवाई में 'वोट चोरी' हो रही है, और जब कांग्रेस जवाब मांगती है तो भाजपा नेता छटपटाहट में बचकाने बयान देकर सच्चाई छिपाने की कोशिश करते हैं.

झारखंड में संगठन की सामूहिक सफलता

फार्म जमा करने में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक बंधु तिर्की, निशात आलम, भूषण बाड़ा, जिला अध्यक्ष सतीश केडिया, चंदेश्वर गोप, बरकत खान, यहिया सिद्दीकी, श्रीमती दीपिका बेसरा, सोमनाथ मुंडा, प्रकाश रजक, कामेश्वर यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह और प्रिंस सिंह समेत सैकड़ों कार्यकताओं ने फॉर्म जमा कराने में सक्रिय भागीदारी निभाई.

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व, सूर्योपासना के लिए घर से लेकर छठ घाट तक की गई विशेष तैयारी

रांची, संवाददाता ।

लोक आस्था का महापर्व छठ आज नहाय खाय के साथ शुरू हो गया. यह एक ऐसा पर्व है जिसमें पवित्रता पर विशेष जोर दिया जाता है, इसलिए आज से ही छठव्रतियों के घरों में इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है. घरों में नहाय-खाय के दिन परवैतिन के साथ-साथ घर के सभी लोगों द्वारा कद्दू-भात खाने की परंपरा है, जो आज भी दिखा. कल यानी रविवार को खरना होगा, जिसमें परवैतिन दिन भर उपवास के बाद शाम में छठी मैया की आराधना कर निर्जला व्रत की शुरूआत करेंगी. सोमवार को पहला अर्घ्य है, जिस दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा. तत्पश्चात मंगलवार को उदयकालीन अर्घ्य देकर भगवान भाष्कर से सुख, समृद्धि की कामना की जायेगी.

घर से लेकर छठ घाट तक तैयारियां जोरों पर

छठ के मौके पर घर से लेकर छठ घाट तैयारी जोरों पर है. साफ-सफाई के अलावे छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है. राजधानी रांची का अरगोड़ा तालाब एक बार फिर छठ के मौके पर सज-धज कर तैयार है. स्थानीय पूजा समिति और नगर निगम की टीम के द्वारा यहां साफ-सफाई का खास प्रबंध किया गया है. काली पूजा एवं अन्य त्योहार के कारण तालाब में हुई मूर्ति विसर्जन एवं अन्य पूजा सामग्री को हटाया जा रहा है. पूरे तालाब को साफ किया गया है जिससे पानी में प्रवेश करने पर छठव्रती को कोई परेशानी ना हो. स्थानीय पूजा समिति के लोगों ने कहा कि खरना तक घाट पूरी तरह से तैयार हो जाएगा. यहां स्थित सूर्य मंदिर में इस मौके पर पूजा अर्चना की जाएगी. श्रद्धालुओं की होने वाली भीड़ के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं जिससे किसी को किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े. छठ पूजा समिति से जुड़े सुशील कहते हैं कि छठ के दौरान हर वर्ष की तरह अर्घ्य देने के लिए दूध, अगरबत्ती आदि मुफ्त में दिया जाएगा. छठ पूजा समिति के प्रणव कहते हैं कि छठ के दौरान स्थानीय गोताखोर और वॉलिंटियर मौजूद रहेंगे, जिससे किसी भी तरह की श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो.

हरमू रोड समिति ने छठ पर्व के अवसर पर 1101 नारियल का किया वितरण

रांची, संवाददाता ।

लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर काली पूजा स्वागत समिति, हरमू रोड ने शनिवार को व्रतियों के घर जाकर 1101 नारियलों का वितरण किया. समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रेम वर्मा ने बताया कि हर वर्ष छठ महापर्व पर समिति की ओर से सफाई, विद्युत सज्जा, फल वितरण तथा अन्य सेवा कार्य किए जाते हैं. इस वर्ष समिति के सदस्यों ने हरमू रोड, शिव शक्ति नगर, आनंद नगर, किशोरगंज, इरगू टोली और शिवगंज क्षेत्रों में जाकर व्रतियों को श्रीफल (नारियल) भेंट किए. समिति द्वारा किए गए इस प्रयास से व्रतियों में प्रसन्नता और आस्था का माहौल देखा गया. नारियल वितरण के साथ ही समिति ने छठ पर्व की सफाई और सजावट में भी योगदान दिया. प्रेम वर्मा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां स्थानीय समुदाय को जोड़ती हैं और पर्व की धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने में मदद करती हैं.इस अवसर पर अनिल माथुर, निवर्तमान पार्षद ओमप्रकाश चंदन, वर्मा विजय खरे, जोगिंदर प्रजापति, प्राणिक वर्मा, रामू सोनी और ध्रुव प्रजापति सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे.

प्रभात तारा मैदान में गूंजा आराधना व आत्मिक जागरण का संदेश, झारखंड रिवाइवल मीटिंग में जुटे मसीही विश्वासी

रांची, संवाददाता ।

रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में चल रही झारखंड रिवाइवल मीटिंग में गुरुवार को आत्मिक उत्साह से लबरेज रही. प्रभु की महिमा और आत्मिक जागरण के संदेश से मसीही भाव विह्वल हो उठे. कार्यक्रम की शुरूआत बिशप जयवंत तिर्की, आर्च बिशप डॉ. एमएम पांडा, बिशप याकूब मसीह और बिशप थॉमस मुंडू की संयुक्त प्रार्थना से हुई. देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में मसीही विश्वासी इस आत्मिक सभा में शामिल होकर प्रभु की आशीष प्राप्त कर रहे हैं. मुख्य अंतरराष्ट्रीय वक्ता पास्टर अरुल थॉमस ने आत्मिक संदेश देते हुए कहा कि कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश या संकट या जोखिम? परंतु, इन सब बातों में हम जय जयकार से भी बढ़कर हैं, क्योंकि जिसने हमसे प्रेम किया, वही हमें विजयी बनाता है. न मृत्यु, न जीवन, न ऊंचाई, न गहराई हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सकती है. यह संदेश उपस्थित जनसमूह के हृदय को छू गया.

डॉ. महिमा जॉन अरुल, प्रॉफिट जैतून डुंगडुंग, पास्टर तुषार मेहरा व पास्टर शामेय हंस ने भी प्रभु के वचन से आत्मिक प्रेरणा दी. आराधना के समय खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) से आए डेविड सोलोमन और रांची के भाई अजीत रोशन ने मसीही गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया. आराधना के दौरान पंजाबी गीत खुदाया शूकर है तेरा, हमें यह दिन दिखाया है और हिंदी गीत मैं तो मसीह के लिए पागल हूं,

दीवाना हूं गूंजते रहे. जिससे पूरा मैदान आत्मिक आनंद में झूम उठा. सभा में राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन बतौर मुख्य अतिथि, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड अल्पसंख्यक आयोग की वाइस चेयरमैन ज्योति माथुर, शमशेर आलम, प्रणेश सोलोमन, ल्टएउ के निदेशक मनोज लाकड़ा, क्ढर आशीष विजय कुजूर व ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीत तिर्की समेत कई प्रमुख जनसेवक और मसीही उपस्थित रहे. कार्यक्रम के संयोजक आशीष पूर्ति, प्रवीण कच्छप, कुलभूषण डुंगडुंग व दीप्ति हीरो ने बताया कि यह रिवाइवल मीटिंग केवल एक सभा नहीं, बल्कि झारखंड और पूरे भारत में आत्मिक पुनर्जागरण की नई शुरूआत है.

झारखंड में एम्बुलेंस की कमी, 1065 में से 465 वाहन सेवा से बाहर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है. राज्य सरकार के पास वर्तमान में लगभग 1065 एम्बुलेंस हैं, जिनमें से 465 वाहन सेवा से बाहर हैं. कई चालू एम्बुलेंसों की स्थिति भी खराब है. कई जिलों में ऐसे वाहन सड़क पर तो हैं, लेकिन उनके इंजन कमजोर हो चुके हैं, स्ट्रेचर टूटी हुई हैं और ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशा-निदेर्शों के अनुसार हर एक लाख की आबादी पर कम से कम एक बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस और हर दस लाख की आबादी पर एक एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस अनिवार्य है. फिलहाल राज्य में लगभग 600 एम्बुलेंस चालू हैं. इनमें से कई एक-एक एम्बुलेंस दस-दस गांवों को कवर कर रही हैं. ग्रामीण इलाकों में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में लंबा समय लग रहा है. कई बार गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को समय पर एम्बुलेंस नहीं मिलने से जान गंवानी पड़ी है. स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि रखरखाव और मरम्मत की प्रक्रिया जारी है. विभाग का दावा है कि आने वाले महीनों में सभी वाहन पुनः सेवा में ला दिए जाएंगे. हालांकि, कई जिलों में एम्बुलेंसें महीनों से गैर-कार्यशील पड़ी हैं, जबकि कॉल सेंटरों में मदद मांगने पर अक्सर जवाब मिलता है कि एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं है.

श्री श्याम मित्र मंडल ने हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 176वां श्री श्याम भंडारा का किया भव्य आयोजन

रांची, संवाददाता ।

श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा एवं एक श्याम भक्त परिवार ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया । उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। एक श्याम भक्त परिवार ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में नमक अजवाइन पुड़ी आलू चना दाल लौकी मिक्स सब्जी और केसरिया जलेबी टॉफी का प्रसाद वितरण किया गया। खीर चूरमा का भोग हर भंडारे में महाप्रसाद के रूप में श्याम मंदिर में निर्मित किया जाता है एवं सर्वप्रथम भोग लगाया जाता है। भोग लगने के बाद हर भंडारे में मंडल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा एवं मंदिर के सहयोगी रांची गौशाला में जाकर गौमाता को भोजन कराते हैं। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी के देख रेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था। श्री श्याम भंडारे में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्यामसुंदर शर्मा राजेश ढांढनीया अनुज मोदी कमलेश सावा वेद भूषण जैन अंकित कुमार कृष्णा कुमार संकेत चौधरी मनोज खेतावत सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने सहयोग दिया।

छठ व्रतियों के लिए बने जलाशय, बजट बढ़ा दोगुना

रांची, संवाददाता ।

छठ महापर्व को लेकर राजधानी में तैयारियां अंतिम चरम पर है. नगर निगम के वार्ड 3 से लेकर 50 वार्ड में 63 कृत्रिम छठ घाट बनाए गए है.इसमें घाट के चारो ओर डस्ट भी बिछाए जा रहे है. जिसमें एदलहातु, बाधगाड़ी, हाउसिंग कॉलोनी, हरमु पेट्रोल पंप बीजेपी ऑफिस के सामने भवानी नगर समेत अन्य मुहल्ले में कृत्रिम छट घाट तैयार किए गए है. भवानी नगर छठ पूजा समिति किशोर गंज में छठ व्रतियों के लिए भव्य जलाशय का निर्माण किया गया है. समिति ने 50 छठ व्रतियों के लिए 60 फीट लंबा और 50 फीट चौड़ा जलाशय तैयार कराया है. इसके सामने बाउंड्री वाल भी बनाई गई है ताकि सुरक्षा और स्वच्छता बनी रहे. पूजा सामग्री वितरण की भी व्यवस्था की गई है. वहीं, न्यू आनंद नगर छठ पूजा युवा समिति ने इस बार भी अपने परंपरा को कायम रखा है. नदी-नाला भर जाने के बाद समिति ने हर वर्ष की तरह जलाशय बनाकर छठ पूजा करने की तैयारी की है. बीते 15 वर्षों से यहां करीब 100 छठ व्रती पूजा करने पहुंचते हैं. कृत्रिम छट घाट खुदाई कर 90 फीट लंबा और 70 फीट चौड़ा गड्ढा तैयार कराया गया है.पूजा के दौरान लाइट, बाजा, नारियल, दूध, अगरबत्ती और कतारी का वितरण किया जाएगा. समिति में अध्यक्ष राहुल सिंह राजपूत, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल ठाकुर, उपाध्यक्ष सचिन राणा, विक्की पांडेय, मनु गोस्वामी, सूरज सिंह, टिंकू साव, भोली सिंह, अभय सिंह, सोनू मिश्रा समेत अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं.इस बार आयोजन का बजट भी दोगुना कर दिया गया है. पिछले वर्ष 1 लाख 20 हजार की तुलना में इस बार 2 लाख 30 हजार रुपये का बजट तय किया गया है।

सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा में साइंस एग्जीबिशन का किया गया आयोजन

रांची, संवाददाता ।

सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा में वार्षिक कला, हस्तकला एवं विज्ञान प्रदर्शनी 2025 का भव्य आयोजन किया गया. इस वर्ष की प्रदर्शनी का प्रेरणादायक विषय था ड्रीम, डिस्कवर एंड डिजाइन (सपने देखें, खोजें और रचना करें), जिसने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, जिज्ञासा और नवाचार की भावना को नई ऊंचाइयां प्रदान की. इस प्रदर्शनी में केजी से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.केजी से कक्षा 2 तक के नन्हे कलाकारों ने कला एवं हस्तकला प्रदर्शनी में भाग लेते हुए अपने रंगीन और कल्पनाशील कार्यों से सबका दिल जीत लिया. इनके विषय थे Stationery (केजी), Vibrant Colors (प्रेप), Garden (कक्षा 1) और Seasons (कक्षा 2) वहीं कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान प्रदर्शनी में कई नवोन्मेषी मॉडल और प्रयोग प्रदर्शित किए गए. इनमें Cyber Awareness Cell, Water Cycle, Hydraulic Parking, Home Security Alarm और Rain Guard – The Smart Roof जैसे मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्होंने बच्चों की वैज्ञानिक सोच और तकनीकी समझ का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असीम विक्रांत मिन्ज, आईपीएस, महानिरीक्षक, झारखंड उपस्थित रहे. कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना गीत से हुई, जिसका संचालन फा सुधीर कुमार कुजूर, (एसजे, सुपीरियर) ने किया. इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य फा फुलदेव सोरेंग, एसजे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की. विशिष्ट अतिथियों में शामिल थे फा सिल्वेरियस चेरमाको, एसजे (सहायक प्रांतीय, रांची जेसुइट प्रांत),उत्सव पराशर (कार्यकारी अध्यक्ष, डोरंडा ओल्ड जेवियन्स) तथावाईएस रमेश, आईपीएस (उप महानिरीक्षक, राज्य अभिलेख ब्यूरो, झारखंड). विशेष अतिथियों में उपस्थित रहे राहुल भाटिया (सचिव, डोरंडा ओल्ड जेवियन्स), डा अभय सागर मिन्ज (प्रोफेसर, डीएसएम विश्वविद्यालय, मानवशास्त्र विभाग, रांची), रोशन आदि थे। बागे, एसजे, देबोलिना सेन हिरानी, तथा एशलीन कौर.निर्णायक मंडल में अलका एस कुजूर, एन. मोडक, प्रतिभा टोप्पो, मारिया मनी टोप्पो, अजय कुमार बा, वंदना मिन्ज, श्रीला शॉ और समरा सहाब शामिल थीं।

बुंडू के सूर्य मंदिर की महिमा, क्यों सूर्य और हनुमान हैं आमने-सामने!

रांची, संवाददाता ।

लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान सूर्य मंदिर की महिमा और आस्था चरम पर होती है. रांची जिला के बुंडू प्रखंड में स्थित सूर्य मंदिर न सिर्फ श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि यह आस्था, अध्यात्म और विज्ञान का अद्भुत संगम भी है. संस्कृति बिहार ट्रस्ट के प्रयास से यह मंदिर साल 1994 को तैयार हुआ और 10 जुलाई 1994 को इसकी प्राण प्रतिष्ठा की गई थी. यह मंदिर रथ के आकार में निर्मित है. रथ में सूर्य देव विराजमान हैं, जिन्हें सात घोड़े खींच रहे हैं. कहा जाता है कि ये सात घोड़े इंद्रधनुष के सात रंगों और सप्ताह के सात दिनों का प्रतीक हैं. रथ में 18 चक्के लगे हैं और इसके सारथी भी हैं, जो सूर्य देव के दिव्य रथ को गति देते हैं.

आमने-सामने गुरु और शिष्य

मंदिर का सबसे विशेष और आकर्षक दृश्य है– मुख्य द्वार के ठीक सामने हनुमान जी की प्रतिमा, जो सूर्य देव के आमने-सामने स्थापित है. यह प्रतिमा गुरु और शिष्य के पवित्र संबंध की प्रतीक मानी जाती है. मान्यता है कि जब हनुमान जी ने सूर्य देव से ज्ञान की प्रार्थना की तो सूर्य देव ने कहा– ह्लमैं तो सदैव गतिशील रहता हूं, स्थिर होकर तुम्हें शिक्षा नहीं दे सकताह्व. तब हनुमान जी ने उत्तर दिया– ह्लतो मैं आपके सम्मुख चलता रहूंगाह्व. इसी प्रसंग की स्मृति में यहां हनुमान जी की प्रतिमा सूर्य देव के सामने स्थापित की गई है, जो दोनों के बीच के ज्ञान और श्रद्धा के अद्भुत संवाद को जीवंत करती है.

मंदिर निर्माण के पीछे का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारण

सूर्य मंदिर के निर्माण के पीछे दो प्रमुख कारण बताए जाते हैं– आध्यात्मिक और वैज्ञानिक.

आध्यात्मिक कारण: ऐसा कहा जाता है कि भगवान श्रीराम के कुलदेवता सूर्य देव हैं. वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण इसी स्थान पर ठहरे थे. प्रातःकाल उन्होंने यहां अपने कुलदेवता सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया और फिर विश्राम किया. इसलिए यह स्थान पवित्र और पूजनीय माना जाता है.

वैज्ञानिक कारण: सूर्य देव को कुष्ठ निवारण के देवता भी कहा गया है. एक समय पंचपरगना क्षेत्र में कुष्ठ रोग व्यापक था. संस्कृति बिहार ट्रस्ट ने 1986 से इस रोग के उन्मूलन के लिए कार्य शुरू किया. संस्था का मानना था कि केवल औषधि से नहीं, बल्कि आस्था और अध्यात्म की शक्ति से भी रोग का निवारण संभव है. इसी सोच के साथ सूर्य देव का यह भव्य मंदिर बनवाया गया ताकि दवा और दुआ– दोनों के संयुक्त प्रभाव से रोगमुक्ति संभव हो सके. आज यह क्षेत्र लगभग कुष्ठ मुक्त हो चुका है.

सूर्य सरोवर में आस्था का महापर्व छठ

मंदिर परिसर के पीछे स्थित सूर्य सरोवर छठ महापर्व का प्रमुख केंद्र है. लगातार 30 वर्षों से संस्कृति बिहार ट्रस्ट और सूर्य मंदिर प्रबंधक समिति छठ व्रतियों की सुविधा के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रही है. हर साल बुंडू ही नहीं, बल्कि झारखंड के कई जिलों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करते हैं.

झारखंड में थैलेसीमिया पर गंभीरतापूर्वक पहल होगी:प्रदीप यादव

प्रदीप यादव के साथ दीपावली मिलन एवं परिचर्चा का आयोजन झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन(अ यूनिट ऑफ लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची) ने झारखंड विधानसभा सभागार रांची में हुआ

संवाददाता । रांची

रांची,आज झारखंड के थैलेसीमिया/सिकल सेल एवं अप्लास्टिक एनीमिया के पीड़ित बच्चों/परिजनों संग झारखंड कांग्रेस के माननीय विधायक दल के नेता एवं मुख्य अतिथि श्रीमान प्रदीप यादव जी के साथ दीपावली मिलन एवं परिचर्चा का आयोजन झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन(अ यूनिट ऑफ लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची) ने झारखंड विधानसभा सभागार रांची में हुआ ।जिसमें झारखंड के लगभग सभी जिलों से पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तदान संगठनों/रक्तवीर/रक्तदाताओं की उपस्थिति रही,रांची,लोहरदगा, खूंटी,रामगढ़,हजारीबाग,बोकारो,धनबाद,गुमला, लातेहार,पलामू एवं संथाल प्रमंडल के पीड़ित/परिजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम में माननीय विधायक प्रदीप यादव जी को पीड़ितों/परिजनों/चिंतक द्वारा झारखंड में थैलेसीमिया की समस्याओं/निष्पादन/नीति/क्रियान्वयन पर 14 सूत्री मांग पत्र दिया गया एवं झारखंड भर के रक्तदान संगठनों के समन्वय संगठन द्वारा 19 सूत्री मांग पत्र दिया गया।

माननीय विधायक प्रदीप यादव जी को आयोजक द्वारा स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, पुष्प भेंट किया गया, वहीं अपोलो नई दिल्ली एवं शोनित फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र,पुष्प भेंट किया गया।

कार्यक्रम हॉल थैलेसीमिया पीड़ितों की मांगों भरी तख्तियों एवं पेपर कटिंग से सजी हुई थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता थैलेसीमिया एसोसिएशन एवं लहू बोलेगा के संस्थापक नदीम खान ने किया,संचालन मेहर खालसा के रक्तवीर हर्षवर्धन,विषय प्रवेश थैलेसीमिया पीड़ित छात्रा सोनम कुमारी,साक्षी सिंह एवं मांग पत्र पढा पीड़ित छात्र एलेक्स टोप्पो,लक्की उरांव ने।

कार्यक्रम में रांची-गुमला के थैलेसीमिया पीड़ितों के परिजनों को सिविल सर्जन के द्वारा वन टाइम भारतीय रेलवे पास 30 परिजनों को दिया गया।

पीड़ितों/परिजनों संग दीपावली का सभी को मिठाईयों का उपहार दिया गया एवं बच्चों को माननीय विधायक प्रदीप यादव जी द्वारा सामूहिक रूप से मिठाई खिलाई गई।

कार्यक्रम में देशव्यापी मशहूर बोन मैरो ट्रांसप्लांट के डॉक्टर सह अपोलो नई दिल्ली हेमेटोलॉजिस्ट विभाग के एचओडी डॉ गौरव खारिया जी ने नई दिल्ली से ऑनलाईन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हॉल को संबोधित/परामर्श/शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक प्रदीप यादव जी ने कहा कि मुझे यह कार्यक्रम से आपलोगों की पीड़ा/भावना से अवगत होने का मौका मिला है हम आयोजक के आभारी है,झारखंड में अगर कोई गंभीर मुद्दें है तो उसमें एक यह थैलेसीमिया का मामला है ।थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों के मांग पत्र और रक्तदान संगठनों के मांग पत्र पर झारखंड सरकार जरूर गंभीरतापूर्वक कार्य करेगी,जल्द मेरे नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री से आपलोगों के साथ प्रतिनिधिमंडल मिलेगा ।झारखंड से थैलेसीमिया/सिकल सेल एवं अप्लास्टिक एनीमिया पर जनजागरुकता फैलाया जाएगा ताकि झारखंड से थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया को भगाया जा सकें,हम आपके साथ है।

कार्यक्रम में झारखंड आरजेडी के महासचिव/प्रवक्ता कैलाश यादव,दिव्यंजनों के मोटिवेटर इंजीनियर राजू,कार्यक्रम आयोजक नदीम खान,अपोलो नई दिल्ली के झारखंड प्रतिनिधि रवि कुमार,शोनित फाउंडेशन के शाहबाज,जितेंद पांडेय,अशरफ,कोल्हान रक्तदान संगठन के प्रभारी रक्तवीर सपन महतो,कांके(रांची) के माननीय विधायक सुरेश बैठा के प्रतिनिधि शमीम बरिहार, एसोसिएशन संजय टोप्पो,मेहर खालसा के हर्षवर्धन,झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो,लेखक/साहित्यक एम.जेड. खान,हजारीबाग के रक्तदान आयोजक अमिताब महतो,रक्तवीर इंजीनियर शाहनवाज अब्बास,रक्तवीर आसिफ अहमद गुड्डु,आरटीआई एक्टिविस्ट अकरम राशिद,पत्रकार बुलंद,नसीम खान,पीड़ितों के परिजन पुनिया उरांव, राजेंद्र कुमार,देवेंद्र महतो,रफत,तरन्नुम आदि सैकड़ो पीड़ितों के परिजन उपस्थित थे।

रेड सी इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेल दिवस 2025 का भव्य आयोजन

संवाददाता । रांची

आज दिनांक 25 अक्टूबर, 2025 रेड सी इंटरनेशनल स्कूल, आजाद बस्ती, रांची में उत्साह और जोश के साथ वार्षिक खेल दिवस 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चारों हाउस – टी१ू४१८, शैल्ल४२, टं९२ और ख४स्त्र३ी१ – के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरूआत चारों हाउस के विद्यार्थियों के शानदार मार्च पास्ट से हुई, जिसके बाद क्लैपिंग ड्रिल और आकर्षक क्लोथ ड्रिल प्रस्तुत की गई ।क्लोथ ड्रिल में तनवीर, इबाद, इमाद, मेराब, अनस, जुनैद, अर्हान, फैजान, अल्तमश, अफरान, तल्हा, अबू रेयान, सालेहिन, वाजिद, सबा और आयशा ने बेहतरीन तालमेल और प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया ।इसके बाद विभिन्न कक्षाओं के बीच खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने अपनी पूरी मेहनत और ऊर्जा के साथ भाग लिया।

विभिन्न वर्गों के विजेता इस प्रकार रहेःकार्यक्रम के अंत में विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई दी।इस अवसर पर स्कूल के विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती सोनी सितारा केरकेट्टा ने कहा की ह्लखेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक अभिन्न हिस्सा हैं।यह न केवल शारीरिक मजबूती बल्कि अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं ।इस आयोजन में शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में तमन्ना, अल्माश, महविश, सादफ, चंदा, मनौवर, शाजिया, फरहीन, तसकीन, मिधत, बुशरा, सुहाना, इफ्फत, शजरा, सादिया, बेनजीर, फरहत, किरण, आयशा मैम, रहमानी सर सहित सभी शिक्षकों का अहम योगदान रहा।

मांडर थाना क्षेत्र में मोबाइल दुकान चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार, 50 सामान बरामद

संवाददाता । रांची

मांडर : मांडर थाना क्षेत्र के गुलजार मोबाइल दुकान में गत 17 अक्टूबर को हुई चोरी का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी जुल्फान आदम अंसारी (30) वर्ष को दबोच लिया है ।पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी जुल्फान की निशानदेही पर रातु थाना क्षेत्र के बनापीढ़ी मोड़ स्थित एक ठिकाने से चोरी हुआ सारा माल बरामद कर लिया गया है। आरोपी जुल्फान फिलहाल बनापीढ़ी में रह रहा था, लेकिन उसका मूल निवास महाराष्ट्र बताया जा रहा है। डीएसपी रामनारायण चौधरी और थाना प्रभारी मनोज करमाली ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल दुकान से चोरी हुए कुल 50 सामान बरामद किए गए हैं। बरामद सामानों में 3 स्मार्ट वॉच, 3 एंड्रॉयड फोन, 8 कीपैड फोन, 25 हैडफोन, 11 पुराने मोबाइल, बिल बुक और एक चेक शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी से गहन पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में लेकर रांची जेल भेज दिया है।

संत अल्बर्ट्स कॉलेज में आदिवासी आत्मा के जागरण विषय पर वार्षिक संगोष्ठी आयोजित

संवाददाता । रांची

रांची। संत अल्बर्ट्स कॉलेज, रांची में शनिवार को पहले सेमेस्टर के छात्रो ? के लिए आदिवासी आत्मा के जागरण विषय पर वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज सभागार में प्रार्थना के साथ हुई। संगोष्ठी में चार समूहों ने अपने वैज्ञानिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए। चारों समूहों को मार्गदर्शन डॉ. थियोडोर टोप्पो, डॉ. जॉन क्रस्टा, डॉ. सुमन कुमार एक्का और फादर फैबियन कुल्लू ने किया। इस अवसर पर ईसशास्त्र के फैकल्टी अध्यक्ष डॉ. सुमन कुमार एक्का ने कहा कि आज कई कारणों से हम अपनी संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने हमारे भीतर जो विद्यमान है उसे पुनः प्रज्वलित करने की आवश्यकता बताई। इन विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए--ईश्वर का राज्य और सौहार्द व समुदाय की आदिवासी दृष्टि

ब्रदर राकेश मिंज ने बाइबिल के दृष्टिकोण से कहा कि ईश्वर का राज्य राजनीतिक शक्ति और भौतिकताओं पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता और नैतिकता पर आधारित है। वहीं सिस्टर मेरी टुडू ने कहा कि ईश्वर का राज्य न्याय, प्रेम और एकता की साझेदारी हेतु सभी जातियों और संस्कृतियों का स्वागत करता है।-द्वितीय वाटिकन परिषद के प्रकाश में आदिवासी आत्मा का जागरण सिस्टर शांतिला खाखलो ने कहा कि आदिवासी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। ब्रदर माइकल टोप्पो ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति और संस्कृति ईश्वर की मुक्ति-योजना का अंग है। -आदिवासी पारिस्थितिक ज्ञान और बाइबिलीय प्रबंधत्वः आदिवासी आत्मा का जागरण ब्र. बाल्तासर हेंब्रम ने कहा, ईसा मसीह की प्रकृति-आधारित दृष्टांत, पर्यावरण के प्रति गहन एकात्मता को दशार्ती है। ब्र. एंथोनी आशिष राय ने आगे कहा झारखंड का इतिहास संस्कृति, परंपरा और आदिवासी समुदायों के आपसी संबंध की विरासत को दशार्ता है। -आदिवासी लोगों की भविष्यवाणी-स्वर प्रतिरोध और मुक्ति पर एक ईसशास्त्र शास्त्रीय चिंतन ब्र. अशोक थुडुम ने कहा कि ईश्वर स्वयं को मुक्ति के कार्यों के माध्यम से प्रकट करते हैं। वहीं, ब्र. समीर बड़ा ने कहा कि छोटानागपुर अनेक समुदायों का घर है, जिन्हें सामूहिक रूप से आदिवासी कहा जाता है ।प्रथम सत्र का संचालन ब्र. क्लेमेंटा डिगल और द्वितीय सत्र का संचालन ब्र. जिबिन सेबेस्टियन ने किया। अंत में ब्र. प्रभोध बोलियार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी ।

न्याटोली में जलसा सिरतुन नबी (स.) व तौसी व तामीर का आयोजन, मुफ़्ती जुल्फान साहब होंगे मुख्य वक्ता

रसंवाददाता । रांची

न्यासराय : मस्जिद-ए-बैतुल मुकर्म न्यातोली, न्यासराय में आगामी 27 अक्टूबर (सोमवार) को नमाज-ए-मगरिब के बाद ह्लजलसा सिरतुन नबी (स.) व तौसी व तामीरह्व का आयोजन किया जाएगा।इस धार्मिक कार्यक्रम का उद्देश्य इस्लामी शिक्षाओं और पैगंबर हजरत मोहम्मद (स.) के जीवन आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना है। इस जलसे में मुफ़्ती जुल्फान साहब तशरीफ ला रहे हैं, जो मौके पर उपस्थित लोगों को कुरआन और सुन्नत के उज्ज्वल संदेशों पर रोशनी डालेंगे।

जलसे के सफल आयोजन के लिए नवजवान कमेटी न्यातोली न्यासराय द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। आयोजन समिति ने सभी मुस्लिम भाइयों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शरीक होकर इस धार्मिक जलसे को सफल बनाएं।

कमेटी के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम का मकसद एकता, भाईचारे और इस्लामी तहजीब को बढ़ावा देना है। जलसे में इलाके के अनेक धर्मप्रेमी लोगों की उपस्थिति रहने की संभावना है।

छठ पूजन सामग्री वितरण किया गया

संवाददाता । रांची

राँची रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति द्वारा पिछले 13 वर्षों से प्रत्येक वर्ष छठ व्रतियों को छठ पूजन सामग्री का वितरण किया जाता है ,इस वर्ष भी पूजा प्रांगण में समिति के अध्यक्ष मूनचुन राय द्वारा छठ व्रतियों को पूर्ण छठ पूजन सामग्री का वितरण किया गया ।चुटिया के कृष्णपुरी,अयोध्यापुरी,रेलवे कॉलोनी,हटिया तालाब आदि क्षेत्रों के छठव्रतियों सामग्री का वितरण किया गया ।नारियल ,डंबा,सेब ,नींबू,,संतरा,सिंदूर,आलता धागा और साड़ी एवं दूध के लिए 25 रुपये प्रत्येक छठ व्रतियों को वितरण किया गया ।इस अवसर पर अध्यक्ष मुनचुन राय ने कहा कि आस्था के इस महापर्व में समाज में समरसता का इससे अच्छा उदाहरण कहीं नहीं मिलता।

न्यू काली पूजा समिति, डोरंडा मे श्रद्धा और उल्लास के साथ मां काली पूजा संपन्न, विसर्जन यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

■ न्यू काली पूजा समिति, डोरंडा का 44 वा साल ऐतिहासिक रहा : शंभू गुप्ता

संवाददाता । रांची

रांची : चार दिवसीय न्यू काली पूजा समिति, का समापन शनिवार को श्रद्धा और उल्लास के बीच हुआ. न्यू काली पूजा समिति, डोरंडा की ओर से आयोजित इस उत्सव में चार दिन तक धार्मिक अनुष्ठान और भक्ति का माहौल बना रहा. न्यू काली पूजा समिति डोरंडा परिसर में सुबह में पुजारी द्वारा विधिवत आरती, हवन और पुष्पांजलि अर्पित की गई. भक्तों ने माता के जयघोषों के बीच

दर्शन और पूजा की. दोपहर में खोयचा भराने की पारंपरिक रस्म संपन्न हुई, जिसमें महिलाएं पारंपरिक परिधान में शामिल हुईं. न्यू काली पूजा समिति में शाम को गाजे-बाजे के साथ काली मंदिर रोड डोरंडा से भव्य विसर्जन यात्रा बटन तलाब के लिए निकाली गई. इस दौरान भगवान शंकर, विष्णु, मां काली और लक्ष्मी की झांकियों से सजे वाहन आकर्षण का केंद्र बने.तासे, ढोल-ढाक और नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए मां काली के जयकारे लगाते रहे. झूमते हुए भक्तों ने पूरे मार्ग को भक्ति के रंग में रंग दिया. शाम ढलते ही डीजे साउंड, ढोल-नगाड़ों और डंका की थाप के बीच विसर्जन यात्रा निकली. भक्तों ने जय मां काली के जयघोषों के बीच बटन तालाब में प्रतिमा का विसर्जन किया. युवा, बच्चे और महिलाएं सभी पारंपरिक परिधान में शामिल हुएविसर्जन के दौरान स्थानीय प्रशासन और समिति के स्वयंसेवक मुस्तैद रहे. हर मार्ग पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था के लिए तैनाती की गई थी.

ब्रीफ न्यूज

तनवीर खान बने बिहार चुनाव मे सीतामढ़ी प्रभारी

संवाददाता । रांची

रांची : ऑल इंडिया अल्पसंख्यक कांग्रेस कमिटी चेयरमैन सह राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी कि ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार तनवीर खान की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर बिहार चुनाव के लिया सीतामढ़ी का प्रभारी बनाया गया है। कांग्रेस ने यह बदलाव उस समय की जब बिहार में बिहार विधानसभा चुनाव में सभी राजनीतिक पार्टियों ताल ठोक रही है ।तनवीर खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक ऐसा मंच है जिसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध युवाओं और कार्यकताओं को संगठित करना तथा उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करना है। यह केवल एक चुनाव नहीं बल्कि दिशा और दशा तय करने वाला निर्णायक अवसर है।तनवीर खान के सीतामढ़ी प्रभारी बनाए जाने पर कांग्रेसियों ने उन्हें मुबारकबाद दी है ।

मॉल के चेंजिंग रूम में गुप्त कैमरा लगाकर युवती व महिलाओं का वीडियो बनाता था सेल्समैन, पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

रांची :झारखंड। चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत शहीद चौक स्थित दीपक वस्त्रालय एंड ड्रेसेज मॉल में महिलाओं की गोपनीयता भंग करने का गंभीर मामला सामने आया है। मॉल में कार्यरत एक सेल्समैन पर चेंजिंग रूम में छिपे कैमरे से वीडियो बनाने का आरोप लगा है। मामले का खुलासा तब हुई, जब टंडवा की दो बहनें कपड़े ट्रायल करने के लिए चेंजिंग रूम में गई। उसी दौरान उन्हें सीलिंग लाइट में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी।जांच करने पर उन्हें कैमरा लगा मिला, जिसके बाद उन्होंने तत्काल अपने परिजनों को जानकारी दिया। परिजन मौके पर पहुंचे और मॉल में हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सेल्समैन धीरज गुप्ता को हिरासत में लिया। मॉल संचालक दीपक गुप्ता के बयान पर टंडवा थाना में कांड संख्या 226/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।जांच के दौरान आरोपी के मोबाइल से कई आपत्तिजनक वीडियो बरामद हुए हैं।पुलिस आरोपी से यह जानने की कोशिश कर रही है कि उसने यह कृत्य कब से और किन-किन लोगों की जानकारी के साथ किया था।

मांडर में बस में लगी भयंकर आग कोई हताहत नही

संवाददाता । रांची

रांची :रांची से चतरा जा रही मोना यात्री बस में अचानक मांडर छक्ठ ऑफिस के पास आग लग गई। कोई हताहत नहीं सभी यात्री सुरक्षित।

छठ महापर्व पर जालान टिम्बर की ओर से आम की लकड़ी का निशुल्क वितरण

संवाददाता । रांची

रांची :आज दिनांक 25 अक्टूबर 2025 को छठ महापर्व के पावन अवसर पर जालान टिम्बर लेक रोड रांची की ओर से आम की लकड़ी का निशुल्क वितरण किया जा रहा है एवं कल निशुल्क दूध का वितरण भी किया जाएगा ।यह परंपरा लगभग पचास वर्षों से चली आ रही है और जालान टिम्बर की ओर से यह एक छोटा सा प्रयास है जिससे व्रतधारियों को सुविधा हो सके। जालान टिम्बर के प्रोपराइटर श्री रतन जालान ने कहा श्रद्धा और आस्था के बिना भक्ति व्यर्थ है।छठ महापर्व के अवसर पर हम सभी को श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान की पूजा करनी चाहिए।जालान टिम्बर की ओर से आम की लकड़ी का निशुल्क वितरण इसी श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है।

पारस एचईसी हॉस्पिटल और मिलिट्री हॉस्पिटल के बीच एमओयू

झारखंड में रहने वाले सैन्यकर्मी और उनके आश्रित पा सकेंगे इलाज की सुविधा

संवाददाता । रांची

रांची :रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची और मिलिट्री हॉस्पिटल के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।इस समझौते के तहत झारखंड एवं रांची में निवास कर रहे सभी सैन्यकर्मी (सर्विंग और रिटायर्ड) और उनके आश्रित अब पारस हॉस्पिटल में सीजीएचएस रेट पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस समझौते के साथ ही पारस हॉस्पिटल की सभी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं जैसे इमरजेंसी सेवाएं, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, जनरल सर्जरी, क्रिटिकल केयर आदि अब सैन्य परिवारों के लिए भी समान रूप से उपलब्ध होंगी ।इस अवसर पर ब्रिगेडियर एसवी कृष्णन ने कहा कि पारस हॉस्पिटल के साथ साझेदारी से सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। पारस हॉस्पिटल फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने बताया कि इमरजेंसी के दौरान भी मिलिट्री कर्मी और उनके परिजन 24*7 अस्पताल की सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमें देश के सैनिकों और उनके परिवारों की सेवा करने का अवसर मिला है।यह एमओयू हमारे सामुदायिक दायित्व और गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

छठ पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण हेतु कोडरमा उपायुक्त ने की बैठक, दिये कई दिशा निर्देश

कोडरमा, संवाददाता

छठ पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं जनसुविधा संधारण को लेकर उपायुक्त ऋतुराज ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 27 एवं 28 अक्टूबर को क्रमशः सूर्यास्त एवं सूर्योदय के समय छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए विशेष सतर्कता बरती जाए तथा सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर सुनिश्चित की जाएँ, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ घाटों की साफ-सफाई एवं स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उचित बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए। सभी घाटों पर प्रकाश व्यवस्था पर्याप्त एवं सुचारू रूप से की जाए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा भीड़-नियंत्रण के पर्याप्त प्रबंध किए जाएँ। संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित रूप से सम्पन्न हो सके। उपायुक्त ने यह भी कहा कि छठ पर्व जिले के लोगों की आस्था एवं श्रद्धा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण पर्व है, अतः प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को पूर्ण सुविधा एवं सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सोशल मीडिया एवं असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए, तथा सोशल मीडिया पर सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। बड़े-बड़े घाटों में एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करायें। साथ ही मेडिकल किट की भी व्यवस्था रखें। सभी दण्डाधिकारियों को घाटों का भ्रमण करने का निर्देश दिया गया। सभी दण्डाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को पर्व के दौरान पूरी सतर्कता और अलर्ट मोड़ पर कार्य करेंगे। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पूरी तरह से सक्रिय रहेंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर फोर्स अलर्ट मोड़ पर रहेंगे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए छठ घाटों में विधि व्यवस्था संधारण करेंगे। घाटों में बांस की बेरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने जिलावासियों से अपील की कि वे छठ पूजा को आपसी भाईचारे, शांति एवं सद्भाव के साथ मनाएँ। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि, वस्तु या व्यक्ति दिखे तो तुरंत नजदीकी पुलिस को सूचित करें। छठ घाट में गहरे पानी में न जाएँ। छठ घाट पर पटाखे एवं आतिशबाजी न करें। वाहन पार्किंग स्थल पर ही पार्क करें। जिला प्रशासन, पुलिस या स्थानीय निकाय द्वारा जारी सभी निदेशों का पूर्ण पालन करें। घाटों, जलाशयों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें। गंदगी या अपशिष्ट सामग्री न फैलाएँ। पूजा स्थल पर भीड़ नियंत्रण, लाइन व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में प्रशासन की मदद करें। सोशल मीडिया या किसी माध्यम से अफवाह फैलाने से बचें। किसी भी अप्रिय घटना या प्रयास या असामाजिक गतिविधि से संबंधित सूचना जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम 06534-252685 पर दें अथवा 112 डायल से सम्पर्क करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक सहित अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, नगर निकाय प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हजारी बस्ती में सड़क मरम्मत का कार्य शुरू, ग्रामीणों ने विधायक के प्रति जताया आभार

धनबाद, संवाददाता

कतरास के तिलाटांड हजारी बस्ती में सड़क मरम्मत कार्य शुरू हो गया। सड़क मरम्मत कार्य का उद्घाटन बीबीएमकेयू विधायक प्रतिनिधि चितरंजन कुमार सिंह ने किया। चितरंजन कुमार ने कहा कि तिलाटांड हजारी बस्ती में लंबे समय से सड़क बदहाल स्थिति में था। ग्रामीणों ने बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो को इसकी जानकारी देकर सड़क मरम्मत करवाने का आग्रह किया। महज कुछ ही दिनों बाद विधायक के सहयोग से सड़क मरम्मत कार्य शुरू किया गया।चितरंजन कुमार सिंह ने नारियल फोड़कर मरम्मत कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। चितरंजन कुमार सिंह ने बताया कि बस्ती में सड़क मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अन्य विकास योजनाओं पर भी तेजी से काम जारी है। स्थानीय लोगों ने बाघमारा विधायक व चितरंजन कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। पूजा-पाठ के बीच हुए इस शुभारंभ में ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय प्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आस्था का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा नहाय-खाय के साथ शुरू, खरना आज

धनबाद, संवाददाता

अनुशासन, पवित्रता और आस्था का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया. धनबाद, झरिया, सिंदरी, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा और कोयलांचल के आसपास के इलाकों में श्रद्धालु बड़े उत्साह और भक्ति के साथ इस पर्व को मना रहे हैं. सुबह से ही व्रती महिलाओं और पुरुषों ने विभिन्न नदियों, तालाबों और जलाशयों में स्नान कर सूर्य देव की पूजा-अर्चना कर अपने पवित्र व्रत की शुरूआत की. दामोदर नदी पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई. वहीं झरिया विधायक रागिनी सिंह ने पूरी श्रद्धा, भक्तिभाव व स्वच्छता के साथ कद्दू, भात व चना का दाल बनाया। गाय माता ओर छठी मईया को भोग अर्पित करने के बाद विधायक ने प्रसाद ग्रहण किया। तदोपरांत परिवार के अन्य सदस्यों ने प्रसाद लिया। इस दौरान विधायक रागिनी सिंह ने छठ पर्व में शारदा सिन्हा की कमी खल रही है. उन्होंने कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय बहंगी लचकत जाय गीत गा कर छठ व्रत की शुरूआत की। विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि नहाय-खाय, अत्यंत पवित्र माना जाता है. आज सिंह मेंशन परिवार में छठ पर्व में खुशी का माहौल है। रविवार को खरना, सोमवार को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य दिया जाएगा।

ओदार बांध के छठ घाट की अब तक नहीं हुई है, सफाई ग्रामीणों में आक्रोश

निगम के दावे में हो गया है सफाई, सच्चाई कोसो दूर

कतरास, संवाददाता

एक तरफ छठ महापर्व को लेकर जहां नदी और तालाबों के छठ घाटों की साफ सफाई युद्ध स्तर पर शुरू हो गया है। वहीं कतरास वार्ड संख्या एक अंतर्गत बिजली ऑफिस के विपरीत दिशा में स्थित ओदार बांध के छठ घाट की सफाई अब तक नहीं हो पाई है। तालाब के किनारे और तालाब में गंदगी का अंबार पड़ा हुआ है। जिससे छठव्रतियों के लिए पानी मे उतरकर सूर्य अर्घ्य देना बहुत मुश्किल होगा। साफ सफाई नही होने से आसपास के छठवृतियों एवं आम लोगों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का गुस्सा निगम के प्रति फूट पड़ा है। ओदार बांध में छठ पर्व करने वाले कई छठ व्रतियों ने बताया कि यहां काफी संख्या में छठ व्रती एवं श्रद्धालुओं की भीड़ होती है। उसके बावजूद भी निगम के द्वारा यहां साफ सफाई अब तक नहीं कराया गया है जो चिंताजनक है। मामले को लेकर भाजपा कतरास मंडल अध्यक्ष सूर्य देव मिश्रा ने कहा कि यह निगम की घोर लापरवाही को दशार्ता है।

निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कई बार इसको लेकर वार्ता हुई है कि समय से पहले सभी छठ घाटों की साफ सफाई अच्छी तरह से करवा दिया जाए। उसके बावजूद भी ओदार बांध की साफ सफाई अब तक नहीं होना न केवल चिंताजनक है बल्कि निगम की घोर लापरवाही को दशार्ता है। वही निगम के अधिकारियों का दावा है कि निगम कर्मियों के द्वारा ओदार बांध की साफ सफाई अच्छी तरह से करवा दी गई है। जबकि सच्चाई इससे कोसों दूर है। समाचार लिखे जाने तक साफ सफाई नहीं हुआ था।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव 2025

❖सामान्य प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी की मौजूदगी में हुआ मतदान कर्मियों का दूसरा रेंडमाइजेशन

जमशेदपुर, संवाददाता

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदानकर्मियों का दूसरा रेंडमाइजेशन कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में शनिवार को संपन्न हुआ। इस दौरान निर्वाचन आयोग के विशेष साफ्टवेयर से रेंडमाइजेशन कराते हुए मतदान दल बनाए गए। विदित हो कि प्रथम रेंडमाइजेशन में मतदान में काम करने वाले कर्मचारियों का चयन हुआ था और अब सभी 300 मतदान केन्द्रों के लिए मतदान दल गठित कर दिए गए हैं। तीसरे रेंडमाइजेशन में मतदान दलों के लिए मतदान केन्द्र निर्धारित किए जाएंगे। अब मतदान के लिए रवाना होने के दिन तीसरे रेंडमाइजेशन में यह पता चलेगा कि कौन सा मतदान दल किस बूथ संख्या पर मतदान कराएगा। सामान्य प्रेक्षक राखी विश्वास एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी की उपस्थिति में संपन्न रेंडमाइजेशन के दौरान डीडीसी नागेन्द्र पासवान, निवार्ची पदाधिकारी घाटशिला विस निर्वाचन क्षेत्र सुनील चंद्र, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, डीसीएलआर सच्चिदानंद महतो, एसडीएम धालभूम चंद्रजीत सिंह, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी किशोर प्रसाद समेत अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

साडम पश्चिमी पंचायत में मुखिया शोभा देवी ने किया छठ घाट का उद्घाटन

गोमिया (बोकारो) : साडम पश्चिमी पंचायत के डैम किनारे शनिवार को मुखिया शोभा देवी ने 15वें वित्त से निर्मित छठ घाट का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना के साथ गंगा आरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान छठ मैया के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। मुखिया शोभा देवी ने कहा कि यह घाट श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है ताकि व्रतियों को स्नान और पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने उपस्थित लोगों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में स्वच्छता व एकता बनाए रखने की अपील की। मौके पर पुरोहित रामनाथ तिवारी, पूर्व उप मुखिया विकास कुमार जैन, सुरेंद्र प्रसाद यादव, राजू रजक, राजेश रजक, जलसहिया राधा देवी, सामूली देवी, चांदनी देवी, रिंकी देवी, अंजलि देवी, राजकुमारी देवी, सोनी देवी, प्रियंका देवी, पिंकी देवी, बोबी देवी, सबिया देवी, सुजाता देवी, नीतू देवी, सोना कुमारी, श्रद्धा कुमारी, दिव्या कुमारी और पल्लवी देवी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

सैयद हसनैन जैदी को बिहार विधानसभा क्षेत्र के अल्पसंख्यक पर्यवेक्षकों प्रभारी बनाया गया

पलामू, संवाददाता

बिहार विधानसभा क्षेत्र 2025 के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक विभाग प्रभारी, बिहार माननीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, अल्पसंख्यक विभाग, श्री इमरान प्रतापगढ़ी, संसद सदस्य (राज्यसभा) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए निम्नलिखित पर्यवेक्षकों एवं सह-पर्यवेक्षकों की नियुक्ति पत्र झारखण्ड प्रदेश अल्पसंख्यक महासचिव सैयद हसनैन जैदी को जिला नालंदा बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र क्रमांक संख्या 172 के तत्काल प्रभाव से स्वीकृति प्रदान किया गया मौके पर सैयद हसनैन जैदी ने कहा कि यह प्रभार को गरिमा सत्यनिष्ठा और उम्मीद के साथ जनता के बीच काम करुंगा उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव लेकर महागठबंधन के घटक दल जेएमएम तल्खी पर चिंता जाहिर की इस संबंध में जारी उन्होंने बयान में कहा कि झारखंड में जेएमएम महागठबंधन का एक प्रमुख घटक दल है इस राज्य में इसके सर्वमान्यता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महागठबंधन सर्वमान्य नेता मुख्यमंत्री समान रखते हुए बड़े भाई का पद निभाकर सरकार में उन्हें हिस्सेदारी प्रदान की है इसी प्रकार बिहार राज्य चुनाव में जेएमएम को भी उसकी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए थी मगर ऐसा नहीं हुआ ऐसे में उनकी नाराजगी स्वाभाविक है जिस पर बिहार की राजनीतिक में बड़े भाई की भूमिका के दल राजद के नेतृत्व में दृढ़तापूर्वक के विचार करने की जरूरत है ताकि महागठबंधन की एकता में कोई दरार ना हो जाए महागठबंधन में एकता नहीं सभी घटक दलों को राजनीतिक के लाभ मिलता रहा है आगे भी सभी दलों का ऐसा लाभ मिलता रहे इसके लिए जरूरी है राजद नेतृत्व इस पर मंथन करते हुए सार्थक लेने लेने लिए उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि ऐसा ही होगा इसके लिए जरूरत है ताकि महागठबंधन एकता बिहार चुनाव में महागठबंधन का धर्म पालन करते हुए सकारात्मक कदम उठाए।

पांकी में छठ महापर्व की तैयारी जोरों पर, प्रशासन ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

पलामू, संवाददाता

पांकी में छठ महापर्व की तैयारी जोरों पर है। शुक्रवार को प्रमुख पंचम प्रसाद और थाना प्रभारी राजेश रंजन ने क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने अम्बा नदी छठ घाट पांकी, सोनरे नदी सूर्य मंदिर घाट, बसडीहा, और अमानत नदी छठ घाट चंद्रपुर का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पूजा समितियों को सुरक्षा, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। स्थानीय पूजा समिति के सदस्य भी मौके पर उपस्थित रहे और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रमुख पंचम प्रसाद ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे छठ महापर्व के दौरान प्रशासन के निदेशों का पालन करें और त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं।

स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार की मिसाल : बोकारो में आरसीएम रूपांतरण यात्रा

बोकारो, संवाददाता

आरसीएम की राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा ने बोकारो में जबरदस्त जनसमर्थन हासिल किया। स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। 16 सितंबर 2025 को शुरू हुई इस यात्रा में अब तक 20,00,000 से अधिक नवोद्यमी आरसीएम परिवार से जुड़ चुके हैं। कंपनी के दो मिलियन से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स का नेटवर्क और मजबूत हुआ है। यह यात्रा देश के 75 शहरों में आयोजित की जाएगी और इसका समापन 23 दिसंबर 2025 को होगा। बोकारो कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने रक्तदान किया और स्वस्थ जीवनशैली, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रतिभागियों ने आरसीएम के उत्पादों और अनुभवों को जानने का अवसर भी प्राप्त किया। आरसीएम प्रबंध निदेशक सौरभ छाबड़ा ने कहा, बोकारो से मिला उत्साह हमारे जन-आधारित आंदोलन की शक्ति को दशार्ता है। हमारा लक्ष्य हर घर को बेहतर स्वास्थ्य, मजबूत मूल्यों और नए आर्थिक अवसरों से सशक्त बनाना है। प्रबंध निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि रूपांतरण यात्रा का यह पड़ाव महिलाओं और युवाओं को आत्मविश्वास और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि बोकारो में मिली ऊर्जा और प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी और समृद्ध भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम में आरसीएम के उत्पादों और सेवाओं के अनुभव के लिए रूपांतरण मेला भी आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य और पोषण, महिला फैशन और फुटवियर, और पौष्टिक व्यंजनों से जुड़े स्टॉल शामिल थे। आरसीएम की स्थापना 2000 में हुई थी। आज कंपनी रु2,400 करोड़ के कारोबार के साथ 400 से अधिक उत्पादों और दो मिलियन से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स के नेटवर्क के साथ देशभर में कार्यरत है।

नहाय-खाय के साथ कसमार में छठ महापर्व की भव्य शुरूआत, घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

बोकारो, संवाददाता

लोक आस्था के महापर्व छठ की आज नहाय-खाय के साथ शुभ और भव्य शुरूआत हुई। सुबह से ही श्रद्धालु महिलाओं और पुरुषों ने नदी, तालाब एवं कुंडों में स्नान कर शुद्ध भोजन के साथ व्रत की शुरूआत की। घर-घर में अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी का प्रसाद तैयार किया गया, जिसे ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने व्रत का संकल्प लिया। कसमार प्रखंड क्षेत्र के कसमार घाट, खैराचातर तालाब और दातू खाजो घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। छठ पूजा समितियों की ओर से घाटों की सफाई, रोशनी और सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है ताकि व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो। इस अवसर पर गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, विश्वास और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक एकता और स्वच्छता का संदेश देता है। छठ मैया सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि प्रदान करें। छठ मैया के गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया है। कल खरना के साथ व्रत का दूसरा दिन मनाया जाएगा।

आईओक्यूएम में डीपीएस बोकारो के 13 विद्यार्थियों ने मारी बाजी, अनुज रहा टॉपर

बोकारो, संवाददाता

राष्ट्रीय स्तर की लब्ध-प्रतिष्ठित गणितीय परीक्षा आईओक्यूएम (इंडियन ओलंपियाड क्वालीफायर इन मैथमेटिक्स) में डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। विद्यालय की 12वीं कक्षा के छात्र अनुज ने सर्वाधिक 43 अंक लाकर अपने स्कूल में सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल किया। विद्यालय के कुल 13 छात्र-छात्राओं ने इस कठिन परीक्षा में कामयाबी दर्ज करते हुए आरएमओ (रीजनल मैथेमेटिकल ओलम्पियाड) के लिए क्वालीफाई किया है। अनुज के अलावा विद्यालय की 12वीं कक्षा के छात्र रिद्धिम गुप्ता, कुमार अनमोल एवं अमन राज अमन सहित 11वीं कक्षा के उत्कर्ष कुमार, जय सात्विक मदिरेड्डी व आयुषी सिंह, 10वीं के छात्र रौनक राज, ऋषभ राज, श्लोक आनंद, शिवम ओझा एवं आलिया सेनापति तथा 9वीं कक्षा के आशुतोष कुमार मिश्रा ने भी इस परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अगले चरण की परीक्षाओं में और भी बेहतरी के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, उनकी कुशलता, गणित के प्रति उनकी लगन तथा विद्यालय के शिक्षकों के समर्पण का जीवंत उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि आईओक्यूएम भारत में गणितीय ओलंपियाड कार्यक्रम का पहला चरण है, जिसे गणितीय योग्यता और समस्या-समाधान कौशल के कठोर परीक्षण के लिए जाना जाता है। यह भारतीय राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड (आईएनएमओ) में प्रतिनिधित्व करने के जिज्ञासु विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अंतरराष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड (आईएमओ) में भाग लेने वाली भारतीय टीम की चयन-प्रक्रिया के पहले चरण के रूप में कार्य करती है। यह चयन-प्रक्रिया सुव्यवस्थित करने के लिए आईओक्यूएम को वर्ष 2020 में एक समेकित परीक्षा के रूप में शुरू किया गया था, जिसे पहले प्री-आरएमओ (पूर्व-क्षेत्रीय गणितीय ओलंपियाड) के रूप में जाना जाता था। यह परीक्षा गणित शिक्षक संघ (भारत) द्वारा होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र के सहयोग से राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित की जाती है।

पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने अपने पैतृक गांव पाड़ी में धूमधाम से मनाया सोहराय पर्व

बोकारो, संवाददाता

लोक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के उद्देश्य से पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने शनिवार को अपने पैतृक गांव पाड़ी में धूमधाम से सोहराय पर्व मनाया। यह वही पावन भूमि है जहाँ उन्होंने अपने बचपन के दिनों में अपनों के साथ खेल-कूद कर कई यादें संजोई थीं। इस अवसर पर गांव में सोहराय, चांचइर और बरदखूंटा जैसे पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने नृत्य, गीत और लोक-संस्कृति की सुंदर झलक पेश की। डॉ. महतो ने अपने पुराने सहपाठियों और ग्रामवासियों के साथ मिलकर उत्साहपूर्वक पर्व मनाया। उन्होंने कहा, ह्लअपने गांव की मिट्टी से जुड़ना हमेशा आत्मिक सुख देता है। सोहराय जैसे पर्व हमारी संस्कृति, एकता और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और सामूहिक सौहार्द का संदेश देता है। ग्रामवासियों ने भी पूजा-अर्चना कर एक-दूसरे को सोहराय पर्व की शुभकामनाएं दीं और डॉ. महतो के साथ पारंपरिक नृत्य में शामिल होकर उत्सव को और भी रंगीन बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

सहरसा में खड़ी ट्रेन में लगी आग, युवक झुलसा :एक बोगी जलकर राख

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के सोनवर्षा कचहरी स्टेशन पर शुक्रवार की शाम जनसेवा एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लग गई। इस दौरान स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन से यात्री कूद कर इधर-उधर भागने लगे। हादसे में सुपौल के डुमरी गांव के रहने वाले सत्यम कुमार (15) झुलस गया। घायल युवक ने बताया कि एक यात्री मोबाइल चार्ज कर रहा था। इसी दौरान मोबाइल चार्जिंग सॉकेट में ब्लास्ट हुआ और बोगी में आग लग गई। सत्यम अंबाला में रहता है। वो अंबाला से छठ पर्व के लिए घर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि जनसेवा एक्सप्रेस (14618) अमृतसर से चलकर पूर्णिया कोर्ट जा रही थी। सहरसा स्टेशन पर ट्रेन पहुंची तो बोगी नंबर 24727 में अचानक आग लग गई।

शॉर्ट सर्किट से डीवीसी के बंद आवास में लगी आग

बोकारो, एजेंसी। बोकारो थर्मल के मुर्गी फार्म स्थित आवासीय कॉलोनी के आवास संख्या एचएमटी-11 बी में बुधवार की रात शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने से घर के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया. आग से हुई क्षति का आकलन करनेवाला घर का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था. उक्त आवास पिछले सात वर्षों से ताला लगा हुआ था. आसपास के लोगों ने घर से धुआं और आग की लपटें निकलते देख सीआईएसएफ फायर ब्रिगेड के निरीक्षक एके शर्मा को सूचना दी. निरीक्षक एके शर्मा के नेतृत्व में सीआइएसएफ फायर की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. लोगों ने घटना की सूचना डीवीसी के वरीय प्रबंधक मैकेनिकल मनीष कुमार चौधरी को भी दी. स्थानीय लोगों ने बताया कि यह आवास डीवीसी की रिटायर्ड महिला कर्मी माया देवी का था. उनके पति और पुत्र के देहांत के बाद से घर में ताला लगा हुआ है. घटना की सूचना मिलने पर भू-संपदा विभाग के कर्मी सुव्रतो पाल ने मौके पर आकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पुन: आवास में ताला लगा दिया.

सहरसा से चलेगी भारत गौरव ट्रेन, दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों का कराएगी दर्शन

सहरसा, एजेंसी। दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन करने के इच्छुक यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी ने एक बड़ा अवसर प्रदान किया है। इस बार सहरसा से 'भारत गौरव ट्रेन' के माध्यम से दक्षिण भारत टूर आयोजित किया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन 5 दिसंबर की सुबह सहरसा से खुलेगी और यात्रियों को 12 रात 13 दिन की धार्मिक यात्रा पर ले जाएगी। सहरसा शहर के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता के दौरान आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों के बीच सांस्कृतिक एकता को सशक्त बनाना है। ट्रेन का बोर्डिंग सहरसा, निर्मली, झंझारपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और प्रयागराज छिवकी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होगा। यात्रा के दौरान यात्री तिरुपति बालाजी मंदिर, रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग, मदुरै का मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी का विवेकानंद रॉक मेमोरियल, तिरुवनंतपुरम का पद्मनाभस्वामी मंदिर और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों का दर्शन करेंगे। ट्रेन के डिब्बों को विशेष रूप से मॉडिफाई किया गया है, जिनमें यात्रियों के लिए कैंटीन, सुरक्षा व्यवस्था और एक छोटा मंदिर भी बनाया गया है, ताकि श्रद्धालु प्रतिदिन पूजा-अर्चना कर सकें। यह यात्रा भारत सरकार की देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत आयोजित की जा रही है। आईआरसीटीसी ने बताया कि बुकिंग के लिए यात्री आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय कार्यालय (बिस्कोमान टॉवर, गांधी मैदान) से संपर्क कर सकते हैं या ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

पति ने नशे में पत्नी पर किया चाकू से हमला

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के भगवानपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में बुधवार सुबह एक पति ने शराब के नशे में अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सुबह लगभग 8 बजे की बताई जा रही है। घायल महिला की पहचान मोहनपुर निवासी दिलीप कुमार गौतम की 23 वर्षीय पत्नी मुन्नी कुमारी के रूप में हुई है। मुन्नी कुमारी ने बताया कि, उनके पति अक्सर शराब पीकर घर आते हैं और झगड़ा करते हैं। बुधवार को भी वह नशे में घर लौटे। जब पत्नी ने शराब पीने पर आपत्ति जताई और उन्हें समझाने की कोशिश की, तो पति ने आपा खो दिया। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पत्नी द्वारा विरोध करने पर पति ने चाकू निकालकर उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला ने यह भी बताया कि, इससे पहले भी उनके पति ने कई बार मारपीट की थी। इस संबंध में महिला थाना में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। दोनों के बीच कई बार समझौता भी हुआ, लेकिन पति के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। मुन्नी कुमारी के अनुसार, उनके पति अक्सर कहते थे कि घर परिवार के सभी लोगों को लेकर चलेंगे, लेकिन तुम्हें नहीं रखेंगे।

बड़हिया गंगा घाट पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम:छठ गीत और नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को किया जागरूक

लखीसराय, एजेंसी। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम मिथिलेश कुमार मिश्र के निर्देश पर बड़हिया गंगा घाट पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वीप अभियान के तहत गंगा स्नान के लिए आए श्रद्धालुओं के बीच आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत लोक कलाकार पंकज कुमार भारती के छठ गीतों से हुई। उन्होंने 'हक अपना जो पाना है, वोट डालने जाना है' जैसे गीतों के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को लोकतंत्र के महापर्व मतदान में शत-प्रतिशत भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वहीं स्वीप आइकॉन एवं कला शिक्षक रणवीर कुमार ने लोगों को मतदाता शपथ दिलाई और मतदान के महत्व पर जोर दिया।जिला मिशन समन्वयक प्रशांत कुमार ने कहा कि हर नागरिक का एक वोट लोकतंत्र को मजबूत बनाता है, इसलिए सभी लोग मतदान अवश्य करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। कार्यक्रम में सवेरा जन उत्थान सामाजिक संस्थान की नुक्कड़ नाटक टीम ने छठ गीत, नाटक और संगीत के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इस मौके पर जिला समन्वयक कन्हैया कुमार, लैंगिक विशेषज्ञ किस्मत कुमारी, इंद्रजीत कुमार, आर्यन कुमार, संजीत, मुन्ना, दयानंद, राजू, सिंटू, शोभा, सोनी और सुषमा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चार विधानसभा सीटों पर राजद-कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने,

किसके लिए वोट मांगेंगे राहुल-तेजस्वी?

पटना , एजेंसी। महागठबंधन में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा हो गई। सीएम फेस बने तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार में भी निकल गए। वह ताबड़तोड़ जनसभाएं कर रहे हैं। लेकिन, एक सवाल अब भी बना हुआ कि जिन सीटों पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं, वहां पर कांग्रेस में नंबर वन की हैसियत वाले राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव किसके समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे? दूसरे चरण के चुनाव में चार विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान हैं। वहीं दो सीटों में से एक पर राजद- सीपीआईएमएल और दूसरे पर कांग्रेस-सीपीआई आमने सामने है।

सुल्तानगंज विधानसभा सीट: यहां पर राजद के चंदन सिन्हा का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी ललन यादव से है। वहीं एनडीए ने जदयू के उम्मीदवार ललित नारायण मंडल को चुनावी मैदान में उतारा है।

कहलगांव विधानसभा सीट : यहां पर राजद के रजनीश भारती का मुकाबला कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा से है। वहीं एनडीए ने जदयू के उम्मीदवार शुभानंद मुकेश को चुनावी मैदान में उतारा है।

सिकंदरा विधानसभा सीट : यहां पर राजद के उदयनारायण चौधरी का मुकाबला कांग्रेस के विनोद चौधरी से है। वहीं एनडीए ने हम के उम्मीदवार प्रफुल्ल मांझी को चुनावी मैदान में उतारा है।

नरकटियागंज विधानसभा सीट : यहां पर राजद के दीपक यादव का मुकाबला कांग्रेस के शाश्वत केदार पांडेय से है। वहीं एनडीए ने भाजपा के संजय पांडेय को टिकट दिया है।

चैनपुर विधानसभा सीट : यहां पर राजद के ब्रिज किशोर बिंद का मुकाबला वीआईपी के गोविंद बिंद से है। वहीं जदयू ने जमा खान को चुनावी मैदान में उतारा है।

करगहर विधानसभा सीट : यहां पर कांग्रेस के संतोष मिश्रा का मुकाबला सीपीआई के महेंद्र गुप्त से है। वहीं एनडीए ने जदयू के वशिष्ट सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है।

फ्रेंडली फाइट वाली सीटों पर प्रचार से बचना चाहेंगे राहुल-तेजस्वी : राजनीतिक पंडितों का कहना है कि छठ के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का चुनाव प्रचार शुरू होने जा रहा है। जाहिर सी बात है कि यह लोग कांग्रेस और महागठबंधन के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। तेजस्वी यादव ने 24 अक्टूबर से अपनी चुनावी प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी है। अब तक वह फ्रेंडली फाइट वाली सीटों पर नहीं गए हैं। सूत्र बता रहे हैं कि राहुल और तेजस्वी फ्रेंडली फाइट वाली सीटों पर चुनाव प्रचार करने से बचना चाहेंगे। क्योंकि, अब तक इन सीटों पर इनके चुनाव प्रचार करने की बात सामने नहीं आई है।

गहलोत बोले- हमलोग मिलकर प्रचार करेंगे और चुनाव जीतेंगे : राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि महागठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है। बिहार में कुल 243 सीटें हैं, और पांच-छह सीटों पर आपसी सहमति से फ्रेंडली फाइट हो सकती है। हम मिलकर प्रचार करेंगे और चुनाव जीतेंगे। कहीं कोई दिक्कत नहीं है। सत्ता पक्ष के लोग अफवाह फैला रहे हैं, आपलोग उनकी बातों पर ध्यान न दें। महागठबंधन ने अपना सीएम फेस भी घोषित कर दिया है। लेकिन, एनडीए वालों ने अब तक नहीं किया है। भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहती है।

भाजपा का लक्ष्य सत्ता नहीं, विकास : बृजमोहन अग्रवाल

पटना, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल बिहार को तेजी से विकसित होने वाला राज्य मानते हैं। उन्होंने राजद के इस दावे को खारिज किया कि यादव और मुस्लिम भाजपा को वोट नहीं देते हैं। उनका कहना है कि नई पीढ़ी केवल विकास और रोजगार को देखती है। बिहार 20 वर्षों में सबसे तेजी से विकसित होने वाला राज्य है।

जवाब-भाजपा ने सामान विचारधारा वाले जदयू से समझौता किया है। भाजपा का लक्ष्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि विकास है। जदयू और सीएम नीतीश कुमार का भी सपना बिहार का विकास ही है। ऐसे में विचारधारा एक है, मजबूरी नहीं। दूसरे राज्यों में भी विचारधारा के मुताबिक अन्य दलों से समझौता किया गया है।

जवाब-कोई संशय नहीं है। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ रहा है। नीतीश कुमार ही फिर से सीएम होंगे। एनडीए को इसकी घोषणा करने की कोई जरूरत नहीं है। यह सार्वजनिक है। रही बात विधायक द्वारा सीएम चुनने की, तो यह डेमोक्रेटिक सिस्टम है।

सवाल-प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सहित आधा दर्जन नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप है।

जवाब-आरोपों की जांच होगी। दोषी होंगे तो सजा भी मिलेगी। भाजपा के विचार से जो सहमत है, वह पार्टी में है।

सवाल-बिहार में 32% यादव और मुसलमान हैं। तेजस्वी यादव इन्हें अपना वोटर मानते हैं। उनके इस दावे को तोड़ने के लिए भाजपा ने किसी भी मुसलमान को टिकट नहीं दिया।

जवाब-यादव और मुसलमान किसी की प्रॉपर्टी नहीं हैं। भाजपा एनडीए में है। भाजपा ने छह यादव को टिकट दिया है। अन्य घटक दलों ने मुसलमान, यादव सहित सभी जातियों को टिकट दिया है। यादव और मुसलमानों की नई पीढ़ी राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत है। रोजगार उनका मुख्य लक्ष्य है। ऐसे में नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी भाजपा के साथ है।

हायाघाट ब्लॉक के बागमती नदी में दिखा मगरमच्छ

श्रद्धालुओं के बीच दहशत का माहौल, कहा- छठ कैसे मनाएंगे

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में छठ पूजा की तैयारियों के बीच हायाघाट प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली बागमती नदी में मगरमच्छ दिखा है। जिससे श्रद्धालुओं के बीच दहशत का माहौल है। घाट की साफ-सफाई और सजावट में जुटे ग्रामीणों ने बताया कि मगरमच्छ कई दिनों से नदी में घूम रहा है। जिसकी सूचना कई बार प्रशासन को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

ग्रामीण अशोक पासवान ने बताया कि मगरमच्छ करीब 20 फीट लंबा है। हमलोग डर गए हैं कि नदी किनारे छठ कैसे मनाएंगे। यह किसी पर भी हमला कर सकता है, इसलिए इस बार हम खेत में गड्ढा खोदकर वहीं छठ मनाने की सोच रहे हैं।

जान बचाकर नदी किनारे से भागा

छठव्रती सुनीता देवी ने बताया, नदी हमारे घर के पास ही है और हम लोग वर्षों से यहीं छठ करते आ रहे हैं। लेकिन अब मगरमच्छ के डर से नदी में नहीं जाएंगे। छोटे-छोटे बच्चे भी रहते हैं, अगर किसी पर हमला हो गया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सरकार से अनुरोध है कि मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाए।

स्थानीय मछुआरे उदय पासवान ने बताया कि वह नदी में मछली पकड़ रहे थे,तभी अचानक मगरमच्छ पानी से बाहर निकल आया और मेरे करीब पहुंच गया। डर के मारे वे किसी तरह जान बचाकर भाग निकले। ग्रामीणों का कहना है कि यह मगरमच्छ पिछले छह महीनों से बागमती, करेह नदी में रह रहा है। नदी में पूरब तो कभी पश्चिम की ओर पानी की सतह पर तैरता दिखाई देता है। इसकी झलक देखने के लिए पुल पर लोगों की भीड़ लग जाती है।

मधुबनी भेजा जा रहा 7600 बोतल कफ सिरप जब्त, दो गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। चौक थाना और अगमकुआं टीओपी की टीम ने बस में छापेमारी कर 76 कार्टन में बंद 7600 बोतल कफ सिरप जब्त किया। बस के चालक वैशाली के विजय पांडेय और खलासी मधुबनी के शंकर झा को गिरफ्तार कर लिया। कोडिनयुक्त इस कफ सिरप का इस्तेमाल नशेड़ी करते हैं।

इसे 250 से 300 रुपए प्रति बोतल बेचा जाता है। जब्ती की जानकारी ड्रग डिपार्टमेंट को दी गई। ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने भी इसकी जांच की। इसे पटना साहिब रेलवे स्टेशन के पास से मधुबनी भेजा जा रहा था। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना पर टीम ने कार्रवाई की। बरामद कफ सिरप शिड्यूल एच ड्रग की श्रेणी में आता है। इसे बिना प्रिस्क्रिप्शन नहीं बेचा जाना है। नशेड़ी इसका इस्तेमाल करते हैं। भेजने वाले और मधुबनी में इसे लेने वाले धंधेबाजों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

हिमाचल की दो कंपनियों को नोटिस भेजा जाएगा, धंधेबाज ने चालक-खलासी को दिए थे 10 हजार रुपए

बरामद कफ सिरप दो दवा कंपनियों के हैं। हिमाचल के बद्दी स्थित विंग्स बायोटेक और सिरमौर स्थित विदित हेल्थ केयर में बने है। ड्रग डिपार्टमेंट की टीम दोनों कंपनियों को नोटिस भेज कर पूछेगी कि इन दवाओं की आपूर्ति बिहार में कहां-कहां की गई थी? इसके बाद पुलिस उस थोक विक्रेता पर भी कार्रवाई करेगी, जिसके यहां से यह कफ सिरप नशे के धंधेबाजों तक पहुंचा। असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर चुनिंद्र महतो ने कहा कि दोनों दवा कंपनियों से बैच नंबर भेजकर जानकारी ली जाएगी और उसके बाद कार्रवाई होगी।

जय माता दी बस का चालक विजय और खलासी शंकर झा कई बार कफ सिरप की खेप मधुबनी ले जा चुका है। धंधेबाज पटना साहिब रेलवे स्टेशन के पास कफ सिरप की खेप लेकर आया और बस में लोड की गई। इसके लिए चालक और खलासी को धंधेबाज ने 10 हजार रुपए दिए थे। मधुबनी में जिस व्यक्ति को कफ सिरप लेना था, उसका नंबर चालक को दिया गया था। पुलिस पटना और मधुबनी के दोनों धंधेबाजों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस शंकर और विजय के मोबाइल की सीडीआर भी खंगाल रही है। दोनों कब से इस धंधे में शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है।

हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में प्रचार सामग्री पर रोक, तय समय पर होगा आयोजन

छपरा, एजेंसी। बिहार का ऐतिहासिक और एशिया का प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2025 इस वर्ष भी भव्य और पारंपरिक रूप में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, मेला विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान लागू आदर्श आचार संहिता की अवधि में पड़ रहा है, लेकिन जिला प्रशासन ने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करते हुए मेला आयोजित करने की अनुमति दी है।

मेला इस वर्ष 09 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। निदेशक पर्यटन विभाग ने जिला प्रशासन को स्पष्ट किया है कि आयोजन के दौरान किसी भी मंच या सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से राजनीतिक लाभ से मेले को नहीं जोड़ा जाएगा। सभी संबंधित अधिकारियों और आयोजन समिति को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

सारण जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि प्रभावी आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के साथ हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2025 का आयोजन सुनिश्चित है। पर्यटन विभाग ने भी जिला प्रशासन को जानकारी दी कि मेले में किसी भी प्रचार सामग्री पर मंत्री या राजनीतिक व्यक्ति का फोटो, नाम या संदेश नहीं होगा। आदर्श आचार संहिता की अवधि में कोई भी राजनीतिक पदाधिकारी सार्वजनिक भाषण या प्रेस संवाद में इस संबंध में कोई संदर्भ नहीं देगा।

सोनपुर मेला का आयोजन पूरी तरह सांस्कृतिक, पारंपरिक और धार्मिक स्वरूप में ही किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक भागीदारी या चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी। मेला परिसर में पशु बाजार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्यापारिक स्टॉल, सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता अभियान जैसी व्यवस्थाएं जिला प्रशासन की देखरेख में संचालित होंगी।

सारण के जिलाधिकारी अमन समीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, सोनपुर की एसडीओ एवं एसडीपीओ ने संयुक्त रूप से हरिहर नाथ और पहलेजा थाना क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों और कार्तिक पूर्णिमा के गंगा स्नान स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटों की सुरक्षा, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, भीड़ प्रबंधन और यातायात नियंत्रण की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कहा कि गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएंगी।

मोतिहारी में भारी मात्रा में हथियार के साथ तस्कर गिरफ्तार:विधानसभा चुनाव से पहले कार्रवाई, गोली और कैश भी बरामद

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी पुलिस ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी कार्रवाई की है। गोविंदगंज थाना क्षेत्र के रहिया गांव में छापेमारी कर एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोली, नगदी और शराब की बोतलें बरामद की गईं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात को गुप्त सूचना मिली थी कि चुनाव के दौरान खपाने के लिए हथियारों की एक बड़ी खेप जिले में लाई गई है। इस सूचना के आधार पर साहबर डीएसपी, अरेराज डीएसपी और चकिया डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसके बाद, करीब दो सौ से अधिक पुलिस बल के साथ रहिया गांव स्थित उपेंद्र सिंह के घर पर चार घंटे तक छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक कार्बाइन, एक राइफल, तीन पिस्टल, एक देसी कट्टा और सौ से अधिक गोलियां बरामद कीं। इसके अलावा, दो लाख रुपये से अधिक की नकदी और कई शराब की बोतलें भी मिलीं। पुलिस ने उपेंद्र सिंह और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

20 साल से पेंटर का काम करता था : एसपी ने बताया कि पूछताछ में महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं। उपेंद्र पिछले 20 वर्षों से कश्मीर में पेंटर का काम करता था और एक सप्ताह पहले ही घर लौटा था। वह हथियारों की यह खेप किसी को सप्लाई करने वाला था। पुलिस फिलहाल उपेंद्र और उसकी पत्नी से गहन पूछताछ कर रही है।

पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस का मानना है कि यह कार्रवाई चुनाव से पहले असामाजिक तत्वों के मनोबल पर बड़ा प्रहार साबित होगी।

खगड़िया में तेजस्वी की सभा रद्द, बोले- ये तानाशाही, शाह के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग के चलते नहीं मिली परमिशन

पटना, एजेंसी। खगड़िया में आज होने वाली तेजस्वी यादव की सभा को रद्द कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने उनके हेलिकॉप्टर को लैंडिंग की परमिशन नहीं दी है। दरअसल संसारपुर खेल मैदान में हेलीपैड बना है केंद्रीय गृहमंत्री की भी उसी इलाके में सभा है। संसारपुर खेल मैदान में होने वाली सभा रद्द होने पर तेजस्वी ने कहा कि ये तानाशाही है। तेजस्वी की 3 और सभाएं होनी है अभी ये साफ नहीं है कि वे कार्यक्रम होंगे या कैंसिल होंगे।

पैसे बांटने पर पप्पू यादव को इनकम टैक्स का नोटिस : पैसे बांटने को लेकर पप्पू यादव को इनकम टैक्स ने नोटिस भेजा है। सांसद ने अपने एक्सअकाउंट से इसकी जानकारी दी है।। उन्होंने नोटिस की कॉपी शेयर करते हुए लिखा- मुझे इनकम टैक्स का नोटिस मिला है, बाढ़ पीड़ितों की मदद में रुपए बांटने को अपराध बताया है। यह अपराध है तो मैं हर वंचित पीड़ित की सहायता का अपराध सदैव करता रहूंगा। वैशाली जिले के नयागांव पूर्वी पंचायत अंतर्गत मनियारी गांव के बाढ़ पीड़ितों जिनका घर-द्वार सब गंगाजी में विलीन हो गया, उनकी मदद न करता तो क्या गृह राज्य मंत्री, स्थानीय एमपी जैसे स्वघोषित सीएम उम्मीदवारों की तरह मूकदर्शक बना रहता।

छठ पर मोदी ने शेयर किए वीडियो, लालू ने कसा तंज : आज से आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत हो गई है। चुनाव के बीच छठ पर भी बिहार में सियासत हो रही है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने छठ को लेकर 6 पोस्ट किए और दिवंगत लोकगायिका शारदा सिन्हा का गाना शेयर किया। वहीं लालू यादव ने ट्रेनों में भीड़ को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राजद सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर लिखा- झूठ के बेताज बादशाह और जुमलों के सरदार ने शेखी बघारते हुए कहा था कि देश को कुल 13194ट्रेनों में से 12000 रेलगाड़ियां छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए चलाई जाएंगी। यह भी सफेद झूठ निकला। उन्होंने एनडीए को बिहार विरोधी बताया है।

आरजेडी के पोस्टर में तेजस्वी बिहार के नायक : पटना में आरजेडी ऑफिस के बाहर पोस्टर लगाए गए हैं। जिसमें तेजस्वी यादव को बिहार का नायक बताया गया है। ये पोस्टर राजद नेता वसीम सैयद अंसारी की ओर से लगाए गए हैं।

तेजस्वी बोले- प्रधानमंत्री के भाषण के हर शब्द नकारात्मक थे : तेजस्वी ने प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, कल प्रधानमंत्री यहां आए। उनके भाषण का हर एक वाक्य और शब्द नकारात्मक था। उन्होंने कुछ भी सकारात्मक नहीं कहा। प्रधानमंत्री से हम पूछना चाहेंगे कि पिछले 11 साल से आप प्रधानमंत्री हैं लेकिन बिहार को आपने दिया क्या है? आप गुजरात में फैक्ट्री लगाएं लेकिन आप बिहार में जीत चाहते हैं तो ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने बिहार को केवल ठगा है,बिहार हर मामले में गुजरात से बड़ा है। हर दसवां व्यक्ति देश के बिहार से है। जितना उन्होंने गुजरात को दिया है, उसका 1प्रतिशत भी बिहार को नहीं दिया है। बिहार की जनता हर चीज का हिसाब मांग रही है और प्रधानमंत्री के पास कोई जवाब नहीं है।

इस बार छठ पूजा पर बन रहा है बेहद ही दुर्लभ संयोग

देशभर में हर पर्व व त्योहार को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है और दिवाली के 6 दिन बाद छठ महापर्व आता है, जो कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों का एक महत्वपूर्ण व लोक आस्था का पर्व है. छठ पूजा का व्रत बहुत ही कठिन होता है और इस दौरान चार दिनों को विभिन्न परंपराओं के साथ इस पर्व को मनाया जाता है. इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण किया जाता है. इस साल छठ पूजा का पर्व 28 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा और इसकी शुरुआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ होगी. इस साल छठ पूजा पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं.

पहला दिन, 25 अक्टूबर 2025 - नहाय-खाय, इस दिन व्रती स्नान के बाद शुद्ध व सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं. इसमें मुख्य तौर पर चना दाल और लौकी की सब्जी होती है.

दूसरा दिन, 26 अक्टूबर 2025- खरना, छठ पूजा के दूसरे दिन खरना होता है और इस दिन व्रती गुड़ की खीर बनाकर उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं. इस प्रसाद को ग्रहण करने के बाद उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है.

तीसरा दिन, 27 अक्टूबर 2025 - संध्या अर्घ्य, तीसरे दिन व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं. इस दिन बांस के सूप में सभी प्रकार के फल व ठेकुआ रखकर पानी में खड़े होकर सूर्य देव का पूजन होता है और फिर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है.

अंतिम दिन, 28 अक्टूबर 2025 - उगते सूर्य को अर्घ्य, छठ पर्व के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और इसके साथ ही व्रत का समापन होता है. इस दौरान सूर्य देव से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की जाती है.

छठ पूजा पर बन रहा है दुर्लभ संयोग

वैदिक पंचांग के अनुसार 27 अक्टूबर को रात 10 बजकर 46 मिनट तक रवि योग रहेगा और इसे बेहद ही शुभ योग माना गया है. इसके अलावा छठ पूजा के दिन सुकर्मा योग भी बन रहा है जो कि पूरी रात रहेगा और इस योग में पूजा करने से शुभ फल प्राप्त होता है. इतना ही नहीं छठ पूजा के दिन पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र भी उपस्थित रहेगा. इन सभी योग व नक्षत्रों में सूर्य देव का अर्घ्य देने से सुख-समृद्धि, संतान प्राप्ति की कामना, आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति होगी.

छठी पूजा का महत्व

छठ पूजा के दौरान सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पूजा में भक्त गंगा नदी जैसे पवित्र जल में स्नान करते हैं। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव और छठी माता के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। दूसरे और तीसरे दिन को खरना और छठ पूजा कहा जाता है। महिलाएं इन दिनों एक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं। साथ ही चौथे दिन महिलाएं पानी में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण करती है।

छठ पूजा में भूलकर भी न करें ये गलतियां

- छठ पर्व के दिनों में भूलकर भी मांसाहारी चीजों का सेवन न करें। साथ ही छठ पूजा के दिनों में लहसुन व प्याज का सेवन भी न करें।
- इस दौरान व्रत रख रही महिलाएं सूर्य देव को अर्घ्य दिए बिना किसी भी चीज का सेवन न करें।
- छठ पूजा का प्रसाद बेहद पवित्र होता है। इसे बनाते समय भूलकर भी इसे जूठा न करें।
- पूजा के लिए बांस से बने सूप और टोकरी का ही इस्तेमाल करना चाहिए। पूजा के दौरान कभी स्टील या शीशे के बर्तन प्रयोग न करें।
- साथ ही प्रसाद शुद्ध घी में ही बनाया जाना चाहिए।

भगवान सूर्य और छठ माता को समर्पित है छठ पूजा का व्रत

भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूठा पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाय जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसूचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सूर्यदेव की अर्घ्य के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्ठी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है, पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर साझ की अर्घ्य व अंततः भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी क्रम में उल्लेखनीय होगा कि सम्भवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमें कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घ्य दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. साझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है. वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पत्नियां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और साझ की प्रत्युषा, अतः साझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पत्नियों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहंगिया', 'मरबो जे सुगवा धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छठ से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती है.

ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक

भारत के अधिकाधिक पर्वों की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छठ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय श्यार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छठ घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुल्लित कर देगा.

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गढ़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्में अधूरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमें कि घर के पुरुष द्वारा पूजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.

5 महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना अधूरा है पर्व

षष्ठी देवी, छठ माई या कहें कि सूर्य षष्ठी के अवसर पर पूजन में कोई भी कमी नही रहना चाहिए। यहां प्रस्तुत है 5 ऐसी महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना पर्व की परंपरा अधूरी मानी जाती है।

- छठ पूजा में बांस की टोकरी का विशेष महत्व होता है। इसमें अरघ्य का सामान पूजा स्थल तक लेकर जाते हैं और भेंट करते हैं।
- दूसरी चीज होती है ठेकुआ। गुड़ और गेहूं के आटे से बना ठेकुआ छठ पर्व का प्रमुख प्रसाद है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।
- गन्ना पूजा में प्रयोग किया जाना वाला प्रमुख सामग्री होता है। गन्ना से अरघ्य दिया जाता है और घाट पर घर भी बनाया जाता है।
- छठ पूजा में केला का प्रसाद के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है । छठ में केले का पूरा गुच्छा छठ मइया को भेंट किया जाता है।
- शुद्ध जल और दूध का लोटा यह अरघ्य देने के काम आएगा और अरघ्य ही इसी पूरी पूजा के केन्द्र में होता है।

छठ धार्मिक के साथ सांस्कृतिक पर्व भी

लोक आस्था का महापर्व है छठ। परम नियम-निष्ठा और सात्विकता के साथ चार दिवसीय यह पर्व नहाय-खाय से शुरू हो गया। रांची में बिहार, यूपी और झारखंड सहित अन्य प्रांतों के लोग भी इस पर्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

आस्था, श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ पर्व। सूर्य की अराधना होती है, उपासना होती है। भारत वर्ष में जब कभी ऋतु परिवर्तन होता है तो उस समय एक न एक त्योहार अवश्य होता है। इस समय ठंड का मौसम दस्तक देने लगा है। उसकी तैयारी अर्थात उसके स्वागत की तैयारियों का प्रारंभ छठ व्रत उपवास से प्रारंभ हो जाता है। सूर्य दक्षिणायन होते है। जिससे तापमान में कमी होने लगती है। छठ व्रत बिहार की संस्कृति का एक हिस्सा है। यह धार्मिक पर्व के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्व भी है। समय जरूर बदला है किंतु बिहार की संस्कृति नहीं बदली है। छठ के घाटों पर मेला लगा रहता है। बेहिचक लोग परिचित-अपरिचित सभी से प्रसाद की याचना करते है। इस प्रसाद को पाना ही बड़ी उपलब्धि मानते हैं तथा बड़ी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं। केला, मूली, नींबू, नारियल, अदरक, ईख, गेहूं के आटे से बना ठेकुआ, सबकुछ किसान खुद ही उपजाता था। जिस बाँस की टोकरी में अर्घ्य का यह सारा सामान रखा जाता है, वह भी खेती-किसानी करने वाले लोग खुद ही बना लेते थे। यह दीगर बात है कि शहरों में आ चुके पुरबिया लोगों को अब यह सारा सामान बाजार से खरीदना पड़ता है। लेकिन छठ पूजा का बाजार भी बिल्कुल अलग है। आज भी सारा सामान पटना और बनारस से आता है। जाहिर तौर पर छठ पूजा के रंग भी सबसे ज्यादा यही दिखाई देते है।

कौन हैं मां षष्ठी देवी

छठ पर्व पर सूर्य आराधना एवं षष्ठी देवी के पूजन का विशेष महत्व है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि षष्ठी देवी कौन हैं और क्योंकि पड़ा उनका यह नाम?

दरअसल मां षष्ठी देवी, मां कात्यायनी का ही रूप हैं और मां कात्यायनी, दुर्गा का छठा अवतार हैं। शास्त्रों के अनुसार देवी ने कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया, इस कारण इनका नाम कात्यायनी पड़ गया। षष्ठी तिथि के अलावा नवरात्र के छठे दिन कात्यायनी देवी की पूरे श्रद्धा भाव से पूजा की जाती है।

कैसा है षष्ठी देवी का स्वरूप

दिव्य रूपा कात्यायनी देवी का शरीर सोने के समाना चमकीला है। चार भुजा धारी मां कात्यायनी सिंह पर सवार हैं। अपने एक हाथ में तलवार और दूसरे में अपना प्रिय पुष्प कमल लिये हुए हैं। अन्य दो हाथ वरमुद्रा और अभयमुद्रा में हैं। इनका वाहन सिंह है। देवी कात्यायनी के नाम और जन्म से जुड़ी एक कथा प्रसिद्ध है।

क्यों पड़ा देवी का नाम कात्यायनी

एक कथा के अनुसार एक वन में कत नाम के एक महर्षि थे उनका एक पुत्र था जिसका नाम कात्य रखा गया। इसके पश्चात कात्य गोत्र में महर्षि कात्यायन ने जन्म लिया। उनकी कोई संतान नहीं थी। मां भगवती को पुत्री के रूप में पाने की इच्छा रखते हुए उन्होंने पराम्बा की कठोर तपस्या की। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें पुत्री का वरदान दिया। कुछ समय बीतने के बाद राक्षस महिषासुर का अत्याचार अत्यधिक बढ़ गया। तब त्रिदेवों के तेज से एक कन्या ने जन्म लिया और उसका वध कर दिया। कात्य गोत्र में जन्म लेने के कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ गया।

षष्ठी देवी का सरल मंत्र

चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्दू लवर वाहना
कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानव घातिनि
मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी मानी गई हैं। शिक्षा प्राप्ति के क्षेत्र में प्रयासरत भक्तों को माता की अवश्य उपासना करनी चाहिए।

षष्ठी देवी मंत्र

षष्ठांशा प्रकृतेः शुद्धा सुप्रतिष्ठाच्च सुव्रताम।
सुपुत्रदां च शुभदां दयारूपां जगत्प्रसूम।।
धृतचम्पकवर्णाभां रत्नभूषणभूषिताम।
पवित्ररुपां परमां देवसेनां परां भजे।।

छठ पूजा पर तमिलनाडु में मनाते हैं सूरसम्हारम पर्व?

उत्तर भारत में जहां छठ पूजा का पर्व मनाया जाता है जिसमें सूर्यदेव की पूजा के साथ ही छठ मैया की पूजा की जाती है वहीं दक्षिण भारत में इसी दिन सूरसम्हारम पर्व मनाया जाता है जिसमें भगवान कार्तिकेय की पूजा की जाती है। क्या है इस पर्व को मानाने की पीछे की कथा?

भगवान कार्तिकेय को दक्षिण भारत में मुरुगन और स्कंद कहा जाता है। इसीलिए षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी के रूप में जाना जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को कन्द षष्ठी कहते हैं। यह तमिल हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। इस पर्व की शुरुआत कार्तिक माह की शुक्ल प्रतिपदा तिथि से ही हो जाती है जिसका समापन षष्ठी के दिन होता है। यानी छह दिवसीय उपवास का पालन किया जाता है। षष्ठी के दिन पर्व का समापन होता है जिसे सूरसम्हारम दिवस कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान मुरुगन ने सूरसम्हारम के दिन असुर सुरपद्मन को युद्ध में पराजित किया था। इसलिए तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश के रूप में प्रतिवर्ष सूरसम्हारम का त्योहार मनाते हैं। सूरसम्हारम के अगले दिन थिरु कल्याणम मनाया जाता है। थिरुचेन्दूर मुरुगन मंदिर में कन्द षष्ठी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।

एलजी वाली लिस्टिंग के संकेत दे रहा यह आईपीओ, 29 अक्टूबर से ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा पाए हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगले हफ्ते एक और मेनबोर्ड आईपीओ ओपन हो रहा है। यह आईपीओ ग्रे मार्केट में एलजी इंडिया की तरह ही प्रदर्शन कर रहा है। हम बात कर रहे हैं ओर्कला इंडिया आईपीओ की। कंपनी का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक खुला रहेगा। ओर्कला इंडिया आईपीओ का साइज 1667.54 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 2.28 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। कंपनी के मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी घटाएंगे। ओर्कला इंडिया आईपीओ फ्रेश शेयर नहीं जारी करेगी। जिसका मतलब हुआ कि इश्यू से जुटाए पैसों का प्रयोग कंपनी के काम में नहीं आएगा।इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 145 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। जोकि 19.86 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। अगर ग्रे मार्केट की मौजूदा स्थिति बरकरार रही तो ओरकला इंडिया आईपीओ शेयर बाजारों में 875 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। ओर्कला इंडिया आईपीओ का प्राइस बैंड कंपनी ने 695 रुपये से 730 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी ने 20 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14600 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 69 रुपये की छूट दी है। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत और एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

सोने की बदौलत विदेशी मुद्रा भंडार फिर पहुंचा 700 अरब डॉलर के पार

- *17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था।*

मुंबई, एजेंसी। याद कीजिए दिवाली से पहले का सप्ताह। बीते शनिवार को धनतेरस था और उससे एक दिन पहले यानी शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इसका फायदा रिजर्व बैंक को मिला। उसके स्वर्ण भंडार में 6.181 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इस वजह से अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई। इससे पहले तो लगातार चार सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी ही हुई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 17 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.496 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.176 बिलियनकी कमी हुई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर 702.280बिलियन तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियनके रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। 17 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने एफसीए में 1.692 बिलियन की कमी हुई है।

बढ़ ही रहा है गोल्ड रिजर्व

दिवाली से पहले सोने की कीमत आसमान में चली गई थी। धनतेरस से एक दिन पहले यानी 17 अक्टूबर 2025 को 24 कैरेट सोने का भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इस वजह से रिजर्व बैंक के भंडार में जितना सोना है, उसका भी वैल्यू बढ़ गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 6.181 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 3.595 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर बूएसडी 108.546 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन के पार चला गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का 14.7 फीसदी से कुछ ज्यादा बैठता है।

सरकार ने एनपीएस और यूपीएस के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए दो और निवेश विकल्प जोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए दो निवेश विकल्पों, जीवन चक्र और संतुलित जीवन चक्र के विस्तार को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को यह एलान किया। सरकार का यह फैसला केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की ओर से गैर-सरकारी अंशदाताओं के लिए उपलब्ध निवेश विकल्पों के समान व्यापक श्रेणी की लगातार मांग के बाद लिया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये विकल्प सेवानिवृत्ति योजना में लचीलापन बढ़ाने और कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार अपनी सेवानिवृत्ति निधि का प्रबंधन करने की सुविधा देने के लिए तैयार किए गए हैं।

एनपीएस और यूपीएस के अंतर्गत, केंद्र सरकार के कर्मचारी अब निवेश के विभिन्न विकल्पों में से चुन सकते हैं। इसमें डिफ़ॉल्ट विकल्प के तहत पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की ओर से समय-समय पर परिभाषित निवेश का एक डिफ़ॉल्ट पैटर्न तय किया गया है। इसके तहत दूसरा विकल्प स्कीम जो है, जिसमें 100 प्रतिशत निवेश कम जोखिम, निश्चित रिटर्न के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में किया जाएगा। जीवन चक्र (एलसी-25) विकल्प के अंतर्गत अधिकतम इक्विटी आवंटन 25 प्रतिशत होगा, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है।

जर्मनी-यूके को छूट, भारत पर निशाना क्यों सभा में पीयूष गोयल की पश्चिमी नेताओं को हिदायत

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की चर्चा के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग सम्मेलन में शुक्रवार को पश्चिमी देशों करारा जवाब दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जर्मनी खुद ही अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है और ब्रिटेन को पहले ही मिल चुका है, तो भारत को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल की ये बात सुनकर वहां मौजूद यूके की ट्रेड मंत्री क्रिस ब्रायंट ने कहा कि उनको छूट केवल रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी के लिए है। ऐसे में गोयल ने पलटवार

करते हुए कहा कि भारत के पास भी तो रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी है, फिर हमें क्यों उनकी बात सुनकर बैठक में नेता कुछ देर के लिए चुप रह गए। गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी आर्थिक नीतियों में स्वतंत्र और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखता है और किसी बाहरी दबाव में समझौता नहीं करेगा।

प्रतिबंध लगाकर क्या हासिल करना चाहता है अमेरिका

बता दें कि रूस तेल से खरीद को लेकर अमेरिका लगातार प्रतिबंधों की धमकी दे रहा है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड का मानना है कि भारत जैसे देशों पर दबाव डालने से रूस कमजोर होगा और यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर मजबूर होगा, जबकि हाल ही में यूरोपीय संघ ने तीन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए और अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों रॉसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए। इस दौरान पीयूष गोयल ने इस बात भी जोर दिया कि भारत हमेशा से ही अपनी स्वतंत्र व्यापार नीति पर चलता है और हमारे लिए हमारा राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि हम कभी किसी 'डेडलाइन' या 'सिर पर तनी बंदूक' के दबाव में समझौता नहीं करेंगे।

11 अरब डॉलर स्वाहा! हफ्ते के आखिरी दिन लुट गए एलन मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के लिए शुक्रवार का दिन भारी रहा। अमेरिकी शेयर बाजार में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 3.4 प्रतिशत गिरावट आई। इस कारण मस्क की नेटवर्थ में 11 अरब डॉलर यानी करीब 9,66,06,40,00,000 की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 451 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18 अरब डॉलर की तेजी आई है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 8 की नेटवर्थ में शुक्रवार को तेजी रही। ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन ने इस साल सबसे ज्यादा 151 अरब डॉलर की कमाई की है। एलिसन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 2.82 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 343 अरब डॉलर पहुंच गई। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फेसबुक के मार्क जकरबर्ग तीसरे (260 अरब), ऐमजॉन के जेफ बेजोस (247 अरब) चौथे, लैरी पेज (227 अरब) पांचवें, सर्गेई ब्रिन (212 अरब) छठे, बर्नार्ड आरनॉल्ट (195 अरब) सातवें, स्टीव बालमर (180 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग (162 अरब) नौवें और माइकल डेल (159 अरब) दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 103 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर जमे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 11.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई।

द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड का रिकॉर्ड डेब्यू

मुंबई, एजेंसी। पैंटोमैथ ग्रुप की इकाई द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने अपने पहले एंकिटव न्यू फंड ऑफर के माध्यम से लगभग 1,951 करोड़ रुपये की राशि जुटाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सैकड़ों शहरों और कस्बों से आए निवेश (9,000 पिन कोड्स)ने कंपनी के 'भारत-केंद्रित और समावेशी दृष्टिकोण' पर निवेशकों के गहरे विश्वास को दर्शाया है। चार एंकिटव फंड लॉन्च करने वाला पहला नया म्यूचुअल फंड हाउस बन गया है। इन योजनाओं में शामिल हैं - द वेल्थ कंपनी फ्लेक्सी कैप फंड, एथिकल फंड, आर्बिट्राज फंड, और लिक्विड फंड। संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुश्री मधु लूनावत के नेतृत्व में द वेल्थ कंपनी भारत की पहली महिला-स्थापित एएमसी बन चुकी है। यह कंपनी ओएनडीसी प्लेटफॉर्म के ज़रिए एनएफओ लॉन्च करने वाली भारत की पहली एएमसी भी है, जिसने विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों के निवेशकों को केंद्र में रखा है। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, 2021 से अब तक केवल चार एएमसीज़ ऐसी

रही हैं जिन्होंने अपनी शुरुआत के वर्ष में एंकिटव फंड से लगभग 2000 करोड़ रुपये या उससे अधिक जुटाए हैं। अब द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड भी इस सूची में शामिल हो गई है - जिससे यह 2025 में इस स्तर तक पहुंचने वाली दूसरी एएमसी बन गई है। यह उपलब्धि निवेशकों और वितरकों के भरोसे तथा ब्रांड के समावेशी दृष्टिकोण को और मजबूत करती है।निवेशकों के भरोसे पर बोलते हुए डॉ सुश्री मधु लूनावत, संस्थापक, एमडी एवं सीईओ, द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने कहा, जब असली भारत आप पर भरोसा करता है, तो समझिए कि आप सही राह पर हैं।हमारे पहले ही प्रयास में मेट्रो से लेकर टियर-2/टियर-3 शहरों तक फैले निवेशकों की भागीदारी से चार एंकिटव फंड्स में 2000 करोड़ रुपये जुटाना, हमारे निवेशकों, वितरकों और साझेदारों के भरोसे का प्रमाण है - जो हमारे 'वेल्थ क्रिएशन को लोकतांत्रिक बनाने' के दृष्टिकोण को साझा करते हैं। विशेष रूप से, फ्लेक्सी कैप फंड में बी-30 शहरों से लगभग 50 प्रतिशत निवेश प्राप्त हुआ है, जो छोटे शहरों की बढ़ती निवेश क्षमता और नए भारत की आर्थिक चेतना को दर्शाता है। इस सफलता के लिए हम अपने सभी वितरकों और साझेदारों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

शटडाउन से घुटने लगा है अमेरिका की इकॉनमी का दम, छोटे कारोबारियों पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में 1 अक्टूबर से शटडाउन है और हाल फिलहाल इसके खत्म होने के कोई आसार नहीं हैं। इसका असर अब अमेरिका की इकॉनमी पर भी पड़ता दिख रहा है। खासकर छोटे कारोबारियों को शटडाउन के कारण टैक्स क्रेडिट नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण उनका बिजनेस अटक गया है। इसके साथ ही फेडरल गवर्नमेंट के लाखों कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के कारण वे अपनी बचत को खर्च करने से बच रहे हैं। यह सब ऐसे समय हो रहा है जबकि अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 38 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। शटडाउन के कारण सरकार के कई जरूरी कामकाज रुक गए हैं। इनमें लेंडिंग और टैक्स क्रेडिट की प्रोसेसिंग शामिल है। माना जा रहा है कि अगर शटडाउन की स्थिति लंबे समय तक चलती है तो कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर सकती हैं। इसकी वजह यह है कि लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। इस कारण कई कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। मसलन लोगों ने बाहर खाना-पीना कम कर दिया है जिससे रेस्टोरेंट्स की इनकम पर असर पड़ रहा है। कोरोना महामारी के कारण कई बिजनेस को संभलने में कई महीने लग गए थे और अब शटडाउन ने उनकी हालत एक बार फिर खराब कर दी है। पिछली बार अमेरिका में शटडाउन 22 दिसंबर 2018 को शुरू हुआ था और 25 जनवरी, 2019 तक 35 दिन चला था। यह अमेरिका के इतिहास में सबसे लंबा शटडाउन था। इससे अमेरिका की इकॉनमी को 3 अरब डॉलर की चपत लगी थी। अमेरिका की सरकार को अपने खर्च चलाने के लिए फंड की जरूरत होती है। यह फंड कर्ज लेकर पूरा किया जाता है। इसके लिए एक बिल अमेरिकी संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में लाया जाता है। लेकिन इस बार फंडिंग बिल को संसद की मंजूरी नहीं मिली जिससे 1 अक्तूबर से देश में शटडाउन हो गया।

भारत के मेड-टेक क्षेत्र में नई पहचान

मुंबई, एजेंसी। देश की चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए, भारत ने मेड-टेक उद्योग में नया मील का पत्थर स्थापित किया है। 78 वर्षीय महिला मरीज पर सफलतापूर्वक की गई मीसो रोबोटिक डे-कैंसर सर्जरी ने न केवल चिकित्सकीय इतिहास में देश का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित किया है, बल्कि रोबोटिक-सहायता प्राप्त सर्जरी के क्षेत्र में सटीकता और रोगी-केंद्रित देखभाल की दिशा में एक क्रांतिकारी प्रगति भी दर्ज की है। यह सर्जरी प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. सुजॉय भट्टाचार्जी द्वारा मैक्स हॉस्पिटल, पंचशील पार्क में सफलतापूर्वक संपन्न की गई। मरीज पिछले लगभग चार वर्षों से बाएँ घुटने में दर्द से पीड़ित थीं। दर्द बढ़ने पर उन्होंने मैक्स मल्टी स्पेशलिटी सेंटर, पंचशील पार्क में परामर्श लिया, जहाँ जांच के उपरांत उनके गठिया (आर्थराइटिस) रोग की पहचान हुई। इस बीमारी ने उनके घुटने के जोड़ को गंभीर क्षति पहुंचाई थी। मेरिल द्वारा विकसित अत्याधुनिक मीसो रोबोटिक सिस्टम का उपयोग करते हुए, डॉ. सुजॉय भट्टाचार्जी ने यह सर्जरी अभूतपूर्व सटीकता और दक्षता के साथ संपन्न की। मरीज को सुबह अस्पताल में भर्ती किया गया, सर्जरी के बाद मात्र तीन घंटे के भीतर वे स्वयं चलने लगीं, और उसी दिन शाम तक उन्हें पूरी तरह स्थिर एवं दर्द-मुक्त अवस्था में छुट्टी दे दी गई।

सर्जरी के उपरांत उनकी रिकवरी अत्यधिक तीव्र गति से हुई, जिसने यह प्रमाणित किया कि रोबोटिक तकनीक विशेष रूप से वृद्ध मरीजों में जोड़ प्रत्यारोपण के परिणामों को नई परिभाषा देने में सक्षम है। मेरिल का मीसो रोबोटिक सिस्टम अत्याधुनिक शल्य-प्रौद्योगिकी है, जो सर्जन को व्यक्तिगत प्री-प्लानिंग और सटीक वोन रीसैक्शन की सुविधा प्रदान करता है। यह प्रणाली जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी में निरंतरता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करते हुए सर्जरी के हर चरण में रियल-टाइम सहायता उपलब्ध कराती है। डॉ. सुजॉय भट्टाचार्जी का चिकित्सकीय अनुभव दो दशकों से अधिक का है। अब तक वे 25,000 से अधिक जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी तथा 5,000 से अधिक रिवीजन-रिटेनिंग रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट प्रक्रियाएँ सफलतापूर्वक कर चुके हैं। आथ्रीप्लास्टी और जटिल जोड़ पुनर्निर्माण में उनके गहन अनुभव ने उन्हें देश-विदेश में अस्थिरोग क्षेत्र का एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम बना दिया है। मीसो रोबोटिक सिस्टम सर्जिकल सटीकता और रोगी सुरक्षा के क्षेत्र में अगली पीढ़ी की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, डॉ. सुजॉय भट्टाचार्जी ने कहा।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने पेश किया भारत का पहला 48 वी ली-आयन इलेक्ट्रिक हैंड पैलेट ट्रक

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के मैटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट व्यवसाय ने आज जीईपीटी 20 का अनावरण किया, जो भारत का पहला 48वी लिथियम-आयन संचालित इलेक्ट्रिक हैंड पैलेट ट्रक है। यह लॉन्च वेयरहाउस गतिशीलता और कार्यकुशलता के क्षेत्र में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह उत्पाद ऐसे समय में लॉन्च किया गया, जब भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर ऑर्डर वॉल्यूम और तेज़, सुरक्षित संचालन की मांग में भारी वृद्धि देख रहा है। जीईपीटी 20 देश के विकसित होते वेयरहाउसिंग परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी तेज़ लिफ्टिंग क्षमता, लंबी

रनटाइम, सटीक नियंत्रण और मजबूत टिकाऊपन जैसी प्रमुख विशेषताएं, पारंपरिक हैंड पैलेट ट्रकों की तुलना में तीन गुना अधिक उत्पादकता प्रदान करती हैं।एक बार चार्ज करने पर 4 घंटे से अधिक रनटाइम के साथ, जीईपीटी 20 आसानी से 2 टन तक के भार को संभाल सकता है। इसका टर्टल स्पीड मोड (धीमी गति मोड) उच्च घनत्व वाले कार्य क्षेत्रों में सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करता है, जिससे यह आधुनिक वेयरहाउस, रिटेल बैक रूम और औद्योगिक इकाइयों के लिए एक आदर्श समाधान बन जाता है। अनिल लिंगायत, बिजनेस हेड, मैटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट बिजनेस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने कहा, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में हमारा विजन भारत के औद्योगिक परिदृश्य को नवाचार, दक्षता और स्थिरता के माध्यम से बदलना है।

ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने किया ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू का अनावरण

गुरुग्राम, एजेंसी। ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एच एम आई एल) ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित कॉम्पैक्ट एसयूवी ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू की बुकिंग शुरू करने का एलान किया। अर्बन मोबिलिटी को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू को स्टाइल, इनोवेशन और टेक-अप की सोच के साथ तैयार किया गया है। यह मोबिलिटी से परे जाने का अनुभव देती है। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी अर्बन मोबिलिटी के क्षेत्र में नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत है, जिससे नए मानक स्थापित करने की ह्यूंडई की प्रतिबद्धता दिखती है। बेहतरीन स्टाइलिंग से लेकर टेक-रिच केबिन तक ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू को ऐसे ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो अपनी ड्राइव में ज्यादा स्टाइल, ज्यादा कम्फर्ट और ज्यादा इनोवेशन चाहते हैं। एच एम आई एल ने आज रोमांचक, बोल्ड एवं शानदार फिल्म के साथ ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू का अनावरण किया, जिसने

दर्शकों को रोमांच से भर दिया और उनके रोंगटे खड़े कर दिए। इस फिल्म में फाइटर जेट की प्रिसाइजन, पावर और टेक्नोलॉजिकल एक्सीलेंस से प्रेरणा ली गई है, जो ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू की अत्याधुनिक क्षमताओं और भरोसेमंद एसयूवी स्टांस का प्रतीक है। इस फिल्म के केंद्र में एच एम आई एल की ब्रांड एंबेसडर एवं ग्लोबल आइकॉन दीपिका पादुकोण हैं, जिनकी मौजूदगी और करिश्माई व्यक्तित्व ऑल-न्यू ह्यूंडई वेन्यू के डायनामिक एटीट्यूड एवं प्रोग्रेसिव स्पिरिट के अनुरूप है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प प्रशासन के 50प्र. टैरिफ का कोई असर नहीं

प्रहलाद सबनानी

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है।

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है।भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टोबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चतम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वापिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे हैं। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

अमेरिका में बैंकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं।

संपादकीय

पलायन-रोजगार का चुनाव

बिहार का चुनाव समतली जमीन पर आ चुका है। विपक्ष के महागठबंधन में जो भीतरी द्वन्द्व और विरोधाभास थे, वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद लगभग समाप्त हो चुके हैं। कुछ सीटों पर कांग्रेस, राजद, सीपीआई (माले) और वीआईपी के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। इसे 'दोस्ताना मुकाबला' करार दिया जा रहा है। महागठबंधन के नेताओं ने इस विरोधाभास के समाधान की भी बात कही है। जिस प्रेस वार्ता में तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने, घोषित किया, उसके पोस्टर पर सिर्फ तेजस्वी का ही चित्र था। न लालू यादव-राबड़ी देवी का और न ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी का चित्र लगाया गया। लालू तो अब भी राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और राहुल-तेजस्वी ने साझा तौर पर 'वोट चोरी' के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। अब वह 'साथ' कहां गायब हो गया? बहरहाल आज 'वोट चोरी' का मुद्दा भी गायब है, क्योंकि पलायन और रोजगार सबसे संवेदनशील चुनावी मुद्दे के तौर पर उभरे हैं। तेजस्वी ने 'हर घर, एक सरकारी नौकरी' का जो मुद्दा जनता के सामने पेश किया है, उसका असर बिहार में स्पष्ट रूप से देखा-महसूस जा सकता है। हालांकि बिहार के 2.76 करोड़ घर-परिवारों में से 2.5 करोड़ घरों को भी सरकारी नौकरी मुहैया कराने पर करीब 9 लाख करोड़ रुपए सालाना चाहिए। बिहार का बजट ही 3.17 लाख करोड़ रुपए का है और उस पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है।

पूंजी कहां से आएगी, यह बहस सत्तारूढ़ और विपक्ष के राजनीतिक दलों के दरमियान तो जारी है, टीवी चैनलों पर भी यह बहस सुनी जाती रही है, लेकिन यह जनता का विश्लेषण और उसकी चिंता नहीं है। जनता मान रही है कि जिसकी सरकार बनेगी, पूंजी का बंदोबस्त भी वही करेगी। कांग्रेस ने भी 'पलायन रोको, नौकरी दो' का नारा देकर तेजस्वी के कार्यक्रम का समर्थन किया है। रोजगार से ही पलायन का मुद्दा जुड़ा है। चुनाव आयोग के मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों के आकलन हैं कि करीब 50 लाख बिहारी देश के विभिन्न हिस्सों में नौकरी या मजदूरी अथवा रिक्शा चालन का काम करते हैं और बिहार में मौजूद परिवार का पेट पालते हैं। अधिकांश ये प्रवासी बिहारी असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं, लिहाजा यह तय नहीं है कि कितने लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ही बिहार लौटेंगे? मतदान और छठ में कई दिनों का फासला है। निजी दुकानदारियों पर काम करने वाले इतने दिन तक बिहार में कैसे रह सकते हैं? उनके मालिक ही अनुमति नहीं देंगे। कइयों को मतदाता सूचियों से ही बाहर कर दिया गया है। कोई भी दल इन प्रवासी मतदाताओं को बिहार तक लिवाने में व्यापक तौर पर उत्सुक, इच्छुक नहीं है। बेशक मताधिकार देश के औसत वयस्क नागरिक का संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसे संस्थानात्मक रूप नहीं दिया गया है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी क्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रज्ञ में इन्हें आदिपुरुष कहा गया है। आदि पुरुष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता है।

बाल अपराध : बच्चों में बढ़ती क्रूरता

सोनम लववंशी

देश के तमाम शहरों के विद्यालयों में छात्रों के द्वारा की जा रही हिंसात्मक गतिविधियों पर लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। एक घटना जिसमें दसवीं के छात्र की हत्या और दूसरी घटना नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना।

दोनों घटनाएं अलग-थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर-तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वर्षों के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014-22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है। एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वर्षों में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्रायः मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। समाज मानसिक स्वास्थ्य को विशेष वर्ग का विषय मानता है, जबकि यह हर बच्चे की मूलभूत आवश्यकता है।

अनेक देशों में विद्यालयों में अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की जा चुकी है। कला, खेल और संवाद पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किशोर अपराधों से निपटने के लिए पुनर्स्थापनात्मक न्याय पद्धति अपनाई जा रही है, जिसमें अपराधी किशोर को कठोर दंड की बजाय पीड़ित और समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया में शामिल कर सुधार की दिशा दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष और वि स्वास्थ्य संगठन चेतावनी दे चुके हैं कि किशोर अपराध को केवल अपराध मान कर कठोर दंड देना समाधान नहीं है। समस्या बहुआयामी है, और इसका समाधान संवेदनशील परवरिश, संवाद और सामाजिक सहयोग से ही संभव है। कुल मिला कर देखें तो हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को हिंसा और निराशा से बचा पाएंगे? क्या हम उन्हें किताब, कला और संवाद की दुनिया में लौटा पाएंगे? क्या हम स्वीकार करेंगे कि शिक्षा अंकों और रोजगार का साधन ही नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और विवेक का संस्कार भी है? और क्या हम सच्चाई का सामना करेंगे कि बच्चों की हिंसा दरअसल, हमारी सामूहिक विफलता का आईना है?

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं।

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं।

तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने 'नौकरी, विकास और सम्मान' जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ 'लालू के पुत्र' नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका 'जनादेश' अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है।

एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है।

तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए।

तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआईपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तैरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

डायरेक्टर एटली ने विज्ञापन की दुनिया में किया डेब्यू

जब बात हो स्केल, इमोशन और स्टाइल को एक साथ जोड़ने की, तो डायरेक्टर एटली का नाम सबसे पहले आता है। वे जिस प्रोजेक्ट को हाथ लगाते हैं, उसे सिनेमैटिक मैजिक में बदल देते है और इसका सबूत है हाल ही में बिग्स के लिए किया गया उनका नया विज्ञापन।गौरतलब है कि 'जवान', 'मर्सल' और 'बेरी' जैसी मेगा हिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले एटली ने अब विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा है, और यहां भी उन्होंने वही ग्रैंड सिनेमाई करिश्मे का प्रदर्शन किया है और उसे लार्जर दैन लाइफ बना दिया है। 8 मिनट का यह बिग्स विज्ञापन पारंपरिक 30-सेकंड वाले फॉर्मेट को न सिर्फ पूरी तरह तोड़ता है, बल्कि दर्शकों को एक मिनी ब्लॉकबस्टर का अनुभव भी देता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन, ड्रामा, इमोशन और विजुअल ब्रिलियंस का तड़का लगा है। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि आठ शानदार मिनटों में पेश किया गया मास एंटरटेनमेंट का डबल डोज़ है। अपनी कोलैबोरेशन पर बात करते हुए डायरेक्टर एटली कहते हैं, मेरे लिए हमेशा प्यार सीक्रेट इंग्रिडिएंट रहा है और बिग्स कुछ ऐसा बनाना चाहता था, जिसे इंडिया सिर्फ देखे नहीं, बल्कि प्यार करे तो मैंने बिना दो बार सोचे हां कह दिया। हालांकि इसे रणवीर की मैडनेस, बॉबी सर के मैजिक और श्रीलीला की ग्रेशनैस ने और खास बना दिया और हमने इसे बहुत दिल से पकाया। अब इसे ऑडियंस को टेस्ट करना है। रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की दमदार मौजूदगी के साथ यह फिल्म सिनेमैटिक प्लेयर का मास्टरक्लास है। हर फ्रेम में स्केल और स्पेक्टेकल नजर आता है, जैसे स्लो-मोशन हीरो एंट्रीज, ड्रामैटिक लाइटिंग, एनर्जी से भरी कोरियोग्राफी और एटली की फिल्मों की तरह गूंजता बैकग्राउंड स्कोर। एटली सिर्फ डायरेक्ट नहीं करते, वे एलीवेट करते हैं। यही वजह है कि उनके निर्देशन में रणवीर सिंह अपनी पिछली विज्ञापन फिल्मों की अपेक्षा कहीं अधिक दमदार नजर आ रहे हैं।

एटली ने उनकी करिश्माई पर्सनैलिटी, इंटेंसिटी और चार्म को ऐसे कैप्चर किया है कि स्क्रीन पर आग लग जाती है और यह परफॉर्मेंस, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग का एक परफेक्ट मिश्रण बन जाता है। हर शॉट ऊर्जा, इमोशन और ग्रैंड विजुअल्स से भरा है, जो एटली की क्राफ्ट का ट्रेडमार्क है। चाहे सिनेमा हो या विज्ञापन, उनकी स्टोरीटेलिंग हमेशा भव्य, इमर्सिव और यादगार रहती है।

शादी की शूटिंग में रीटेक हुआ, मेरी दो बार एंट्री हुई

दर्शकों की दुलारी बालिका वधू यानी ऐक्ट्रेस अविका गौर अब असल जीवन में भी वधू बन गई हैं। हाल ही में अविका ने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी के साथ सात फेरे लिए। खास बात यह रही कि अविका और मिलिंद ने यह शादी अपने टीवी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर की, जिसका साक्षी सारी दुनिया बनी। शादी के बाद अविका की यह खास बातचीत

आप अब तक पूरे देश की बालिका वधू थीं, अब सच में मिलिंद की वधू बन चुकी हैं, क्या अलग महसूस हो रहा है?

सच कहूं तो शादी को लेकर हाइप बहुत होता है। मुझे भी लगा था कि कुछ बहुत अलग होगा, पर ऐसा नहीं है। मुझे इतना कुछ बहुत ज्यादा अलग नहीं लग रहा, बस मैच्योरिटी ज्यादा लग रही है। लग रहा है कि अचानक से बड़ी हो गई हूं। इसके अलावा, बदलाव यही है कि अब हम दोनों जिंदगी को एक साथ देखेंगे। हमारे परिवार एक हो गए हैं। ऐसी कई बातें मन में आती हैं, जो अच्छी, पॉजिटिव बातें हैं।

आपने टीवी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर शादी करने का फैसला क्यों किया? इस पर मिलिंद और आपके घरवालों की क्या प्रतिक्रिया थी?

मैं बचपन से टीवी सेट पर रही हूं। मेरी ऑडियंस ने मुझे सालों से इतना प्यार दिया है, तो मुझे लगा कि उनके पास यही एक मौका है, मेरी जिंदगी के सबसे खास पल का हिस्सा बनने का। फिर भी, मैं अकेली यह फैसला नहीं ले सकती थी, पर जब मैंने मिलिंद और हमारे परिवार वालों से इस बारे में बात की तो सब बहुत ज्यादा उत्साहित थे, क्योंकि हम इतिहास बना रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि किसी चैनल के साथ किसी का बचपन से ऐसा कनेक्शन रहा हो, तो सभी ये यह बात समझी और सब बहुत खुश थे।

आपने कुछ शर्तें भी रखी थी कि शादी में यह चीज़ें आपकी पसंद की होंगी?

बिल्कुल, बहुत सारी चीजें हैं। जैसे, हमारी शादी पूरी गुजराती रस्मों-रिवाज के साथ हुई है, जैसा हम चाहते थे। मैं चाहती थी कि लहंगा मेरी पसंद का हो, तो छोटी-छोटी चीजों से लेकर बड़ी चीजों तक वैसा ही हुआ, जैसा हम चाहते थे। हमने बहुत सोच समझकर प्लानिंग की थी। हम निश्चित तौर पर चाहते थे कि हमारे क्लोज फैमिली मेंबर्स भी हों तो ये भी थे। ओवरऑल मेकर्स ने ये पॉसिबल किया कि ये सिर्फ एक शो न हो, बल्कि हमारे लिए हमारी जिंदगी का सबसे यादगार दिन भी हो, तो सब कुछ हमारी उम्मीदों से बढ़कर रहा।

यह सब कुछ शो के तौर पर शूट हो रहा था, तो रीटेक भी हुए होंगे। कोई फनी या अटपटा रीटेक हुआ?

बिल्कुल, एक रीटेक तो मुझे याद है कि मेरी एंट्री दो बार हुई थी। ये मुझे फनी इसलिए लगती है, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि एक बार तो मिलिंद रोएगा, मगर वो बेचारा दोनों बार रोया। मुझे बहुत अच्छा भी लगा कि उसने मेरे लिए इतना इमोशन दिखाया।

मिलिंद में ऐसी क्या खूबियां थीं, जिससे लगा कि वही आपके जीवनसाथी हैं?

वह बहुत समझदार, धैर्यवान और मैच्योर है। ये तीनों ही खूबियां मुझमें नहीं है (हंसती हैं)। वह बहुत ही सुलझा हुआ है। कोई भी मुद्दा हो, वह बहुत आसानी से उसे खत्म कर देता है तो हमारे झगड़े नहीं होते। मैं यह चीज मिस भी करती हूं लेकिन यह उसकी सुपर पावर है कि वह हर चीज को आसान बना देता है। वह हर चीज में मुझे कंप्लीट करता है। मुझे मोटिवेट करता है। अगर मेरा मन करता है कि कोई जोक मारे, मेरा मूड ठीक हो जाए, तो ऐसी बचकानी चीजों में भी मेरा साथ देता है। हम एक-दूसरे के साथ एक काफी अच्छा बैलेंस कर पाते हैं। हमें साथ में करीब छह-साढ़े छह साल हो गए हैं और हर दिन लगता है कि यह लड़का ये भी करता है। वह हमेशा मुझे इंप्रेस करने की कोशिश करता है, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है।

नफ़रत में संदीपा धर और दर्शन रावल की केमिस्ट्री ने जीता दिल

संदीपा धर एक बार फिर दर्शकों को मोहित करने लौटी हैं अपने नए म्यूज़िक वीडियो 'नफ़रत' के साथ, जिसमें उनके साथ नज़र आ रहे हैं सोलफुल सिंगर दर्शन रावल। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण अदाकारी और ग्रेसफुल डांसिंग के लिए जानी जाने वाली संदीपा एक बार फिर साबित करती हैं कि वह आज के समय की सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में से एक हैं।पहले ही फ्रेम से संदीपा एक अलौकिक आकर्षण बिखेरती हैं — उनकी खूबसूरती प्यार, दर्द और नाज़ुक भावनाओं के हर पहलू को सहजता से दर्शाती है। उनकी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस हर गीत को जीवन से भर देती हैं, जो दर्शन रावल की मधुर आवाज़ के साथ एक खूबसूरत दृश्य कविता का रूप ले लेती है। गीत के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा- 'नफ़रत' उन गानों में से एक है जो आपको प्यार के हर रंग को महसूस करने का मौका देता है। दर्शन के साथ काम करना शानदार अनुभव था; उनके संगीत में इतनी सहज भावनाएँ होती हैं कि उसमें खुद को पूरी तरह डुबो देना आसान हो जाता है। डांस हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है — यह उन भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। इस गाने में एक डांस सीक्वेंस था जिसमें मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि मेरा परफॉर्मेंस कहानी को और ऊंचाई देता है, 'नफ़रत' में संदीपा की एक्टिंग के साथ-साथ उनकी डांसिंग स्किल्स भी बखूबी झलकती हैं। हर मूवमेंट और जेस्चर में उनकी नफ़ासत और जुनून दिखाई देता है, जो कहानी में लय और गहराई दोनों जोड़ता है। गाने के विज़ुअल्स — मूडी, काव्यात्मक और सिनेमैटिक — उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावशाली बना देते हैं, जिससे संदीपा वीडियो का धड़कता हुआ दिल बन जाती हैं। अब जब 'नफ़रत' रिलीज़ हो चुका है, दर्शक संदीपा धर और दर्शन रावल की खूबसूरत केमिस्ट्री को महसूस कर सकते हैं — जो एक साथ गहराई, जुनून और कोमलता से भरी है। खूबसूरती, भावना और कला का यह मेल 'नफ़रत' को सिर्फ एक म्यूज़िक वीडियो नहीं बल्कि एक अनुभव बना देता है, जो दिल में बस जाता है और यह साबित करता है कि संदीपा धर आज की सबसे मनमोहक परफॉर्मर्स में से एक है।

थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि थामा उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है।अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया। इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपए की कमाई की। थामा के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को थामा और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि थामा दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो। आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्में रिलीज करते आए हैं, थामा मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया। यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। एक बेताल के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है।

कृष 4 में विलेन का रोल करने पर रजत बेदी ने तोड़ी चुप्पी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें है कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। इस बात को लेकर जब अभिनेता से पूछा गया तो उन्होंने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं।

अभिनेता ने कृष 4 पर क्या कहा?

हाल ही में स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं।

रजत ने ऋतिक की जमकर तारीफ की

उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान है। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

लंबे समय से एक्टिंग से थे दूर

अगर वाकई ऋतिक की फिल्म में रजत बेदी की वापसी होती है, तो यह नॉस्टैल्जिया का बड़ा पल होगा। रजत बेदी लंबे समय से फिल्मों से दूर रहे थे, लेकिन आर्यन खान की वेब सीरीज 'बैडस ऑफ बॉलीवुड' के जरिए उन्होंने हाल ही में एक मजबूत कमबैक किया है। इस सीरीज में उनका काम काफी सराहा गया और दिलचस्प बात यह है कि शो में रजत की रियल लाइफ का ही रेफरेंस देखने को मिला जहां वर्षों से उन्हें कोई इंडस्ट्री में काम नहीं देता।

सलमान कभी मेरे बॉयफ्रेंड नहीं रहे

जर्मन-पोलिश मूल की एक्ट्रेस क्लॉडिया सिएस्ला ने बिग बॉस 3 में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वह क्या कूल हैं हम और देसी कहे जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। बीते कुछ समय से वह एक्ट्रेस होने के साथ ही न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में भी प्रैक्टिस कर रही हैं। क्लॉडिया ने सलमान खान से रिश्ते पर बेबाक बातचीत की है। क्लॉडिया का नाम एक तरफ सलमान खान से जुड़ा था, तो दूसरी तरफ बिग बॉस के कंटेस्टेंट प्रवेश राणा के साथ भी उनके लिंकअप्स की खबरें थीं। इस पर वह हंसते हुए कहती हैं, बिग बॉस 3 में, सिर्फ मैं और प्रवेश सिंगल थे, बाकी सब शादीशुदा थे। हम अच्छे दोस्त थे, लेकिन कुछ लिमिटेड फुटेज देखकर लोगों ने बातों को बढ़ा-चढ़ा दिया। जहां तक सलमान खान से नाम जुड़ने की बात है, हम सिर्फ एक पार्टी में मिले थे। न जाने कैसे अफवाह बन गई। मैं कई साल से इस बात का खंडन कर रही हूं। सलमान अच्छे इंसान और स्पोर्टिव फ्रेंड हैं, मगर वो मेरे बॉयफ्रेंड नहीं है। मेरे बॉयफ्रेंड हैं अर्जुन गोयल, वो मेरे सोलमेट हैं। हम चाहते हैं जिंदगी साथ बिताएं और शायद आगे किसी रियलिटी शो में साथ नजर भी आएं।

इंदौर शर्मसार

ऑस्ट्रेलियन महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़, युवक गिरफ्तार

● महिला खिलाड़ी को गलत तरीके से छुआ ● मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- कड़ी कार्रवाई होगी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलने आई ऑस्ट्रेलियन टीम की दो खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने पांच थानों की टीम बनाकर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे खजराना रोड की बताई जा रही है। वहीं मप्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- कड़ी कार्रवाई होगी। दोनों महिला खिलाड़ी होटल रेडिसन ब्लू से पैदल कैफे (द नेबरहुड) की तरफ जा रही थीं। तभी सफेद शर्ट और काली टोपी पहने एक बाइक सवार युवक उनका पीछा करने लगा। कुछ ही देर में आरोपी ने इनमें से एक खिलाड़ी को गलत तरीके से छुआ और मौके से भाग निकला। घबराई दोनों खिलाड़ियों ने तुरंत टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को मैसेज किया और अपनी लाइव लोकेशन भेजी। जानकारी मिलते ही डैनी सिमंस ने टीम के सुमित चंद्रा से संपर्क कर मदद के लिए कार रवाना कर दी और खिलाड़ियों को सुरक्षित होटल पहुंचाया। दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना-माना नाम हैं।

सीसीटीवी फुटेज से हुई आरोपी अकील की पहचान - सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस की शिकायत पर एमआईजी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने विजय नगर, एमआईजी, खजराना, परदेशीपुरा, कनाड़िया थाने की टीम गठित की। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपी की पहचान हुई और शुक्रवार शाम को पुलिस ने खजराना निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि अकील पर पहले से भी अपराधिक केस दर्ज हैं। वह आजाद नगर में रह रहा था। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी क्रिकेट बोर्ड और जिला प्रशासन को भी दे दी है।

होटल से मैदान के रूट पर सुरक्षा बढ़ाई गई - इस घटना के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। होटल से मैदान तक आने-जाने के रूट पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने इस मामले में नाराजगी व्यक्त करते हुए ईटेलिजेंस विंग को फटकार भी लगाई है।

खिलाड़ियों ने सुरक्षा अधिकारी को संदेश भेजा था - महिला खिलाड़ियों ने टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को संदेश भेजा था। यह संदेश इमरजेंसी के लिए होता है। यह तब दिया जाता है जब कोई पीछा कर रहा है या पकड़ने की कोशिश कर रहा हो।

हिमाचल में पैराग्लाइडिंग करते वक्त पायलट गिरा

हवा में पैराग्लाइडर का संतुलन बिगड़ने से हादसा; 7 देशों के 59 पायलट ले रहे भाग

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में तीसरा फ्लाइंग फेस्टिवल शनिवार को शुरू हो गया। इस फेस्टिवल के पहले दिन एक पायलट का पैराग्लाइडर असंतुलित हो गया। इससे पायलट जमीन पर गिर गया। उसे हल्की चोटें आई है। शिमला के जुन्गा में तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल में सात देशों के 59 पायलट भाग ले रहे है। चीन के टॉप रैंक प्राप्त यानचिन्ह पायलट भी पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं और हवा में अठखेलियां कर रहे हैं।

इंटरनेशनल लेवल पर हिमाचल को पहचान दिलाना मकसद: अरुण - आयोजक अरुण रावत ने बताया कि संतुलन बिगड़ने से पायलट गिरा है। वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि पायलट का नाम पता करने के बाद बता पाउंगा। रावत ने कहा- इस बार देश में पहली बार पैराग्लाइडिंग प्री वर्ल्ड कप और प्री एशियन लीग चैंपियनशिप का संयुक्त आयोजन किया किया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन में भारत ने 11 मेडल जीते

8 गोल्ड और 3 सिल्वर शामिल ; प्रमोद भगत-मानसी ने दो-दो गोल्ड जीते

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल टेबल में टॉप स्थान हासिल किया। पैरा ओलिंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते, जबकि सुकांत कदम ने एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते - प्रमोद भगत ने पुरुष सिंगल्स के एसएल 3 वर्ग के फाइनल में अपने ही साथी खिलाड़ी मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद भगत ने सुकांत कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल 3-एसएल 4 वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से मात दी। भगत ने जीत के बाद कहा, मैं दो गोल्ड मेडल जीतकर बहुत खुश हूं। मनोज के खिलाफ मुकाबला कड़ा था क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं। भारत के लिए यह शानदार प्रदर्शन है।

कदम और सूर्यकांत के बीच रोमांचक फाइनल - सुकांत कदम ने पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में सूर्यकांत यादव से 21-23, 21-14, 19-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

मानसी जोशी ने भी जीते दो गोल्ड जीते - भारत की मानसी जोशी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए। उन्होंने महिला सिंगल्स एस6 वर्ग में गोल्ड जीता और डबल्स एसएल3-एस5 वर्ग में रुथिक रघुपति के साथ मिलकर खिताब पर कब्जा किया। रुथिक ने पुरुष युगल एस5 वर्ग में चिराग बरेटा के साथ मिलकर एक और गोल्ड मेडल जीता। मेंस डबल्स में एसएच 6 वर्ग में शिवाराजन सोलाईमलाई ने गोल्ड और सुदर्शन मुथुस्वामी ने सिल्वर मेडल हासिल किए। इसके अलावा यशोधन रवनकोले और धीरज सैनी की जोड़ी ने पुरुष युगल एस5 वर्ग में गोल्ड जीता। विमेंस सिंगल्स एसएल4 + एस5 वर्ग में सरुमाथी ने ऑस्ट्रेलिया की जाश्का गनसन को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

भारत ने 9 विकेट से जीता सिडनी वनडे

रोहित शर्मा 121 और विराट कोहली 74 पर रहे नाबाद

सिडनी, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा व आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने सीरीज में क्लीन स्वीप को टाला और सीरीज 2-1 पर समाप्त हुई।

भारत के लिए इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। रोहित ने शतकीय पारी खेली और विराट ने शानदार पचासा लगाया। रोहित शर्मा इस पारी में 121 रन बनाकर नाबाद रहे और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारी खेली। इसी के साथ दोनों खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ नंबर है अभी यह दोनों खिलाड़ी भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक खेलने को तैयार हैं।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 236 रन पर ढेर हो गई थी। मेजबान टीम 46.4 ओवर में ही सिमट गई। हर्षित राणा के नाम सबसे ज्यादा चार विकेट दर्ज हुए। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने दो विकेट झटके थे। इसके अलावा सिराज, अक्षर, कुलदीप और कृष्णा को 1-1 विकेट मिला था।

इस सीरीज के पहले दोनों मैचों में पर्थ और एडिलेड के मैदान पर भारत को हार का सामना करना पड़ा था। अब तीसरे मैच में कप्तान शुभमन गिल की भी साख दांव पर थी जहां भारत को रोहित और विराट ने आसान जीत दिलाई। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की नाबाद साझेदारी की और भारत को बेहतरीन जीत दिलाई।

चेज करते हुए विराट कोहली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, रोहित के साथ 19वीं बार 100+ रन की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने वाले विराट कोहली आखिरकार अंतिम मुकाबले में वापसी करने में कामयाब रहे। उन्होंने 56 गेंदों में करियर के 75वें अर्धशतक के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे टीम इंडिया ने रोहित-कोहली की 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी के दम पर नौ विकेट के शेष रहते हासिल कर लिया।

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं। रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले यह दूसरी जोड़ी है। इन दोनों से आगे इस प्रारूप में बस सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है जिन्होंने 8227 रनों की साझेदारी की है। रोहित और कोहली के बीच इस दौरान 19 बार शतकीय और 18 बार ही 50+ रनों की साझेदारी हुई है।

ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक बार वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने रोहित, कोहली-संगकारा को पीछे छोड़ा

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। रोहित ने 105 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 33वां सैकड़ा पूरा किया। कोहली और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 130+ रनों की साझेदारी पूरी हो गई है। रोहित इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया में वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। इसे हैजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा। गिल 26 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित और कोहली का बल्ला गरजा। रोहित ने पहले वनडे करियर का 60वां अर्धशतक पूरा किया और फिर शानदार पारी जारी रखते हुए शतक लगाया। रोहित ने अपनी इस शतकीय पारी के दम पर कई उपलब्धियां हासिल कर ली है।

युवराज के 6 छक्कों पर फ्लिंटॉफ का कबूलनामा

कहा- 2007 में मैंने लाइन क्रॉस की थी, युवी ने गुस्सा स्टुअर्ट ब्रॉड पर निकाला

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने आखिरकार 18 साल बाद मान लिया कि 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने युवराज सिंह के साथ हुई बहस में हद पार कर दी थी। फ्लिंटॉफ ने खुलासा किया कि उस दिन उनका गुस्सा ही युवराज के अंदर की आग बन गया, जिसने क्रिकेट इतिहास का सबसे यादगार पल दे दिया- एक ओवर में छह छक्के।

युवराज और फ्लिंटॉफ में तीखी बहस हुई थी - साउथ अफ्रीका में खेले गए 2007 टी20 वर्ल्ड कप के उस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर तक 171 रन बनाए थे। 19वें ओवर से पहले युवराज और फ्लिंटॉफ के बीच तीखी बहस हुई। दोनों ने एकदूसरे से कुछ कड़े शब्द बोले। इसके बाद गुस्से में आए युवराज ने इंग्लिश गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़ दिए। भारत ने 20 ओवर में 218/4 रन बनाए और 18 रन से मैच जीत लिया। बाद में यही टीम वर्ल्ड कप की पहली चैंपियन भी बनी।

फ्लिंटॉफ बोले- मैंने पहली बार लाइन क्रॉस की - पॉडकास्ट पर बात करते हुए फ्लिंटॉफ ने उस रात की कहानी साझा की। उन्होंने कहा- युवराज और मैं हमेशा मजाक-मजाक में भिड़ते रहते थे। उस दिन मेरा टखना खराब था, मुझे लगा वो मेरा आखिरी मैच है। मैं बहुत गुस्से में था और मैंने युवराज से बहस में लाइन क्रॉस कर दी।

भारतीय महिला बेसबॉल टीम चीन रवाना

इनमें पंजाब की 5 बेटियां, अमृतसर की मनवीर कौर उपकप्तान, एशिया कप में लेंगी हिस्सा

लुधियाना (एजेंसी)। चीन के हांग्जो में महिला बेसबॉल एशिया कप के लिए भारतीय टीम रवाना हो गई। इंडियन

बेसबॉल टीम में पंजाब की पांच लड़कियों को जगह मिली है। वहीं नहीं पंजाब के अमृतसर की मनवीर कौर को टीम में उपकप्तान की जिम्मेदारी भी मिली है। भारतीय महिला बेसबॉल टीम अक्टूबर से 2 नंवबर तक चीन में अलग-अलग देशों के साथ अपने मैच खेलेगी।

भारतीय महिला बेसबॉल की एशिया कप के लिए लुधियाना में भी कुछ देर कैंप किया। पंजाब बेसबॉल टीम के कोच व पंजाब बेसबॉल एसोसिएशन के महासचिव हरबीर सिंह गिल ने बताया कि एशिया कप के लिए 20 खिलाड़ियों का दल रवाना हुआ है, उसमें से पांच पंजाब की है। उन्होंने बताया कि महिला टीम का दल लुधियाना में प्रैक्टिस करने के बाद चीन के लिए रवाना हुआ।

एशिया कप ट्रॉफी दुबई से अबू धाबी पहुंची

बीसीसीआई अधिकारी एसीसी मुख्यालय गए तो पता चला; स्टाफ बोला- ट्रॉफी मोहसिन नकवी के पास

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप ट्रॉफी को एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के हेडक्वार्टर दुबई से अबू धाबी ले जाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में बीसीसीआई के एक अधिकारी के एसीसी मुख्यालय जाने पर पता चला कि ट्रॉफी अब वहां नहीं है। जब अधिकारी ने इसका पता पूछा, तो स्टाफ ने बताया कि ट्रॉफी अब मोहसिन नकवी के पास अबू-धाबी में है। इससे पहले 21 अक्टूबर को बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था, अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में

उठाया जाएगा। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। बाद में, एसीसी चीफ मोहसिन नकवी ने ई-मेल का जवाब देते हुए कहा कि एशिया कप ट्रॉफी ऑफिस आकर ही मिलेगी। बीसीसीआई मेल भेजकर राजनीति कर रहा है। ट्रॉफी एसीसी के ऑफिस में ही रखी हुई है।

भारत ने 28 सितंबर को एशिया कप जीता था - भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें तो, एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं।

सरफराज के समर्थन में उतरे शार्दुल, बोले- घरेलू क्रिकेट से राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई टीम के कप्तान शार्दुल ठाकुर सरफराज खान के समर्थन में उतरे है जिन्हें पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है। शार्दुल का कहना है कि सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए भारत ए दौरा खेलने की जरूरत नहीं है। शार्दुल ने भरोसा जताया कि यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है।

भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में डेब्यू करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की सीरीज के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था।

भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ने कहा, आजकल भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं।

मुंबई के रणजी सत्र के शुरुआती मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज का शार्दुल ने बचाव करते हुए कहा, वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। लेकिन इससे चले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में दम दिखाया और पिछले कुछ दिनों में अपना वजन भी कम कर लिया है। इसके बावजूद उन्हें मौका नहीं मिलने से फैंस हैरत में हैं। हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है और अगर अजीत अगारकर और भारतीय टीम प्रबंधन के नजरिए से इस फैसले को देखा जाए तो यह उतना हैरतअंगेज नहीं लगेगा जितना सोशल मीडिया इसे बता रहा है। ऐसे में सवाल यह उठते हैं कि क्या सरफराज टीम संयोजन की खोजना में फिट नहीं बैठ रहे? न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिन की अनुकूल पिच पर सरफराज की लगातार चार असफलताएं उनके बाहर होने का कारण बनीं। टेस्ट टीम में बल्लेबाजी क्रम में नंबर एक, दो और चार अब तय हो चुके है और नंबर पांच से आठ ऑलराउंडर से संबंधित हैं, ऐसे में एकमात्र स्थान नंबर तीन बचा है और शायद मुंबई के इस साहसी बल्लेबाज को आत्मविश्वास से लबरेज होकर एक नया स्थान आजमाने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

इटली में कैथोलिक पादरियों पर 4,400 लोगों से यौन शोषण का आरोप

रोम, एजेंसी। इटली में 2020 से रिपोर्ट किए गए मामलों में कैथोलिक पादरियों पर लगभग 4,400 लोगों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है। यह दावा पीड़ितों के एक समूह ने शुक्रवार को किया है। दुर्व्यवहार पीड़ितों के समूह रेटे लअबुसो द्वारा दिया गया आंकड़ा पीड़ितों के बयानों, न्यायिक स्रोतों और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए मामलों पर आधारित है। रेटे लअबुसो ने यह नहीं बताया कि दुर्व्यवहार के मामले कितने समय पहले घटित हुए थे। एक प्रवक्ता ने कहा कि इतालवी बिशप सम्मेलन ने निष्कर्षों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वैश्विक कैथोलिक चर्च दशकों से बाल यौन शोषण करने वाले पादरियों और उनके अपराधों के ढकने की कोशिश कर रहा है। इटली में स्थानीय चर्च ने इस मुद्दे का सामना करने में कम तत्परता दिखाई है। नए पोप लियो ने इस सप्ताह पहली बार पादरियों द्वारा यौन शोषण के शिकार लोगों से मुलाकात की। उन्होंने चर्च के नए बिशपों को ऐसे आरोपों को छिपाने से मना किया है। उनके पूर्ववर्ती दिवंगत पोप फ्रांसिस ने इस मुद्दे को अपने 12 वर्षीय पापल कार्यकाल की प्राथमिकता बनाई, लेकिन इसके परिणाम मिश्रित रहे।

नेपाल के करनाली प्रांत में खाई में गिरी जीप, आठ की मौत, 10 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के करनाली प्रांत में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रुकुम पश्चिम जिले के झरमारे इलाके में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। बताया गया है कि 18 लोगों को ले जा रही जीप पहाड़ी इलाके में सड़क से नीचे 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा काठमांडू से 500 किलोमीटर दूर, झरमारे में तब हुआ जब जीप मुसीकोट के खलंगा से अथबिस्कोट के स्यालीछी जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि सात लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की मौत स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। पीड़ितों की उम्र 15 से 30 वर्ष के बीच थी। बाकी 10 घायलों का इलाज रुकुम जिले के अस्पताल में कराया जा रहा है।

तुम्हारे दादा भी तो भारत से अमेरिका आए थे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली के बेटे नलिन हेली और ब्रिटिश-अमेरिकन पत्रकार मेहदी हसन के बीच माइग्रेशन को लेकर बहस छिड़ गई। नलिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके डोनाल्ड ट्रंप की माइग्रेशन और वीजा नियमों को लेकर सख्ती का समर्थन किया था और कहा था कि अमेरिका में ही पर्याप्त लोग हैं। वहीं एआई की वजह से भी जॉब मार्केट तंग चल रहा है। ऐसे में कोई किसी भी देश का रहने वाला हो, उसे अमेरिका आने की जरूरत नहीं है। इसपर पत्रकार मेहदी हसन ने कहा कि 1969 में तुम्हारे दादा भी भारत के पंजाब से ही अमेरिका आए थे। नलिन कोहली ने कहा कि विदेशियों को एच-1बी वीजा देना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन को विदेशियों की नौकरी को लेकर और सख्त नियम बनाने चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे फर्क नहीं पड़ता की तुम किस देश के रहने वाले हो। चाहे कनाडा के ही नागरिक हो। हमें माइग्रेशन पर विराम लगाना है। हमारे पास बहुत सारे लोग है। कंपनियां पहले से ही हायरिंग नहीं कर रही हैं और इस तंग मार्केट में विदेशी अमेरिकियों की नौकरी ले लेते हैं। बता दें कि निक्की हेली इस समय साउथ कैरोलिना की गवर्नर है और नलिन उनके छोटे बेटे हैं। मीडिया कंपनी के संस्थापक हसन ने कहा कि नलिन के दादा अजित सिंह रंधावा 1969 में भारत से अमेरिका आए। उन्होंने बायोलजी में मास्टर्स का और फिर ब्रिटिश कोलंबिया कनाडा से पीएचडी की। 1969 में वह साउथ कैरोलिना चले गए और वहीं पढ़ाने लगे। वहीं मेहदी हसन का भी ताल्लुक भारत से ही है। उनके मां-बाप हैदराबाद से यूके गए थे। मेहदी हसन को जवाब देते हुए नलिन ने कहा, यह 1969 नहीं है। तुम लोगों को अमेरिका से बस शिकायतें ही रहती हैं। सोशल मीडिया पर लोग नलिन की आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, जिन लोगों ने तुम्हारे दादा को परेशान किया आज तुम

मुशर्रफ को हमने खरीद लिया था

● यूएस के पास थी पाक के परमाणु हथियारों की चाबी, सीआईए के पूर्व अधिकारी का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाको ने पाकिस्तान को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि जब मैं 2002 में पाकिस्तान में तैनात था, तो मुझे अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि पेंटागन पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार को नियंत्रित करता है। परवेज मुशर्रफ ने हथियार नियंत्रण संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया, क्योंकि उन्हें परमाणु हथियारों के आतंकवादियों के हाथों में जाने का डर था।

पूर्व सीआईए अधिकारी जॉन किरियाको ने कहा है कि पाकिस्तान भ्रष्टाचार में इतना डूबा हुआ था कि पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो खाड़ी देशों में विलासितापूर्ण जीवन जी रही थीं, जबकि आम लोग भूख से मर रहे थे। इस दौरान अमेरिका ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के नेतृत्व में पाकिस्तान को लाखों डॉलर दिए, एक तरह से उन्हें खरीद लिया।

15 साल तक सीआईए अधिकारी के रूप में काम करने वाले किरियाको ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे थे। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तानाशाहों के साथ काम करना पसंद करता है। क्योंकि तब आपको जनमत की चिंता नहीं करनी पड़ती और न ही मीडिया की। इसलिए हमने मुशर्रफ को खरीद लिया। उन्होंने कहा कि मुशर्रफ ने अमेरिका को जो चाहे करने दिया।

किरियाको ने दावा किया कि हमने लाखों-करोड़ों डॉलर की सहायता दी, चाहे वह सैन्य सहायता हो या आर्थिक विकास सहायता। हम मुशर्रफ से नियमित रूप से, हफ्ते में कई बार मिलते थे। असल में वह हमें जो चाहे करने देते थे। हां लेकिन मुशर्रफ के अपने लोग भी थे जिनसे उन्हें निपटना पड़ता था। किरियाकोउ ने कहा कि मुशर्रफ ने सिर्फ सेना को खुश रखा और भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां करते हुए आतंकवाद-रोधी अभियानों में अमेरिका का साथ देने का दिखावा किया।

भारत-पाकिस्तान 2002 में युद्ध के कगार पर थे। दिसंबर 2001 में संसद पर हमला भी हुआ था। किरियाकोउ ने कहा कि उन्हें चिंता थी कि पाकिस्तान के राजनीतिक मुद्दे कहीं और न फैल जाएं, क्योंकि ये मुद्दे अपने ही मतभेदों के जाल में उलझकर रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पाकिस्तानी राजनीति में जारी असहमति की चिंता है, जिसके सड़कों पर उतरने की संभावना है क्योंकि पाकिस्तानियों में खुद को उकसाने की प्रवृत्ति है और प्रदर्शनों के दौरान लोग मारे जाते हैं, राजनीतिक हस्तियों पर हमले होते हैं और उनकी हत्याएं होती हैं, और देश अपने परिवर्तनकारी नेताओं द्वारा सकारात्मक निर्णय लेने के लिए नहीं जाना जाता है।

अल जजीरा के अनुसार, मुशर्रफ की आत्मकथा, इन द लाइन ऑफ फायर में, उन्होंने विस्तार से बताया है कि कैसे उन्होंने तालिबान को समर्थन देना बंद करके अपनी विदेश नीति में यू-टर्न लेने का फैसला किया। मुशर्रफ ने बताया कि कैसे उन्होंने सबसे पहले अमेरिका से लड़ने के विकल्प पर विचार किया। उन्होंने लिखा, मैंने अमेरिका को एक विरोधी के रूप में युद्धाभ्यास किया, और यह आकलन किया कि क्या पाकिस्तान इस हमले का सामना कर सकता है।

संसद हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में होने वाला था युद्ध, पूर्व यूएस अधिकारी का दावा: वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी, सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाको एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत पाकिस्तान का जिक्र किया है। किरियाको ने 9/11 के बाद पाकिस्तान में आतंकवाद-रोधी अभियानों का नेतृत्व करते हुए बिताए अपने वर्षों का जिक्र किया। उन्होंने इस्लामाबाद के साथ वाशिंगटन के असहज गठबंधन, आतंकवादी नेटवर्क के उदय और 2002 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बातचीत की। पूर्व सीआईए अधिकारी जॉन किरियाको ने कहा कि हमें विश्वास था कि 2002 में भारत और पाकिस्तान युद्ध में उतरेंगे। इसलिए परिवार के सदस्यों को इस्लामाबाद से निकाल लिया गया था। किरियाको ने दिसंबर 2001 में संसद पर हुए हमले के बाद ऑपरेशन पराक्रम को याद करते हुए कहा कि विदेश उप-सचिव आए और दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच आते-जाते रहे और एक समझौते पर बातचीत की, जिसके बाद दोनों पक्ष पीछे हट गए। लेकिन हम अल-कायदा और अफगानिस्तान में इतने व्यस्त और केंद्रित थे कि हमने भारत के बारे में कभी सोचा ही नहीं।

एक साल में 158000 घट गई पोलैंड की आबादी, आने वाला है बहुत बड़ा संकट?

वारसॉ, एजेंसी। कल्पना कीजिए, एक ऐसा देश जहां हर साल लाखों लोग कम हो रहे हों। जहां बच्चे पैदा होने की संख्या मौतों से कहीं कम हो। जहां युवा नौकरी और बेहतर जिंदगी की तलाश में दूसरे देश चले जाते हों। यही हकीकत है यूरोपीय देश पोलैंड की। हाल ही में पोलैंड के सरकारी सांख्यिकी कार्यालय (जीयूएस) ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा जारी किया है। इसके मुताबिक, पिछले एक साल में देश की आबादी 1,58,000 लोगों से घटकर अब लगभग 37.38 मिलियन रह गई है। यह गिरावट न सिर्फ आंकड़ों की बात है, बल्कि एक पूरे समाज की चिंता का विषय है। घटती आबादी का मतलब क्या है? सबसे पहले, आबादी घटने का मतलब

समझिए। जनसंख्या को मापने का सीधा फॉर्मूला है। आबादी = जन्म + अप्रवासन (नए लोग आना) - मौतें - प्रवासन (लोगों का जाना)। पोलैंड में जन्म कम हो रहे हैं, मौतें ज्यादा, युवा बाहर जा रहे हैं, और नए लोग उतने नहीं आ रहे जितने चाहिए। जीयूएस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश की जनसंख्या में पिछले एक साल में 1,58,000 की कमी आई है, जो एक गहराते डेमोग्राफिक संकट की ओर इशारा करती है। सितंबर 2025 के अंत तक पोलैंड की जनसंख्या 37.38 मिलियन थी, जो पिछले साल की तुलना में 1,58,000 और 2024 के अंत की तुलना में लगभग 1,13,000 कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 की पहली तीन तिमाहियों में जनसंख्या में 0.30% की कमी आई, यानी हर 10,000 निवासियों पर देश ने 30 लोगों को खोया, जो पिछले साल के 27 प्रति 10,000 की तुलना में अधिक है। यह गिरावट कम जन्म दर और अन्य कारकों के कारण लंबे समय से चली आ रही जनसंख्या घटने की प्रवृत्ति को दर्शाती है।रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2025 के बीच लगभग 1,81,000 बच्चों के जन्म दर्ज किए गए, जो 2024 की समान अवधि की तुलना में लगभग 11,000 कम है।

उत्तरी अफगानिस्तान में दो हथियारबंद लुटेरे मारे गए, चार एके-47 जब्त

काबुल, एजेंसी। अफगान पुलिस ने उत्तरी बल्ख प्रांत में एक मुठभेड़ के दौरान दो हथियारबंद लुटेरों को मार गिराया और चार एके-47 राइफलें जब्त कीं। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार देर रात चाहि जिले में हुई, जहां लुटेरों ने एक यात्री वाहन पर घात लगाकर हमला किया और उसमें सवार यात्रियों का सारा सामान लूट लिया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार पीड़ितों ने तुरंत अपराध की सूचना दी, जिससे पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिली। जब पुलिस ने संदिग्धों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो लुटेरों ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों हमलावर मारे गए। उनके सामान की तलाशी में चार कलाश्निकोव असॉल्ट राइफलें मिलीं, जिनमें से दो लुटेरों की थीं

और दो पहले सुरक्षा बलों से चुराई गई थीं। इसी से जुड़ी एक घटना में पुलिस ने बुधवार को पड़ोसी सार-ए पुल प्रांत में हुई मुठभेड़ में एक और हथियारबंद लुटेरे को मार गिराया। किसी और के हताहत होने की खबर नहीं है और जांच जारी है। 6 अक्टूबर को प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला एजातुल्लाह हक्कानी ने कहा कि पुलिस ने पिछले पांच महीनों में दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में कई अभियानों के दौरान लगभग 400 फायर आर्म्स और सैन्य उपकरण बरामद किए।

आर्गेनिक और प्राकृतिक आहार 25 फीसदी तक बढ़ाते हैं गर्भधारण की संभावना

हार्वर्ड, एजेंसी।
मानव विकास की कहानी केवल बुद्धि और तकनीक की नहीं बल्कि ऊर्जा, ताकत और प्राकृतिक सामंजस्य की भी है। खासकर तब, जब बात प्रजनन की आती है। नवीनतम मानवविज्ञान और जैविक अनुसंधान यह संकेत दे रहे हैं कि शिकारी मैदानों (हंटर फील्ड्स) में मनुष्य की शारीरिक क्षमता, ऊर्जा व्यय और ताकत, गर्भधारण की संभावना व चयन के मनोवैज्ञानिक तंत्र को गहराई से प्रभावित करती रही है।

अब आधुनिक अनुसंधान यह भी जोड़ता है कि शरीर सौष्ठव, ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन पद्धति उसी जैविक लय की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यानी जब शरीर अपनी ऊर्जा को कृत्रिम रसायनों से मुक्त रखता है, तब प्रजनन संकेत और हार्मोनल संतुलन अधिक स्वाभाविक रूप से सक्रिय होते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं ने आर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लिया उनमें गर्भधारण की संभावना 18 से 25 फीसदी बढ़ गई।

अमेरिका के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन इवोल्यूशनरी बायोलॉजी डिपार्टमेंट और यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के रीप्रोडक्टिव इकोलॉजी सेंटर द्वारा प्रकाशित संयुक्त अध्ययन नेचर ह्यूमन

बिहेवियर 2025 के अनुसार मानव समाज के आरंभिक हंटर-गैदरर युग में ऊर्जा व्यय और शारीरिक शक्ति का सीधा संबंध गर्भधारण की दर से पाया गया है। शोध में यह पाया गया कि जिन महिलाओं का शरीर ऊर्जा-संतुलन में था यानी न तो अत्यधिक वसा, न अत्यधिक परिश्रम उनमें अंडोत्सर्जन (ओव्यूलेशन) की संभावना अधिक थी। वहीं पुरुषों में उच्च सहनशक्ति, मजबूत हड्डी घनत्व और लंबे शिकार अभियानों से लौटने के बाद हार्मोनल स्तर में वृद्धि गर्भधारण के अवसर बढ़ाती थी।

ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लेने वाली माताओं से जन्मे बच्चों में इम्यून सिस्टम (प्रतिरोधक क्षमता) सामान्य तौर पर बेहद मजबूत पाया गया है। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट और यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि ऐसी माताओं के बच्चों में जन्म के बाद संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी स्थितियां औसतन 40 से 45 प्रतिशत कम देखी गई। हार्वर्ड टीएच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अध्ययन में पाया गया कि जिन महिलाओं का आहार अधिकतर जैविक (ऑर्गेनिक) और प्राकृतिक स्रोतों से था, जैसे बिना कीटनाशक वाले फल, साबुत अनाज, हरी सब्जियां, नट्स, उबला हुआ मीट और प्राकृतिक प्रोटीन उनमें गर्भधारण की संभावना 18 से 25 प्रतिशत अधिक देखी गई। यह अंतर इसलिए होता है क्योंकि ऑर्गेनिक आहार में एंडोक्राइन डिसरप्टर बहुत कम होते हैं।

चिंता: यूरोप में बर्ड फ्लू की वापसी, कृषि-स्वास्थ्य पर मंडराया गंभीर खतरा

पेरिस, एजेंसी।
यूरोप में बर्ड फ्लू का खतरा एक बार फिर गहराने लगा है। फ्रांस सरकार ने प्रवासी पक्षियों और पोल्ट्री फार्मों में संक्रमण के नए मामलों की पुष्टि के बाद देशभर में राष्ट्रीय चेतावनी स्तर बढ़ा दिया है। उत्तरी फ्रांस के दो व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों और तीन छोटे घरेलू फार्मों में एवियन इन्फ्लुएंजा एच-5-एन-1 के मामले दर्ज किए गए हैं। फ्रांस के कृषि मंत्रालय ने कहा है कि यह संक्रमण केवल पक्षियों तक सीमित नहीं है बल्कि यह पोल्ट्री उद्योग, खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। फ्रांस के साथ-साथ नीदरलैंड और स्पेन में भी हाल के हफ्तों में बर्ड फ्लू के मामले दर्ज हुए हैं। नीदरलैंड के एक फार्म में संक्रमण की पुष्टि के बाद लगभग 71,000 पक्षियों को मारना पड़ा, जबकि स्पेन ने अपने निगरानी प्रोटोकॉल को और कड़ा कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रवासी पक्षी इस वायरस के प्राकृतिक वाहक हैं। बंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के हालिया अध्ययन के अनुसार

एच-5-एन-1 वायरस में आनुवंशिक विविधता बढ़ रही है, जिससे यह अधिक अनुकूलन क्षमता के साथ इंसानों के लिए और खतरनाक बन सकता है। यूरोपियन फूड सेफ्टी अथॉरिटी (ईएफएसए) ने भी चेताया है कि मौसमी प्रवास के साथ यह संक्रमण शीतकालीन पुनरुत्थान चक्र में प्रवेश कर सकता है, जिससे यूरोप में सर्दियों के महीनों में नए प्रकोप देखने को मिल सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल आम जनता के लिए खतरा बहुत कम है। पके हुए चिकन या अंडे खाना सुरक्षित है, क्योंकि वायरस 70 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर नष्ट हो जाता है। हालांकि पोल्ट्री उद्योग से जुड़े लोगों को फार्मों की नियमित सफाई, सैनिटाइजेशन और खुले में पक्षियों के संपर्क से बचने की सख्त सलाह दी गई है। फ्रांस में बर्ड फ्लू के बढ़ते मामलों ने न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया को सतर्क कर दिया है।विशेषज्ञों के अनुसार प्रवासी पक्षी सीमाओं की परवाह किए बिना इसे एक देश से दूसरे देश तक फैला सकते है, जिससे यूरोप के कई देशों की पशु-स्वास्थ्य प्रणालियां दबाव में आ गई हैं। बर्ड फ्लू, जिसे वैज्ञानिक रूप से एवियन इन्फ्लुएंजा कहा जाता है, पक्षियों में फैलने वाली एक संक्रामक वायरल बीमारी है। इसका सबसे खतरनाक प्रकार एच-5-एन-1 है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से की अपील- युद्ध के बजाय शांति पर खर्च करें संसाधन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में सुधार को लेकर लंबे समय से मांग चल रही है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से अपील की है कि विकास और शांति के लिए संसाधनों का उपयोग किया जाए।

महासचिव गुटेरेस ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य पर सुरक्षा परिषद की एक खुली बहस में यह अपील की। हनोई से एक वीडियो लिंक के माध्यम से महासचिव ने अपने भाषण की शुरुआत की। यूएन महासचिव गुटेरेस ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक किस्से का जिक्र करते हुए कहा कि 1946 में, मतदान से पहले सुरक्षा परिषद की पहली मतपेटी निरीक्षण के लिए खोली गई थी। जब पेटी खुली तो सभी को आश्चर्य हुआ कि उसमें पहले से ही एक कागज का टुकड़ा था।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि यह संदेश उस मतपेटी के निर्माता, न्यूयॉर्क के एक स्थानीय मैकेनिक पॉल एंटोनियो का था। उन्होंने कहा था कि वह पूरी दुनिया में स्थायी शांति की कामना करते हैं। गुटेरेस ने कहा, यह संदेश हमें याद दिलाता है कि सुरक्षा परिषद क्यों अस्तित्व में है: यह उन लोगों के लिए है, जो ईमानदार हैं और जिन्होंने पिछले आठ दशकों से युद्ध के संकट से खुद को बचाने के लिए इस संस्था पर भरोसा रखा है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने आगे कहा, इस मंच

पर बैठने का सौभाग्य, सबसे बढ़कर, उन लोगों की आस्था का सम्मान करने का कर्तव्य है। और युद्ध पर अक्सर खर्च होने वाले संसाधनों को विकास और शांति के कार्यों में लगाना है। कई महत्वपूर्ण अवसरों पर, सुरक्षा परिषद ने यह काम पूरा किया है और पिछले आठ दशकों में महाशक्तियों के बीच युद्ध की अराजकता को रोका गया। गुटेरेस ने आगे कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अच्छे काम करने के लिए जरूरी और ताकतवर है, लेकिन इसकी वैधता कमजोर है। हमने अक्सर संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को चार्टर के सिद्धांतों के विरुद्ध काम करते देखा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, जब ऐसा होता है, तो न केवल तत्काल कार्रवाई रुक जाती है, बल्कि इससे संयुक्त राष्ट्र की पूरी परियोजना में विश्वास भी कम होता है। यह हम सभी को बड़े खतरे में भी डाल देता है। जब एक देश नियमों का उल्लंघन करता है, तो दूसरे देश सोचते हैं कि उन्हें भी ऐसा करने की छूट है और इतिहास हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि यह रास्ता किस ओर ले जाता है।

आजाद वेनेजुएला में पीएम मोदी की मेजबानी के लिए तैयार हूं

काराकास, एजेंसी। 2025 की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरीना माचादो, पिछले 20 सालों से वेनेजुएला में लोकतंत्र बहाली की लड़ाई लड़ रही हैं उन्होंने भारत की जमकर तारीफ की है। एक गुप्त स्थान से टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में (क्योंकि वह पिछले 15 महीनों से छिपकर रह रही हैं) माचादोने कहा, भारत एक महान लोकतंत्र है और दुनिया के लिए एक उदाहरण है। लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत, वेनेजुएला का एक बड़ा सहयोगी बन सकता है जब देश में शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता परिवर्तन होगा। माचादो ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने और जल्द ही स्वतंत्र वेनेजुएला में उन्हें आमंत्रित करने की उम्मीद करती हैं। माचादो ने भारत के प्रति अपना गहरा सम्मान जताते हुए कहा, मैं पूरे दिल से भारत की प्रशंसा करती हूं। मेरी बेटी हाल ही में भारत गई थी और उसे यह देश बहुत पसंद आया। उन्होंने बताया कि उनके कई वेनेजुएलन मित्र भारत में रहते हैं और वह खुद भारतीय राजनीति को नजदीक से फॉलो करती हैं। महात्मा गांधी के बारे में उन्होंने कहा, गांधी ने दिखाया कि शांतिपूर्ण कमजोरी नहीं है। अहिंसा से भी आजादी हासिल की जा सकती है। माचादो ने कहा कि वे चाहती हैं कि भारत एक बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में वेनेजुएला के लोगों के अधिकारों के समर्थन में आवाज उठाए।

अहमदाबाद में रेव पार्टी का भंडाफोड़, 20 विदेशी और 2 भारतीय नागरिक हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात पुलिस ने बीती रात एक बड़े रेव पार्टी का भंडाफोड़ किया। इस मौके 20 विदेशी नागरिकों और 2 भारतीय नागरिक को हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है कि पार्टी स्थल से कई शराब की बोतलें और अन्य सामान बरामद हुए हैं। बोपाल पुलिस ने बीती रात अहमदाबाद में चल रही एक रेव पार्टी पर छापेमारी की। पुलिस ने शिलाज इलाके के पास के एक फॉर्म में चल रही एक हाई-प्रोफाइल रेव पार्टी पर छापा मारा। इस दौरान 20 विदेशी नागरिकों और 2 भारतीय नागरिकों को हिरासत में लिया। पकड़े गए विदेशी नागरिकों में नाइजीरिया, केन्या और मोजाम्बिक के लोग शामिल थे।

विदेशी नागरिकों की रेव पार्टी

पुलिस के अनुसार ये लोग शराब और अन्य नशीले पदार्थों के नशे में पार्टी कर रहे थे। सभी आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस आगे की जाँच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि रेव पार्टी के आयोजक कौन था और शराब कहाँ से आई थी।

मोतिहारी पुलिस ने घर में छापेमारी कर बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा बरामद किया

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर मोतिहारी पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस ने एक घर में कार्रवाई कर बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रढिया गांव में एक घर में बड़ी संख्या में हथियार छिपाए गए हैं। इसी सूचना के आधार पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसके बाद करीब 200 से अधिक पुलिसबल के साथ रढिया गांव स्थित उपेंद्र सिंह के घर पर छापेमारी की गई। चार घंटे तक चले तलाशी अभियान में वहां से पुलिस को एक कार्बाइन, एक राइफल, तीन पिस्टल, एक देसी कट्टा, सौ से अधिक गोलियां, दो लाख रुपए से अधिक नकदी और कई शराब की बोतलें मिलीं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उपेंद्र सिंह और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। उपेंद्र पिछले 20 वर्षों से कश्मीर में पेंटर का काम करता था और एक सप्ताह पहले ही घर लौटा था। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि हथियार रखने का मकसद क्या था? संभावना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जल्द पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। इधर, मोतिहारी के छौड़ादानो थाना अंतर्गत गुप्त सूचना के आधार पर एक हुंडी कारोबारी संजय कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनके घर से बड़ी मात्रा में भारतीय और नेपाली मुद्रा बरामद की गई है।

हिट-एंड-रन मामले में बुरी फंसी कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश, पुलिस जल्द बुलाएगी जांच के लिए

बेंगलुरु (एजेंसी)। कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश से जुड़े हिट-एंड-रन मामले में कुछ बात सामने आई है। बेंगलुरु के ब्यातारायणपुरा इलाके में 4 अक्टूबर को रात लगभग 1:30 बजे एक हिट-एंड-रन की घटना हुई। बताया जाता है कि कन्नड़ अभिनेत्री और बिग बॉस कन्नड़ की कंटेस्टेंट दिव्या सुरेश पर कार चलाने का आरोप है। बाइक पर यात्रा कर रहे तीन लोग घायल हुए। 34 वर्षीय अनीता को गंभीर चोटें आई, उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ। किरण और अनुषा को मामूली चोटें आई। वे अस्पताल जा रहे थे। कार ने बाइक को टक्कर मारी और चालक (कथित तौर पर दिव्या सुरेश) बिना रुके मौके से फरार हो गया, जबकि घायल मदद के लिए चिल्ला रहे थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। गवाहों और पुलिस जांच ने पुष्टि की है कि कार दिव्या सुरेश ही चला रही थी। पुलिस ने भारतीय कानून की धारा 281 और 125(ए) और मोटर वाहन कानून की धारा 134(ए), 134(बी), और 187 के तहत एफआईआर दर्ज की है। दिव्या सुरेश इस समय शूटिंग में व्यस्त हैं, लेकिन पुलिस जल्द ही उन्हें पूछताछ के लिए बुलाएगी। जांच जारी है और आरोपी को जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा। अनीता को डॉक्टरों ने लंबे समय तक आराम की सलाह दी है। पीड़ित के परिवार का कहना है कि दिव्या सुरेश ने अभी तक उनसे कोई संपर्क नहीं किया है।

42 साल बाद 3000 लोगों के नरसंहार की रिपोर्ट विधानसभा में?

गुवाहाटी (एजेंसी)। 42 साल पहले असम में नेली नरसंहार की घटना हुई थी। इसमें लगभग 3000 लोगों की मौत हुई थी। यह रिपोर्ट 42 साल बाद अब विधानसभा के पटल में रखी जा रही है। इस घटना की जांच के लिए 1983 में जांच आयोग गठित किया गया था। आयोग ने में 1984 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया था। असम के मुख्यमंत्री बिश्व शर्मा ने कहा है कि फोरेंसिक जांच के बाद रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि हो गई है। उस समय असम आंदोलन पूरे उफान पर था। अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में असम आ रहे थे। 1983 में हुए इस नरसंहार में 1800 लोगों की आधिकारिक रूप से मौत की पुष्टि की गई थी। लेकिन गैर आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 3000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। अगले साल असम में विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब यह जांच रिपोर्ट 42 साल बाद पेश की जा रही है। इसे अब क्यों पेश किया जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक हलचलें शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों को हवा देने के लिए यह रिपोर्ट जाहिर की जा रही है।

पुरी में रिश्ते हुए शर्मसार...16 वर्षीय नाबालिग से रिश्तेदारों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले के चंदनपुर इलाके में 22 अक्टूबर को एक सामूहिक दुष्कर्म का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ने अपने कुछ दूर के रिश्तेदारों (चाचा और भाई) पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है। यह घटना 22 अक्टूबर को तब हुई जब पीड़िता अपनी छोटी बहन के साथ घर में सो रही थी और उसका परिवार देवी काली की मूर्तियों का विसर्जन जुलूस देखने गया था। पीड़िता ने परिवार के सदस्यों के लौटने पर अपनी मां को पूरी बात बता दी।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह होगा यादगार, आसमान में एयर शो तो जमीन पर सेना दिखाएगी करतब

गार्ड ऑफ ऑनर का नेतृत्व करेगी नारी शक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह बेहद खास और ऐतिहासिक होने जा रहा है। यह आयोजन एक तरह से कर्तव्य पथ पर होने वाली 26 जनवरी की परेड का छोटा रूप होगा, जिसमें देश की शौर्य परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन एक साथ दिखाई देगा।

इस भव्य आयोजन में बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ सहित तमाम केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों के मार्चिंग दस्ते भाग लेंगे। परेड में महिला कर्मियों की विशेष भागीदारी होगी। बीएसएफ के डीजी दलजीत सिंह चौधरी के अनुसार, इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी करेंगी, जो 'नारी शक्ति' का प्रतीक होगा।

परेड का मुख्य आकर्षण भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एयरक्राफ्ट टीम का शानदार एयर शो होगा, जो आसमान में तिरंगे रंगों की छटा बिखेरते हुए रोमांच का माहौल बनाएगा। वहीं, जमीन पर बीएसएफ और सीआरपीएफ के शौर्य चक्र एवं वीरता पदक विजेता जवान अपनी बहादुरी की झलक पेश करेंगे। परेड में शामिल होने वाले वीर जवानों में वे भी होंगे जिन्होंने देश की सीमाओं और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपने साहस से मिशन को सफल बनाया।

इस साल पहली बार परेड में बीएसएफ का भारतीय नस्ल का डॉग दस्ता, गुजरात पुलिस का घुड़सवार दस्ता, असम पुलिस के मोटरसाइकिल डेयरडेविल्स, और ऊंट सवार बैंड हिस्सा लेंगे। बीएसएफ के डॉग दस्ते में देशी नस्ल के रामपुर और मुधोल हाउंड शामिल होंगे, जिनका नेतृत्व अखिल भारतीय पुलिस डॉग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त मुधोल हाउंड 'रिया' करेगी। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 10 आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक होंगी। संस्कृति मंत्रालय के विशेष कार्यक्रम में 900 कलाकार भारतीय शास्त्रीय नृत्य का सामूहिक प्रदर्शन करेंगे, जो समारोह की भव्यता को और बढ़ाएगा। वहीं, एनसीसी कैडेट्स और स्कूल बैंड अपने आकर्षक प्रदर्शन से एकता और देशभक्ति की भावना को सजीव करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर वायु सेना की 'सूर्य किरण' टीम का एयर शो आसमान में देशभक्ति का रंग बिखेरते हुए समारोह को यादगार बनाएगा।

कुर्नूल बस हादसे में यात्री की शिकायत पर ड्राइवरों पर मामला दर्ज, तेज रफ्तार और लापरवाही का आरोप

कुर्नूल (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले में हुए भीषण बस हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस हादसे में 20 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने दो बस ड्राइवरों के खिलाफ लापरवाही और तेज रफ्तार में बस चलाने के आरोप में केस दर्ज किया है। घटना उलिंदकोंडा थाना क्षेत्र में हुई थी। बेंगलुरु जा रही एक प्राइवेट बस सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के नीचे फंस गई और कुछ ही पलों में उसमें भीषण आग लग गई। आग बस तक फैल गई, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिनमें से 19 यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि बाकी लोग आग की लपटों में फंस गए। हादसे में मौके पर ही 20 लोगों की मौत हो गई और कई घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे से बचने वाले यात्री एन. रमेश की शिकायत पर उलिंदकोंडा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रमेश ने बताया कि बस चालक काफी तेज गति से वाहन चला रहे थे और कई बार यात्रियों ने उन्हें गति धीमी करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने बात नहीं मानी। पुलिस ने बताया कि बस और बाइक दोनों को जब्त कर लिया गया है, जबकि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर राहत कार्य शुरू किया। बस में लगी आग पर काबू पाने में करीब दो घंटे लगे। घायलों को कुर्नूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गहलोत ने कहा, कांग्रेस हाईकमान चाहता हैं, जिलाध्यक्षों पर निष्पक्ष फीडबैक उनके पास आए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने संगठन सृजन अभियान के तहत नए जिलाध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया में पसंदीदा नेताओं या अपने गुट के नेताओं की सिफारिश करने को लेकर तंज कस दिया है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान चाहता है जिलाध्यक्षों पर निष्पक्ष होकर असली फीडबैक हमारे पास आए। यह तभी आएगा जब कोई नेता पंचायती नहीं करें, पर्यवेक्षकों से सिफारिश नहीं करे, अपनी भावना उन्हें नहीं बताए। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि किसी भी गुट का जिलाध्यक्ष बने, लेकिन वहां सभी को साथ लेकर चले। दरअसल, राजस्थान के 48 जिलों के जिलाध्यक्ष के लिए पार्टी ने पैनल तैयार किया है। नए जिलाध्यक्षों का ऐलान नवंबर में हो सकता है।

गहलोत ने कहा कि कोई बात है, तब सीधे राहुल गांधी को बताए, केसी वेणुगोपाल को बता दें। मैं फील करता हूं मेरे पास फीडबैक आया, तब उस पर कोई बात नहीं, लेकिन पर्यवेक्षकों से कोई बात नहीं करनी चाहिए। इसलिए मैंने पोस्ट किया कि प्रस्ताव पास नहीं होना चाहिए कि अमुक नेता को हम अधिकार देते हैं, वहां भी नहीं होना चाहिए। गहलोत ने कहा कि भरा पड़ा था राजस्थान हाउस, तब मैंने उन्हें समझाया। आप सब आए हो अच्छी बात है पर दिमाग में रखो, हम ईमानदारी से काम करना चाहते हैं, वफादार हैं पार्टी के। आप में से कोई बन जाओ, इस बात का कोई मतलब नहीं है। एक बार हाईकमान ने फैसला कर दिया, तो उसको कामयाब करने से ही कांग्रेस मजबूत होगी।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग का दफ्तर सातों दिन 24 घंटे खुला रहेगा, एसआईआर की तैयारी तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की तैयारी तेज हो गई है। चुनाव आयोग ने संकेत दिए हैं कि 1 नवंबर से राज्य में एसआईआर शुरू किया जाएगा। इसके लिए सभी जिला चुनाव अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) ने सभी जिलाधिकारियों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पत्र भेजकर कहा है कि एसआईआर से जुड़े सभी लंबित कार्य शीघ्र निपटाए जाएं। बताया जा रहा है कि आयोग की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पश्चिम बंगाल का मुख्य निर्वाचन कार्यालय अब सप्ताह के सातों दिन, 24 घंटे खुला रहेगा। इसके साथ ही एसआईआर में तैनात कर्मचारियों को हर समय कार्यालय में उपलब्ध रहने का आदेश दिया गया है ताकि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में किसी भी तरह की देरी न हो।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन निर्देशों के तहत हर जिला चुनाव अधिकारी को अपने कार्यालय में एसआईआर से जुड़ी शिकायतों और प्रश्नों के समाधान के लिए एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित करनी होगी। इसके अलावा, एसआईआर की औपचारिक घोषणा के अगले दिन एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी। यह बैठक राज्य स्तर पर मुख्य चुनाव अधिकारी और जिला स्तर पर जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित होगी। इन बैठकों में राजनीतिक दलों के सुझाव लिए जाएंगे और बैठक की रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजी जाएगी।

गौरतलब है कि गुरुवार को निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन पांच राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से बातचीत की है, जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इनमें असम, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। आयोग ने राज्यों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित दो दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान आयोग ने सभी राज्यों के सीईओ को एसआईआर से जुड़ी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने को कहा है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची अद्यतन कार्य के साथ ही बूथवार सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। चुनाव आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची पूरी तरह से अद्यतन और त्रुटिरहित हो, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके।

ऑनलाइन यौन शोषण पर सरकार हुई सख्त, तुरंत हटाना होगा आपत्तिजनक कंटेंट

-पीड़ितों को कानूनी और मानसिक मदद मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन यौन शोषण के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब किसी व्यक्ति की सहमति के बिना साझा की गई अंतरंग या निजी तस्वीरों पर तुरंत कार्रवाई करनी होगी। नई व्यवस्था के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और पुलिस को शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर ऐसा आपत्तिजनक कंटेंट हटाना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने 22 अक्टूबर को सरकार द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स को मंजूरी दी है। ये दिशानिर्देश पीड़ितों को न केवल कंटेंट हटाने का अधिकार देते हैं, बल्कि उन्हें यह भी सुनिश्चित करते हैं कि यदि वही सामग्री दोबारा अपलोड की जाती है तो उन्हें तुरंत अलर्ट किया जाए। नई गाइडलाइंस के तहत, पीड़ितों को कानूनी सहायता और मनोवैज्ञानिक परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा ताकि वे मानसिक रूप से संभल सकें। यह पहल अदालत के अगस्त 2025 के उस निर्देश के बाद की गई है जिसमें हाईकोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से पूछा था कि अगर किसी की निजी तस्वीरें या वीडियो ऑनलाइन लीक हो जाते हैं, तो पीड़ित को राहत पाने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए?

शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। अब पीड़ित सीधे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के 'एब्यूज' या 'रिपोर्ट' बटन के जरिए शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा वे प्लेटफॉर्म्स के ग्रिवांस ऑफिसर, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) या स्थानीय पुलिस थाने में भी रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। यदि किसी को किसी भी स्तर पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं मिलती, तो वे ऑनलाइन ग्रीवेंस अपीलेट कमेटी (जीएसी) में अपील कर सकते हैं। कंटेंट को दोबारा अपलोड होने से रोकने के लिए तकनीकी उपाय भी किए गए हैं। सोशल मीडिया कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को अब 'क्रॉलर्स' और 'हैश-मैचिंग' तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा। ये तकनीकें इंटरनेट पर आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियोज की पहचान उनके डिजिटल फिंगरप्रिंट (हैश) से करती हैं। साथ ही, प्लेटफॉर्म्स को हटाई गई सामग्री के डिजिटल हैश को मीटवाय के 'सहयोग पोर्टल' और गृह मंत्रालय के साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4सी) के साथ साझा करना होगा ताकि ऐसी सामग्री भविष्य में कहीं और दोबारा न डाली जा सके।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का शक: उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर साधा निशाना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा की चार सीटों के लिए हुए चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने तीन सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भारतीय जनता पार्टी पर जमकर बरसे। भाजपा के पास विधानसभा में केवल 28 विधायक हैं, फिर भी उनके एकमात्र सफल उम्मीदवार और राज्य इकाई प्रमुख सत शर्मा को 32 वोट मिले। उमर ने सवाल उठाया कि अतिरिक्त चार वोट कहां से आए? उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके किसी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की और उनके चुनावी एजेंटों ने सभी मतपत्रों को पर्चियां ध्यान से जांच लीं। तीन वोट रद्द घोषित किए गए थे, जिनमें मतदाताओं ने गलत वरीयता संख्या दर्ज की थी। उमर ने तीखे लहजे में कहा कि जिन विधायकों ने यह खेल खेला, उन्होंने बीजेपी के लिए अपनी आत्मा बेच दी, लेकिन खुलकर यह स्वीकार करने की हिम्मत भी नहीं दिखा पा रहे।

बीजेपी ने राज्यसभा की सभी चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इनमें सत शर्मा, अली मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और एक अन्य शामिल थे। परिणाम में सिर्फ सत शर्मा ही जीते। नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद को 58 वोट, सज्जाद किचलू को 57 वोट मिले, जबकि तीसरे उम्मीदवार जीएस ओबेरॉय उर्फ शमी ओबेरॉय और नबी डार ने भी भारी मतों से जीत हासिल की। बीजेपी के अन्य उम्मीदवारों को सिर्फ 28-28 वोट ही मिल पाए। अटकलें लगाई जा रही हैं कि निर्दलीय विधायकों ने बीजेपी को समर्थन दिया, जबकि उन्होंने चुनाव से पहले एनसी का खुला समर्थन करने का वादा किया था। उमर ने कहा कि यह विश्वासघात है और लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है।

एनसी नेता इमरान नबी डार ने बीजेपी पर सीधे वोट खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी कभी ईमानदारी से चुनाव नहीं लड़ती और यह एक बार फिर साबित हो गया। जब उनके पास सिर्फ 28 विधायक हैं, तो 32 वोट कैसे मिल गए? दूसरी ओर, सत शर्मा ने सफाई दी कि चार विधायकों ने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और बीजेपी का साथ दिया। उन्होंने इसे जनादेश बताया। यह विवाद जम्मू-कश्मीर की नाजुक राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना रहा है। क्षेत्र में एनसी की मजबूत पकड़ है, लेकिन क्रॉस वोटिंग के आरोपों ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि निर्दलीय विधायकों की भूमिका पर जांच होनी चाहिए। उमर का गुस्सा एनसी कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है, लेकिन यह मामला चुनावी पारदर्शिता, नैतिकता और विश्वास पर गहरी बहस छेड़ रहा है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और खुलासे हो सकते हैं।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा बढ़ा, छठ पर बिहार में भी हो सकती है झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा मंडरा रहा है। शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बने निम्न दबाव क्षेत्र के 27 अक्टूबर तक तूफान में बदलने की आशंका है। 'मोंथा', जिसका थाईलैंड में अर्थ 'सुगंधित फूल' है, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और तमिलनाडु में भारी बारिश ला सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 27-31 अक्टूबर तक अलर्ट जारी किया। छठ पर्व के दौरान बिहार में रुक-रुककर बारिश से घाटों पर फिसलन और जलजमाव की समस्या हो सकती है। सरकार ने सतर्कता और तैयारियों के निर्देश दिए हैं।

भुवनेश्वर आईएमडी निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि प्रणाली पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रही है। ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में 27-29 अक्टूबर को बहुत भारी बारिश (115.6 मिमी से अधिक) होगी। बिहार में पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा जैसे जिलों में हल्की-मध्यम बारिश संभव है। छठ व्रतियों को छाता और जलरोधक जूते रखने की सलाह दी गई। अंडमान-निकोबार में 25-26 अक्टूबर को भारी वर्षा, सिक्किम और पूर्वोत्तर में 29-30 अक्टूबर तक असर रहेगा। अरब सागर में भी दबाव सक्रिय है।

उत्तर-पूर्वी मॉनसून ने तमिलनाडु में कहर बरपाया है। कावेरी डेल्टा में फसलें बर्बाद हुईं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राहत कार्य तेज करने के आदेश दिए। विपक्ष ने धान भंडारों के भीगने पर लापरवाही का आरोप लगाया। केंद्र ने एफसीआई टीम भेजी, जो नमी सीमा 17 से 21 प्रतिशत करने का आकलन करेगी। केरल में भारी बारिश से पेड़ और बिजली तार गिरे, जिससे घर और वाहन क्षतिग्रस्त हुए। आठ जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। जलभराव और नदियों का बढ़ता जलस्तर चिंता का विषय है। बिहार में 27-31 अक्टूबर को तापमान 2-3 डिग्री गिरेगा। न्यूनतम 20-22 डिग्री, अधिकतम 32-36 डिग्री। ओडिशा में 28-29 अक्टूबर को तूफान तट से टकरा सकता है, जिससे बाढ़ का खतरा है। एनडीआरएफ टीमें तैनात हैं। किसानों को फसल बचाने की सलाह दी गई। दीवाली-छठ के बीच यह तूफान चुनौती है, लेकिन पूर्व चेतावनी से नुकसान कम होगा।

चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की इन गलतियों के कारण आयोग रद्द कर देता हैं उनका नामांकन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में कई उम्मीदवारों के नामांकन रद्द हुए हैं। चुनाव आयोग की जांच में इनके दस्तावेज में कई बड़ी गलतियां सामने आई हैं। बिहार में मोहनिया विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन की उम्मीदवार श्वेता सुमन, सुगौली विधानसभा सीट से राजद विधायक शशि भूषण सिंह, लोजपा आर की छपरा मढ़ौरा सीट से प्रत्याशी सीमा सिंह सहित कई अन्य उम्मीदवारों का नामांकन रद्द हो चुका है। इसलिए इस रिपोर्ट में जानते हैं आखिर किन वजहों से उम्मीदवारों का नामांकन रद्द हो जाता है

दरअसल नामांकन पत्र या जरूरी दस्तावेज समय पर जमा नहीं किए गए, नामांकन पत्र उम्मीदवार या प्रस्तावक की जगह किसी और ने जमा किया, नामांकन पत्र पर उम्मीदवार या प्रस्तावक के हस्ताक्षर का मिलान नहीं हो पाना, नामांकन के लिए प्रस्तावकों की संख्या पूरी नहीं है, उम्मीदवार उस वर्ग से नहीं है जिसके लिए सीट आरक्षित की गई है, प्रस्तावक उस विधानसभा क्षेत्र का मतदाता नहीं है, उम्मीदवार ने नामांकन के साथ निर्धारित प्रारूप में हलफनामा नहीं दिया, हलफनामे में कॉलम खाली छोड़े गए और नोटिस के बाद भी नया हलफनामा नहीं दिया, उम्मीदवार उस क्षेत्र का मतदाता नहीं, उम्मीदवार ने अपने नाम वाली मतदाता सूची की प्रमाणित प्रति या अंश नहीं लगाया प्रमुख कारण है।

चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, एक बार नामांकन रद्द होने पर, उम्मीदवार को उम्मीदवारी को तुरंत बहाल नहीं हो सकती है। लेकिन, इसतरह के उम्मीदवार के पास दो कानूनी विकल्प मौजूद होते हैं। पहला विकल्प है, पुनर्विचार याचिका दायर करना। इस याचिका के माध्यम से उम्मीदवार चुनाव आयोग के सामने यह साबित करने की कोशिश कर सकता है कि उसका नामांकन रद्द करने की प्रक्रिया में कोई गलती हुई थी या यह अनुचित था। यदि चुनाव आयोग को लगता है कि यह गलती मामूली थी, तब वह अपने फैसले की समीक्षा कर सकता है। दूसरा विकल्प न्यायिक अपील का होता है। इसके तहत, उम्मीदवार हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर सकता है। यह प्रक्रिया थोड़ी लंबी हो सकती है और चुनाव की समय-सारणी को प्रभावित नहीं करती है।

सीमा सिंह को मिला था त्रुटि सुधारने का मौका

निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक चिराग पासवान की पार्टी की उम्मीदवार सीमा सिंह को त्रुटि सुधारने का मौका दिया गया था, लेकिन वह समय पर संशोधित फॉर्म जमा नहीं कर सकीं। इस कारण रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमानुसार उनका नामांकन खारिज किया। अगर नाम या पते में मामूली वर्तनी की गलती है, तब चुनाव आयोग इस गलती को सुधारने का मौका दिया जा सकता है।